खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 25 नवंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-6 । अंक-325

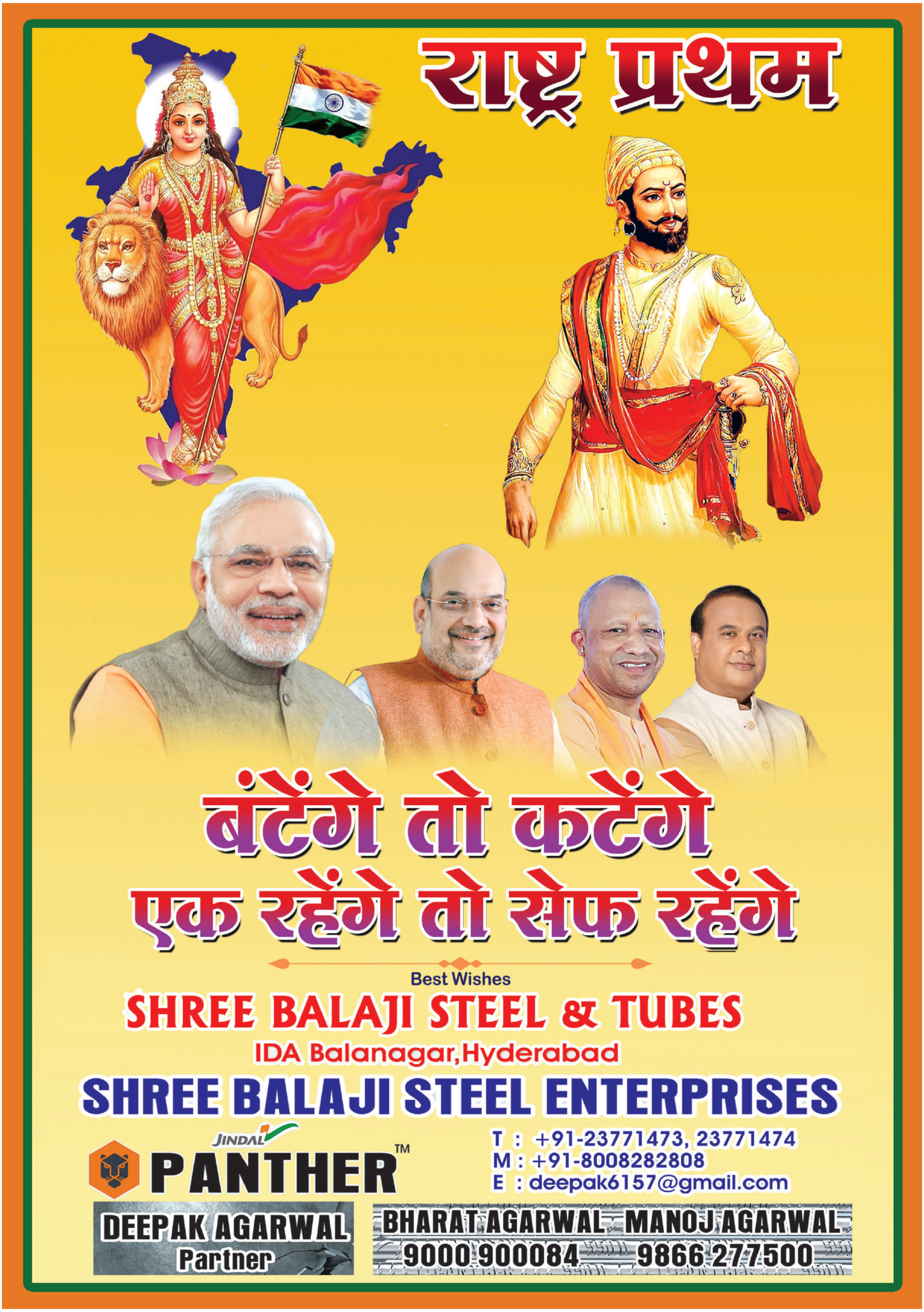

जॉर्डन में इजराइली दूतावास के बाहर फायरिंग करने वाला ढेर, बेरुत में इजराइली हमले में 20 की मौत

अम्मान, 24 नवंबर (एजेंसियां)।

जॉर्डन की राजधानी अम्मान के रबियाह इलाका स्थित इजराइली दूतावास के पास गोलीबारी करने वाले आरोपित को पुलिस ने मार गिराया है। हमलावर की गोलीबारी में तीन पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। जॉर्डन के अधिकारियों ने घटनाक्रम की जानकारी दी है।

जॉर्डन के सार्वजनिक सुरक्षा निदेशालय की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक रविवार तड़के जॉर्डन की राजधानी अम्मान के रबियाह इलाके में एक हमलावर अचानक इजराइली दूतावास के पास सुरक्षाकर्मियों पर गोलीबारी करने लगा। गोलीबारी में तीन सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। सुरक्षाबलों ने भागते हुए हमलावर का पीछा किया और आरोपित को मार गिराया। हमलावर की पहचान अभी नहीं हुई है।

उल्लेखनीय है कि साल 1994 से इजराइल-जॉर्डन के बीच शांति समझौता है लेकिन हमास के साथ युद्ध और लेबनान में इजराइली हमले के बाद से दोनों देशों के बीच काफी तनाव है।

उधर, इजराइल ने शनिवार देर रात लेबनान की राजधानी बेरूत पर हवाई हमला किया जिसमें एक रिहायशी इमारत को निशाना बनाया गया। हमले में 20 लोगों की मौत हो गई। लेबनान स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक हमले में 66 लोगों घायल हुए हैं, इनमें से कई की हालत गंभीर है। इजराइली अधिकारियों के मुताबिक उसने हिज्बुल्लाह के एक टॉप कमांडर मोहम्मद हैदर को मारने के लिए यह हमला किया था। जबकि हिज्बुल्लाह ने कहा है कि हमले में उसके किसी व्यक्ति की मौत नहीं हुई है।

न्यूज ब्रीफ

फिलीपींस में डेंगू का प्रकोप, इस साल अब तक 881 लोगों की मौत

मनीला,24 नवंबर। फिलीपींस के स्वास्थ्य विभाग (डीओएच) ने कहा कि इस वर्ष 1 जनवरी से 16 नवंबर तक डेंगू के 340,860 मामले सामने आए, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 81 फीसदी अधिक है।

सूत्रों ने स्वास्थ्य विभाग के हवाले से बताया कि इस अवधि में डेंगू के कारण 881 लोगों की मृत्यु दर्ज की गई है। एजेंसी ने कहा कि इस वर्ष अब तक मृत्यु दर 0.26 प्रतिशत है, जो पिछले वर्ष दर्ज की गई 0.34 प्रतिशत से कम है।

फिलीपींस के स्वास्थ्य सचिव टेओडोरो हर्बोजा ने देशवासियों से सतर्क रहने का आग्रह किया, खासकर उन लोगों से जो अक्टूबर और नवंबर में देश में आए छह तूफानों के कारण आई बाढ़ से प्रभावित हुए हैं।

उन्होंने कहा कि लगातार आए तूफानों के बाद, मच्छर स्थिर पानी में पनप सकते हैं।

फिलीपींस में डेंगू एक आम बीमारी है। डेंगू सहित जल जनित संक्रामक रोग आमतौर पर बरसात के मौसम में चरम पर होते हैं।

फिलीपींस में 16 नवंबर को आए मैन-यी तूफान के कारण आठ लोगों की मौत हो गई थी। तूफान के कारण देश में कई जगहों पर बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं हुईं।

यह तूफान एक महीने से भी कम समय में फिलीपींस में आया छठा शक्तिशाली तूफान था। यह इस साल फिलीपींस में आने वाला 16वां उष्णकटिबंधीय चक्रवात (ट्रॉपिकल साइक्लोन) है। लगातार आए चक्रवातों के कारण भारी वर्षा, बाढ़ और भूस्खलन हुआ, जिससे लुजोन और द्वीप समूह के अन्य भागों में भारी तबाही मच गई थी।

गंदे ईयर बड्स बेचकर कमा रही रोजाना 9 हजार रुपए

लंदन। कंटेंट क्रिएटर और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर महिला लैटिशा जोन्स ने खुलासा किया कि वह गंदे ईयर बड्स बेचकर रोजाना करीब 9 हजार रुपये तक कमा लेती हैं। टिकटॉक पर लैटिशा ने इस अजीब धंधे के बारे में बताया। महिला का कहना है कि वह अपने कानों से इस्तेमाल किए गए ईयर बड्स इकट्ठा करती हैं। वह इन बड्स पर कान का वैक्स और गंदगी इकट्ठा करती हैं और फिर इन्हें सील बंद पन्नियों में पैक कर अपने ग्राहकों को भेज देती हैं। लैटिशा के अनुसार, उनके ग्राहक वही लोग होते हैं, जिन्हें ईयर वैक्स देखने, छूने या इससे जुड़ी किसी तरह की सनक से उत्तेजना मिलती है। यह एक प्रकार की फेटिश है, जिसे वह पूरी तरह से समझती हैं और इसका लाभ उठाती हैं। लैटिशा ने बताया कि ग्राहकों के लिए गंदगी और वैक्स जितना अधिक होता है, उतना ही वह ईयर बड्स के लिए ज्यादा पैसे देने के लिए तैयार रहते हैं। इसके अलावा, लैटिशा इन बड्स के साथ एक कार्ड भी भेजती हैं, जिसमें वह किस करती हैं। इस सबका मकसद अपने ग्राहकों के अनुभव को और भी खास बनाना है। लैटिशा के अनुसार, यह तरीका उनके लिए एक बेहद लाभकारी साइड हसल साबित हो रहा है, जिससे वह बिना किसी बड़े निवेश के अच्छा खासा पैसा कमा रही हैं। इसके बावजूद, इस प्रकार का काम समाज में अस्वास्थ्यकर और विवादास्पद माना जा सकता है।

रूस के हमलों से परेशान यूक्रेन अमेरिका से लगा रहा गुहार

कीव। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को एक हजार दिन पूरे हो चुके हैं और अब यह युद्ध नाजुक दौर में पहुंच गया है। दोनों ही देश एक दूसरे पर आक्रमण कर रहे हैं। दोनों ही बर्बादी का दंश झेल रहे हैं। इस बीच यूक्रेन ने बड़ा दावा करते हुए कहा है रूस ने यूक्रेनी शहर दि्नप्रो पर गुरुवार को लंबी दूरी की अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया है। यदि यूक्रेन का दावा सही निकलता है तो यह इतिहास में पहली बार होगा जब किसी देश ने परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम मानी जाने वाली इस मिसाइल का इस्तेमाल किया है। मास्को ने यूक्रेन के इन आरोपों को खारिज किया है। यह घटना तब हुई जब बाइडेन प्रशासन से इस्तेमाल की मंजूरी मिलने के बाद यूक्रेन ने रूस में छह अमेरिकी निर्मित लंबी दूरी की मिसाइलें दागीं। रूस ने इसे राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा खींची गई रेड लाइन को पार करना बताया है। दोनों देशों के बीच मौजूदा बढ़ते तनाव से परमाणु युद्ध का खतरा बढ़ गया है। जिस तरह आज परमाणु युद्ध को लेकर वैश्विक परिस्थितियां बन रही हैं, वैसा पहले कभी नहीं हुआ।

अमेरिका में शक्तिशाली साइक्लोन 'बॉम्ब' ने दी दस्तक

158 किमी की रफ्तार से चली आंधी ने मचाया कोहराम, 6 लाख घरों की बिजली हुई गुल

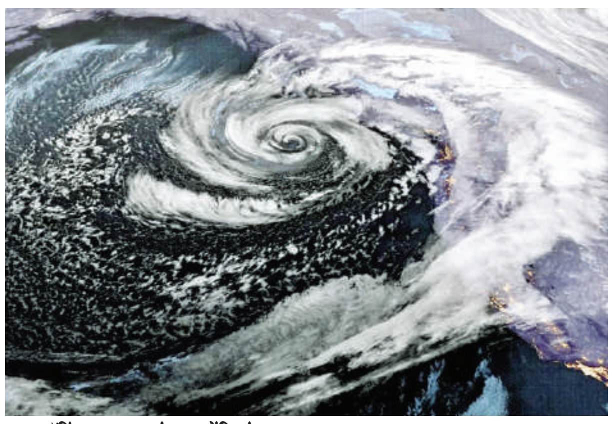

वॉशिंगटन, 24 नवंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका की राष्ट्रीय मौसम सेवा (एनडब्ल्यूएस) ने ओरेगन तट पर 158 और वॉशिंगटन राज्य के माउंट रेनियर में 124 किमी प्रति घंटे की गति से हवा चलने की सूचना दी। वॉशिंगटन राज्य में तूफ़ान से कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और करीब 6,00,000 घरों में बिजली गुल हो गई। शुक्रवार शाम तक, वाशिंगटन राज्य और ओरेगन में 2,60,000 से ज्यादा जबकि कैलिफोर्निया में 92,000 से ज्यादा लोग बिना बिजली के रहे। ओरेगन में, वायुमंडलीय नदी ने तेज वर्षा की है। कुछ क्षेत्रों में 20 से 30 सेंटीमीटर वर्षा हो सकती है। एनडब्ल्यू ने शुक्रवार शाम तक ओरेगन के लिए बाढ़ की चेतावनी जारी की है। कैलिफोर्निया ने वायुमंडलीय नदी (पृथ्वी के वायुमंडल में नमी का एक संकीर्ण गलियारा) का प्रकोप महसूस किया, जहां गुरुवार तक कुछ क्षेत्रों में 15 से 30 सेंटीमीटर वर्षा दर्ज की गई। वहीं, राज्य में मात्र 24 घंटों में लगभग 12 छोटे लैंडस्लाइड की सूचना मिली।

अमेरिका में इस हफ्ते एक शक्तिशाली साइक्लोन 'बॉम्ब' ने दस्तक दी, जो देश में पिछले 10 सालों में आए सबसे खतरनाक चक्रवातों में से एक है। इसने अमेरिका में ऐसी तबाही मचाई कि पूरे देश में हाकार मच गया। 'बॉम्ब' साइक्लोन की वजह से तेज हवाएं, भारी बारिश और बर्फीला तूफान भी देखने को मिला। इतना ही नहीं, तूफान के कारण क्षेत्र में बिजली कटौती और पेड़ों के गिरने की कई घटनाएं भी हुई हैं। एक शक्तिशाली चक्रवात 'बम' और धीमी गति से बहने वाली वायुमंडलीय नदी ने इस सप्ताह अमेरिका के पश्चिमी तट पर तबाही मचाई। लाखों घरों में बिजली बंद पड़ गई और कम से कम दो लोगों की मौत हो गई। सूत्रों के अनुसार, तूफान तेजी से 'बॉम्ब' चक्रवात में बदल गया इसने वॉशिंगटन राज्य, ओरेगन और कैलिफोर्निया के कुछ हिस्सों में तूफानी हवाएं, अधिक बारिश और बर्फबारी शुरू कर दी। पूरे क्षेत्र में ट्रांसपोर्ट को बुरी तरह से नुकसान पहुंचा। वॉशिंगटन राज्य में, सिएटल के उत्तर में एक ट्रेन गिरे हुए पेड़ से टकरा गई। हालांकि राहत की बात रही कि 48 यात्रियों में से किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। तूफान ने ऊंचे इलाकों में भी भारी बर्फबारी की। वॉशिंगटन राज्य के कैस्केड रेंज के अधिकांश हिस्से में बर्फीले तूफान की चेतावनी जारी की गई। उत्तरी सिएरा नेवादा और ओरेगन कैस्केड में भी 30 से 61 सेंटीमीटर तक बर्फबारी होने की उम्मीद है। जलवायु वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि यह तूफान कैलिफोर्निया के तेजी से बढ़ते मौसम पैटर्न को सामने लाया है। राष्ट्रीय मौसम सेवा ने प्रभावित क्षेत्रों के निवासियों से घर के अंदर रहने और अनावश्यक यात्रा से बचने का आग्रह किया है। वायुमंडलीय नदी के शनिवार सुबह तक बने रहने की उम्मीद है, वीकेंड में एक और तूफान प्रणाली विकसित होने की संभावना है।

गाजा में नहीं थम रही इजराइल की बमबारी,17 लोगों की मौत

गाजा, 24 नवंबर (एजेंसियां)।

इजरायली बमबारी के परिणामस्वरूप हाल ही में गाजा पट्टी में कम से कम 17 फिलिस्तीनी लोगों की मौत हो गई है। गाजा शहर के दक्षिण-पूर्व में स्थित अल-जायतून में एक घर पर इजरायली एयर स्ट्राइक में तीन बच्चों समेत सात फिलिस्तीनियों की मौत हो गई थी। एक रिपोर्ट के अनुसार, गाजा पट्टी के खान यूनिस में तीन घरों पर बमबारी की गई, जिसमें नौ लोगों की मौत हुई, सहित बच्चों को भी शामिल किया गया था। इसके अलावा, गाजा के नुसेरात शिविर में एक अपार्टमेंट पर बम गिराया गया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई।

रिपोर्ट के अनुसार, वहीं गाजा पट्टी के खान यूनिस में तीन घरों पर बमबारी की गई जिसमें बच्चों सहित नौ लोग मारे गए जबकि गाजा के नुसेरात शिविर में एक अपार्टमेंट पर बम गिराए गए जिसमें एक शख्स की मौत हो गई। 7 अक्टूबर इजरायल में हमास के बड़े हमले के जवाब में यहूदी राष्ट्र ने फिलिस्तीनी ग्रुप के कब्जे वाली गाजा पट्टी में सैन्य अभियान शुरू किया था। हमास के हमले में करीब 1200 लोग मारे गए थे जबकि 250 से अधिक लोगों को बंधक बनाया गया था। इजरायली हमलों ने गाजा में बड़े पैमाने पर तबाही मचाई है। गाजा स्थित स्वास्थ्य अधिकारियों ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि गाजा पट्टी में जारी इजरायली हमलों में मरने वाले फिलिस्तीनियों की संख्या बढ़कर 44,056 हो गई है।

हाल ही में फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए यूएन एजेंसी के प्रमुख जनरल फिलिप लाजारिनी ने कहा कि गाजा बच्चों के लिए कब्रिस्तान बन गया है। उन्होंने विश्व बाल दिवस (जो हर साल 20 नवंबर को मनाया जाता है) के अवसर पर एक बयान में कहा, वे (बच्चे) मारे जा रहे हैं, घायल हो रहे हैं, पलायन करने को मजबूर हैं, सुरक्षा, शिक्षा और खेल से वंचित हो रहे हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक लाजारिनी ने कहा, उनका बचपन छीन लिया गया है, और वे एक खोई हुई पीढ़ी बनने के कगार पर हैं, क्योंकि उन्होंने एक और स्कूल वर्ष खो दिया है।

नियर ईस्ट में फिलिस्तीन शरणार्थियों के लिए यूएन रिलीफ एंड वर्क्स एजेंसी के चीफ ने कहा कि वेस्ट बैंक के बच्चे भी लगातार डर और चिंता के साय में जी रहे हैं।

बर्फबारी के बीच बाजार खुलने का इंतजार

स्कॉटलैंड में लोग बर्फबारी के बीच ही क्रिस्मस बाजार खुलने का इंतजार करते हुए।

तेजी से बदल रहा है पृथ्वी का चुंबकीय क्षेत्र

लंदन। हमारे ग्रह को सूर्य और अंतरिक्ष से आने वाली हानिकारक विकिरणों से बचाने वाला पृथ्वी का चुंबकीय क्षेत्र तेजी से बदल रहा है। इसको लेकर वैज्ञानिकों ने चिंता व्यक्त की है। खासतौर पर उत्तरी चुंबकीय ध्रुव, जो अब तक कनाडा के ऊपर स्थित था, तेजी से रूस के साइबेरिया की ओर खिसक रहा है। ब्रिटिश जियोलॉजिकल सर्वे (बीजीएस) के वैज्ञानिकों का कहना है कि यह खिसकाव इंसानों और तकनीकी प्रणालियों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि 2040 तक कम्पास सच्चे उत्तर की बजाय पूर्व की ओर इंगित कर सकते हैं। इसके साथ ही, दक्षिणी चुंबकीय ध्रुव भी अंटार्कटिका के ऊपर पूर्व की ओर खिसक रहा है। पृथ्वी के बाहरी कोर में मौजूद पिघला हुआ लोहा अनियमित रूप से प्रवाहित होता है, जो चुंबकीय ध्रुवों में बदलाव का कारण बनता है।

मेरे लिए मातृत्व से अधिक कुछ भी महत्वपूर्ण नहीं: एंजेलिना

लॉस एंजेलिस। हाल ही में हॉलीवुड अभिनेत्री एंजेलिना जोली ने कहा कि उनके लिए मातृत्व से अधिक कुछ भी महत्वपूर्ण नहीं है। एक्ट्रेस जोली ने यह बात एक कार्यक्रम के दौरान अपने बच्चों के प्रति समर्पण के बारे में साझा की। जोरी के कुछ छह बच्चे है

एंजेलिना जोली ने बताया कि उनका जीवन सिर्फ अपने बच्चों के लिए है और वे अपने बच्चों मैडॉक्स, पैक्स, जहरा, शिलोह और जुड़वां नॉक्स और विवियन के साथ अपनी पूरी ऊर्जा और समय समर्पित करती हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या उनके जीवन में कुछ ऐसा है जो दिवंगत ओपेरा गायिका मारिया कैलस के गायन के प्रति प्रेम से तुलना की जा सकती है, तो जोली ने अपने मातृत्व को प्राथमिकता देते हुए कहा, मेरा मातृत्व... यह मेरी खुशी है।

आप मुझसे बाकी सब कुछ छीन सकते हैं... मेरे लिए बाकी कुछ भी मायने नहीं रखता।एंजेलिना जोली और उनके पूर्व पति ब्रैड पिट के छह बच्चे हैं।

बलि देने की सनक ऐसी कि अपने दोस्त और प्रेमिका को ही मार डाला, शवों से अंग निकाले और खा गया

टेक्सास, 24 नवंबर (एजेंसियां)।

यहां एक अजीबो गरीब मामला प्रकाश में आया है। एक व्यक्ति को अचानक मानव बलि देने का जुनून सवार हुआ। उसने सबसे पहले अपनी ही रुममेट दोस्त की हत्या की और उसके गुर्दे निकालकर खा गया। इसके बाद भी उसका मन नहीं भरा तो अपनी खुद की प्रेमिका को फोन करके बुलाया और उसे भी मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद उसके कई अंग निकाले और चबा चबाकर खा गया। पुलिस की गिरफ्त में आए थॉर्नबर्ग ने अब तक तीन लोगों की हत्या करना स्वीकारा है।

खबरों के मुताबिक सितंबर 2021 में थॉर्नबर्ग ने तीन लोगों की हत्या की, उनके शरीर के टुकड़े किए और उन्हें टेक्सास के यूलेस में एक मोटल में अपने बिस्तर के नीचे रख दिया। इससे बाद उसने फोर्ट वर्थ में एक डंपस्टर के अंदर शवों को आग लगा दी। थॉर्नबर्ग ने जांचकर्ताओं के सामने कबूल किया कि उसे अनुष्ठान बलिदान करने की मजबूरी महसूस हुई और उसने एक पीड़ित का दिल और पीड़ितों के शरीर के अन्य हिस्से खा लिए। उसके वकीलों ने तर्क दिया कि जब उसने हत्याएं कीं तो वह पागल था और गंभीर मानसिक बीमारी से पीड़ित था। जब उसे हत्या के आरोपों में गिरफ्तार किया गया, तो थॉर्नबर्ग ने पुलिस के सामने कबूल किया कि उसने मई 2021 में एक घर में अपने रूममेट की हत्या की थी और 2017 में एरिज़ोना में अपनी गर्लफ्रेंड की हत्या की थी। गुरुवार को जब मुकदमे का सजा वाला पहलू शुरू हुआ, तो इन दो पिछली हत्याओं को अदालत में पेश किया गया. जब तक सज़ा का चरण पूरा नहीं हो जाता, तब तक पीड़ितों के परिवार सार्वजनिक रूप से बात नहीं कर सकते। टेक्सास के इस शख्स ने तीन लोगों की हत्या करने, उनके शरीर के टुकड़े करने और उनके शरीर को जलाने का दोषी ठहराया गया। उसने जांचकर्ताओं के सामने कबूल किया कि उसने इन लोगों को 'बलिदान' करने के लिए बुलाया था। फॉक्स 4 के मुताबिक, जेसन थॉर्नबर्ग को हत्या का दोषी पाया गया।

शियाओं ने सुन्नी मस्लिमों पर रात में बोला हमला

47 को उतारा मौत के घाट पाकिस्तानी झंडा फाड़कर फेंका

इस्लामाबाद, 24 नवंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान खैबर पख्तूनख्वा प्रांत शिया और सुन्नी मुस्लिमों के बीच खूनी हिंसा बढ़ गई है। यहां के कुर्रम स्थित बागन बाजार में शिया और सुन्नी मुस्लिमों के बीच भारी हिंसा देखने को मिल रही है। जुमे की रात को शिया मुस्लिमों ने सुन्नी इलाकों में भारी हथियारों के साथ हमला बोल दिया। शिया मुस्लिमों ने सुन्नियों के घरों को जला दिया और कई लोगों को मौत के घाट उतार दिया। पिछले दो दिनों की हिंसा में अब तक 47 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है।

बताया जा रहा है कि बीती रात ही 20 लोगों की मौत हो गई है। आलम यह है क्र शिया मुस्लिमों ने पाकिस्तान के एक विशाल झंडे को भी उतारकर उसकी जगह पर अपना झंडा लहरा दिया। इस सांप्रदायिक हिंसा को देखते हुए पूरे इलाके में कर्फ्यू लगा दिया गया है। कुर्रम के डेप्युटी कमिश्नर ने मरने वालों के आंकड़े की पुष्टि की है। इस हिंसा के बाद पूरे इलाके में भारी विरोध प्रदर्शन चल रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक पूरे इलाके में हालात बहुत ही ज्यादा तनावपूर्ण हैं और इसी वजह से मोबाइल सेवा को बंद कर दिया गया है। सुन्नियों के हमले में मारे गए लोगों को दफनाए जाने के बाद शिया आगबबूला हो गए और उन्होंने पाकिस्तानी सेना के दो चौकियों को फूंक दिया। कुर्रम में शिया और सुन्नी के बीच खूनी हिंसा का पुराना इतिहास रहा है। इससे पहले जुलाई और सितंबर महीने में भी दोनों के बीच जमकर संघर्ष हुआ था।

पाकिस्तानी प्रशासन ने हिंसा को रोकने के लिए इलाके में मोबाइल सेवा को भी बंद कर दिया है। पैराचिनार इलाके में सभी बिजनस और शैक्षणकि संस्थानों को बंद कर दिया गया है। यह पूरा इलाका अफगानिस्तान की सीमा के पास है और यहां पर पहले भी बड़े पैमाने पर शिया-सुन्नी हिंसा हो चुकी है। शुक्रवार को हजारों की तादाद में शिया मुस्लिम शहर की सड़कों पर उतर आए। इससे पहले करीब 200 गाड़ियों के काफिले के साथ शिया मुस्लिम पेशावर से पैराचिनार जा रहे थे।

इस दौरान बगान कस्बे में सुन्नी हथियारबंद गुटों ने भारी हथियारों से हमला बोल दिया।प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि चारों ओर से सुन्नी गुटों ने गोलियां बरसाना शुरू कर दिया जिससे बड़ी तादाद में लोग हताहत हो गए। यह पूरा हमला करीब 30 मिनट तक चला। स्थानीय मीडिया के मुताबिक 16 अन्य लोग घायल हैं जिसमें से 11 लोगों हालत गंभीर है। इस हिंसा के बाद शिया मुस्लिम गुट भड़के हुए हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस इस काफिले के साथ चल रही थी लेकिन सुरक्षा मुहैया कराने में विफल रही।

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | सोमवार, 25 नवंबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-6 | अंक-325

खाड़ी देश में नारकीय जिंदगी भोग रही भारत की बालाएं

वहश के देश में जब बसर होता है, यातनाओं के अंधेरे में सफर होता है

नौकरी के नाम पर खाड़ी देशों में भेजी गई 9 लड़कियों ने स्वदेश वापस आ कर 28 सितंबर 2024 को राज्यसभा सांसद बलवीर सिंह सींचेवाल से मुलाकात की। इन सभी को वापस लाने में बलवीर सिंह ने काफी

महिलाओं पर पुरुषों की मालिश और निकाह का दबाव

मदद की थी। लड़कियों ने बताया कि खाड़ी देशों में उनको शारीरिक और मानसिक यातना के दौर से गुजरना पड़ा था। इस मुलाकात के बाद यह तथ्य प्रकाश में आया कि पंजाब और उसके आसपास एक रैकेट काफी एक्टिव है जो लड़कियों को विदेशों में नौकरी दिलाने के नाम पर खाड़ी देशों में भेज रहा है।

ओमान, ईराक, सीरिया जैसे देशों से वापस लौटी इन महिलाओं ने बताया कि उनको वहां अमानवीय यातनाएं दी जाती हैं। इन यातनाओं में 20 से 22 घंटों तक काम करवाना, ठीक से खाना-पीना न देना, वापस जाने की मांग पर मारपीट करना और तहखाने में रखना जैसी प्रताड़ना शामिल हैं। इन महिलाओं पर पुरुषों की मालिश और निकाह का दबाव जैसे अनैतिक कामों का दबाव दिया जाता था। लड़कियों को दलदल में धकेल पर उन्हें भेजने वाले दलाल भी मुंह फेर लेते हैं।

बरनाला की महिला फंसी ओमान में : दलालों के इस रैकेट की शिकारों में एक

शुभ-लाभ चिंता

महिला पंजाब के बरनाला की भी है। तलाकशुदा और एक बच्चे की मां इस महिला के परिजनों ने कर्ज ले कर उसे ओमान भेजा था। महिला अपने बच्चे को मायके में छोड़ कर गई थी। वहां जाने के कुछ ही समय बाद महिला के साथ प्रताड़ना का दौर शुरू हो गया था। ओमान में महिला से पैसों की उगाही शुरू कर दी गई। उगाही के लिए ओमान में उसे चोरी के झूठे केस में फंसाने की धमकी भी मिल रही थी। अक्टूबर 2024 में पीड़िता ने एक रिकॉर्डिंग भेज कर बताया था कि ओमान में हर दिन उसकी पिटाई होती है।

कई बार तो पूरे हफ्ते परिजनों से बात भी नहीं करने दी जाती थी। पीड़िता ने खुद को आत्महत्या के लिए मजबूर बताते हुए भारत सरकार से भी मदद की गुहार लगाई थी। महिला की मां ने बताया कि उनकी बेटी को ओमान भेजने में एक रिश्तेदार ने मध्यस्थता निभाई थी।

दुबई में मनदीप कौर पर फर्जी केस : सितंबर 2024 में भारत दुबई से मनदीप कौर भारत लौटी थीं। वह 5 वर्षों से दुबई में रहती थी। मनदीप कौर मूलतः पंजाब के बरनाला की हैं। उनको दुबई में ड्रग्स के फर्जी केस में

इस्लामी देशों में पंजाब की सैकड़ों बालाएं बनी हैं बंधक

फंसा कर प्रताड़ित किया गया। मनदीप कौर के पास पैसे भी खत्म हो गए थे। आखिरकार राजनैतिक प्रयासों से मनदीप कौर को वापस भारत लाया गया।

ओमान में गीता की बुरी तरह से पिटाई : मनदीप कौर के ही साथ ▶10 पर

संसद का शीतकालीन सत्र आज से

वक्फ संशोधन बिल पेश करेगी सरकार

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)।

संसद का शीतकालीन सत्र कल सोमवार से शुरू हो रहा है। इस सत्र के दौरान वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक-2024 समेत अन्य महत्वपूर्ण विधेयक संसद की पटल पर पेश किए जा सकते हैं। सरकार ने इसके लिए तैयारियां कर ली हैं। सत्र प्रारंभ होने के पहले बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में कांग्रेस ने अडाणी और मणिपुर पर बहस की मांग कर यह साफ कर दिया कि संसद का शीतकालीन सत्र भी हंगामे की ही भेंट चढ़ने वाला है।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा की अगुवाई में महायुति की प्रचंड जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वक्फ बोर्ड की मनमानियों का जिक्र करते हुए कहा कि ये कांग्रेस की तुष्टिकरण की राजनीति का सबसे बड़ा उदाहरण है। प्रधानमंत्री ने कहा, संविधान में वक्फ बोर्ड का कोई स्थान नहीं है, इसे केवल वोट बैंक बढ़ाने के लिए स्थापित किया गया। सच्ची पंथनिरपेक्षता को कांग्रेस ने मृत्युदंड देने की कोशिश की है।

इसके साथ ही पीएम मोदी ने यह भी

कहा कि बाबा साहेब अंबेडकर द्वारा प्रदत्त संविधान में वक्फ बोर्ड कानून का कोई जिक्र ही नहीं है। ये तो कांग्रेस ने वक्फ बोर्ड जैसी व्यवस्था बनाई ताकि उसके

विपक्ष संसद में हंगामा करने को तैयार

शाही परिवार का वोट बैंक बढ़ सके। एक प्रकार से संविधान की सच्ची पंथ निर-पेक्षता को कांग्रेस ने मृत्युदंड देने की कोशिश की। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस द्वारा वक्फ बोर्ड को दी गई असीमित शक्तियों का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि 2014 में इन लोगों ने सरकार से जाते-जाते वक्फ बोर्ड को दिल्ली की कई संपत्तियां सौंप दी।

गौरतलब है कि इससे पहले चुनाव प्रचार के दौरान केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने भी नागपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा था कि 25 नवंबर से शुरू हो रहे संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान वक्फ संसोधन अधिनियम-2024 भी पेश किया जाएगा। उन्होंने भी बताया कि पिछले सदन के दौरान भी उन्होंने ने ही इस बिल को संसद की पटल पर रखा था। राजनीति के जानकारों का कहना है कि जिस प्रकार से देश में वक्फ बोर्ड देश में संपत्तियों पर मनमाना अधिकार जमाता जा रहा है, उससे वक्फ बोर्ड की असीमित शक्तियों पर लगाम लगाना आवश्यक हो गया है।

संसद का शीतकालीन सत्र प्रारंभ होने के पहले केंद्र सरकार ने रविवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई। इस बैठक में संसद के शीतकालीन सत्र को सुचारू रूप से चलाने के लिए पार्टियों के बीच सहमति बनाने की कोशिश की गई। सर्वदलीय बैठक में कांग्रेस ने अडाणी समूह के खिलाफ रिश्वतखोरी के आरोपों पर चर्चा की मांग की। इससे साफ है कि विपक्ष शीतकालीन सत्र में भी इस मुद्दे को उठाएगा, जिससे संसद सत्र के काफी हंगामेदार रहने के आसार हैं, ▶10 पर

संभल की जामा मस्जिद के सर्वे पर बवाल

हरिहर मंदिर बनाम जामा मस्जिद विवाद

हिंसा, पथराव और आगजनी से 'बेसंभाल' संभल

उपद्रव में तीन मरे, कई जख्मी, कई वाहन फूंके

संभल (यूपी), 24 नवंबर (एजेंसियां)।

संभल जिले में जामा मस्जिद के दोबारा सर्वे के दौरान रविवार को बड़ा बवाल खड़ा हो गया। कोर्ट कमिश्नर रमेश राधव की अगुवाई में टीम जब मस्जिद के अंदर सर्वे कर रही थी, तभी स्थानीय लोग मस्जिद के आसपास जुटने लगे। पुलिस द्वारा भीड़ को हटाने के प्रयास के बावजूद अचानक चारों ओर से पत्थरों की बौछार शुरू हो गई, जिससे स्थिति बेकाबू हो गई। उग्र भीड़ ने पुलिसकर्मियों पर हमला किया और वाहनों में भी आग लगा दी। इसके बाद पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने और लाठीचार्ज का सहारा लेना पड़ा। हिंसा में बीस से अधिक पुलिसकर्मी और स्थानीय लोग घायल हुए। तीन लोगों के मारे जाने की भी खबर है। मुरादाबाद के कमिश्नर आंजनेय कुमार सिंह ने तीन लोगों की मौत की आधिकारिक पुष्टि की है। मस्जिद के अंदर सुबह 7:30 बजे से लगभग दो घंटे तक सर्वे चला। कोर्ट कमिश्नर रमेश राधव की अगुवाई में टीम ने मस्जिद के विभिन्न हिस्सों का निरीक्षण किया। ▶10 पर

प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात के माध्यम से देश को बताया

इस बार खास तरह से मनेगी विवेकानंद की जयंती

दिल्ली में होगा विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)।

स्वामी विवेकानंद की 162वीं जयंती खास तौर पर मनाई जाएगी। 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद की जयंती युवा दिवस के रूप में मनाई जाती है। इस बार विवेकानंद जयंती के अवसर पर 11 और 12 जनवरी को दिल्ली के भारत मंडपम में विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग का आयोजन किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज आकाशवाणी पर मन की बात में यह बात कही। पीएम मोदी ने कहा, मैंने लाल किले की प्राचीर से ऐसे युवाओं से राजनीति में आने का आहवान किया है, जिनके परिवार का कोई भी व्यक्ति राजनीति में नहीं है, ऐसे एक लाख युवाओं को, नए युवाओं को, राजनीति से जोड़ने के लिए देश में कई तरह के विशेष अभियान चलेंगे।

पीएम मोदी ने युवाओं से एनसीसी से भी जुड़ने की अपील की। प्रधानमंत्री ने कहा, आज एनसीसी दिवस है। मैं खुद एनसीसी का कैडेट रहा हूं और इसके अनुभव मेरे लिए अनमोल हैं। एनसीसी युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व और सेवा की भावना पैदा करती है। देश में कहीं भी आपदा होने पर एनसीसी कैडेट आगे बढ़कर मदद करते हैं। ▶10 पर

कांग्रेस नेता ने शरद-उद्धव पर फोड़ा महाराष्ट्र की हार का ठीकरा

झारखंड में हेमंत सोरेन ने पेश किया सरकार बनाने का दावा

मुंबई/रांची, 24 नवंबर (एजेंसियां)।

कर्नाटक के मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जी परमेश्वर ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव परिणामों पर कहा कि इंडी गठबंधन के सहयोगी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) और शिवसेना (उद्धव ठाकरे) ने जैसी योजना बनाई थी, उसी वजह से महाराष्ट्र में इतनी बुरी हार देखने को मिली। जी परमेश्वर महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के पर्यवेक्षक थे। दूसरी तरफ, झारखंड में झामुमो नेता हेमंत सोरेन ने आज राज्यपाल संतोष गंगवार से मिल कर सरकार बनाने का दावा औपचारिक रूप से पेश कर दिया। महाराष्ट्र के चुनाव परिणामों को लेकर कांग्रेस नेता जी परमेश्वर ने कहा, लडकी बहिन योजना काफी प्रभावशाली रही। पिछले छह महीनों तक उन्होंने इसे प्रचारित किया,ये सब उनके हाथ में था। आखिरकार हमने टिकटों का ऐलान कर दिया और पार्टी में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई। शरद पवार और उद्धव ठाकरे के गुट आपस में अच्छी तरह से गठबंधन नहीं बना पाए, उन्होंने जैसी योजना बनाई गई थी, वैसा प्रचार नहीं किया। खासकर विदर्भ में हमें कम सीटें मिलीं। ▶10 पर

उद्योगपति एलन मस्क ने भारत के चुनाव आयोग को सराहा

एक दिन में 64 करोड़ वोट गिनना आश्चर्यजनक

वाशिंगटन, 24 नवंबर (एजेंसियां)।

प्रसिद्ध उद्योगपति, सोशल मीडिया एक्स के स्वामी और अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सलाहकार एलन मस्क ने भारतीय चुनाव प्रणाली की तारीफ करते हुए इसे अमेरिका के लिए एक सबक बताया है। एक ही दिन में मतगणना पूरी करने की प्रक्रिया पर मस्क ने हैरानी जताई और कहा कि भारत में 64 करोड़ मतों की गिनती एक दिन में, और यहां कैलिफोर्निया में 1.5 करोड़ वोटों की गिनती 18 दिन में भी पूरी नहीं हो पाई। एलन मस्क के बयान से यह स्पष्ट है कि भारत का चुनावी तंत्र केवल देश में ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी सराहा जाता है। उनकी तारीफ भारतीय लोकतंत्र और चुनाव आयोग के लिए गर्व का विषय है।

एलन मस्क ने ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि भारत ने एक दिन में 64 करोड़ वोट गिनकर परिणाम घोषित कर दिए, जबकि अमेरिकी राज्य कैलिफोर्निया में 1.5 करोड़ वोटों की गिनती 18 दिन बाद भी पूरी नहीं हो पाई। मस्क ने भारत की ईवीएम आधारित प्रणाली को सराहा, जो इतने बड़े पैमाने पर तेज़ और सटीक चुनावी परिणाम देने में सक्षम है। मस्क की यह टिप्पणी महाराष्ट्र और झारखंड के हाल ही में संपन्न विधानसभा और उपचुनावों के संदर्भ में आई, जहां एक ही दिन में वोट गिने गए ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 29°
न्यूनतम : 16°

महाराष्ट्र की जीत में कारगर रही संघ की रणनीति

योजनाबद्ध तरीके से हुई सांप्रदायिक और जातिवादी उकसावे की काट

महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति गठबंधन ने जो ऐतिहासिक जीत हासिल की है, उसकी चौतरफा चर्चा हो रही है। इसमें सबसे अधिक चर्चा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बंटेंगे तो कटेंगे, एक रहेंगे तो नेक रहेंगे और उनकी महाराष्ट्र में 11 रैलियों की चर्चा हो रही है। महाराष्ट्र में उन्होंने 17 उम्मीदवारों के लिए प्रचार किया। इनमें से 15 उम्मीदवारों की जीत हुई। इनमें से एक सीट अकोला पश्चिम पर भाजपा सिर्फ 1283 वोटों से हारी है। वहीं, झारखंड में सीएम योगी आदित्यनाथ ने कुल 18 सीटों पर चुनाव प्रचार किया। इनमें से 8 सीटों पर जीत मिलीं। वहीं, कई ऐसी सीटें रहीं, जहां विपक्षी सिर्फ कुछ हजार वोटों से जीते।

इसके अलावा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ताबड़-तोड़ रैली और एक हैं तो सेफ हैं जैसे नारे, लाडली बहना योजना, भाजपा सरकार की विकासवादी नीति और विपक्ष की तुष्टिकरण की राजनीति महायुति के जीत के प्रमुख कारक रहे। अगर इन सबको प्रमुख कारकों को एक तरफ रख दें और महाराष्ट्र चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों की रणनीति पर गहन नजर डालें तो

शुभ-लाभ विमर्श

इसके पीछे एक प्रमुख कारण विपक्ष का वोट जेहाद को समर्थन और इसके खिलाफ बना माहौल भी था। वोट जेहाद के असर को कम करने में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने बड़ी भूमिका निभाई।

हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों में महाविकास अघाड़ी को बड़ी सफलता मिली थी। राज्य की कुल 48 सीटों में से 14 पर इनके उम्मीदवारों ने जीत हासिल की थी। भाजपा ने इसे वोट जेहाद बताया था। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया था कि लोकसभा में इन 14 हिंदू उम्मीदवारों को हराने के लिए विशेष समुदाय (मुस्लिम) के लोगों ने एकजुट होकर वोट दिया था। अक्टूबर में देवेंद्र फडणवीस ने कहा था कि कुछ लोग सोचते हैं कि वे संगठित होकर हिंदुत्व को नीचे गिरा सकते हैं। इसके बाद राज्य में वोट जेहाद बनाम धर्मयुद्ध का नारा निकल चला पड़ा। दरअसल, भाजपा ने वोट जेहाद की जिस बात को उठाया था, वो अकारण नहीं था। इसकी सत्यता की पुष्टि करने चुनाव के दौरान कई तरह घटनाएं सामने आईं। महाराष्ट्र के मालेगांव में 12 लड़कों के खातों में 90 करोड़ रुपए आ गए। ये खाते धोखे से खुलवाए गए थे। भाजपा ने कहा कि इन पैसों को वोट जेहाद में इस्तेमाल में करने कि लिए भेजा गया था। मामले की जांच हुई तो पैसे भेजने वाला व्यक्ति महाराष्ट्र का एक मुस्लिम व्यापारी सिराज अहमद निकला। ▶10 पर

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

कोई शुभ समाचार मिलेगा. मन में उत्साह बना रहेगा. आप अपने प्रियजनों को दूसरों के साथ थोड़ा और अधिक दोस्ताना देखते हैं. अपने प्रिय की ख़ामियों को ढूंढने में समय बर्बाद न करें. अविवाहित लोगों को विवाह या प्रेम प्रस्ताव मिल सकते हैं. परिवार में वैचारिक मतभेद खत्म हा सकते हैं. घर–परिवार या पड़ोस में कोई कठिन परिस्थिति बने तो सकारात्मक रहें. कुछ लोगों के लिए आकस्मिक यात्रा दौड़–भाग भरी और तनावपूर्ण रहेगी.

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

कार्यस्थल पर बहुत ऊर्जावान रहेंगे. आप अपने व्यवहार में अत्यधिक सफल होंगे और ग्राहकों के साथ स्थायी संबंध बनाएंगे. आप अपनी योग्यता को साबित करने के लिए बेहतर अवसरों का लाभ उठाएंगे. आपके सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. आप बच्चों से खुश रहेंगे और अपने जीवनसाथी के साथ संतोषप्रद जीवन का लाभ उठाएंगे. स्वास्थ्य के सन्दर्भ में आज आप चिड़चिड़े हो सकतें हैं. आराम करने के लिए पर्याप्त समय लें.

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

पैसों की स्थिति में सुधार हो सकता है. इनकम बढ़ाने के कुछ अच्छे मौके भी आपको मिल सकते हैं. जिनसे आप खुद भी हैरान हो सकते हैं. हाल ही में कुछ नए दोस्त मिल सकते हैं. आप अपनी पसंद या मनमर्जी के कामों के लिए उत्सुक होंगे. जिस स्थिति का सामना कर रहे हैं, उससे आपको फायदा ही होगा. जो खास बात है उसे गंभीरता से ही लें. आज अपनी सोच पॉजिटिव रखें और काम करने के तरीके में बदलाव करें. सब ठीक हो जाएगा.

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

ऑफिस में आज काम का बोझ अधिक हो सकता है, लेकिन शाम तक पूरा काम आसानी से निपटा लेंगे.साथ ही काम पूरा करने में आपको किसी सहकर्मी की मदद भी मिल सकती है.आपके करियर में अचानक बदलाव आ सकता है, जिससे आपको धन लाभ का अवसर प्राप्त होगा.आज आपके कुछ नए दोस्त बन सकते हैं. वैवाहिक जीवन खुशहाल बना रहेगा.आज आपको कुछ चीज़ों का खास ध्यान रखना चाहिए और जोखिम भरे काम को करने से बचना चाहिए. बहते जल में तिल प्रवाहित करें, आर्थिक पक्ष मजबूत होगा.

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

कारोबारी आज अपनी आंखें खुली रखें, उन्नति का कोई बढ़िया अवसर आपको मिल सकता है. स्वास्थ्य बेहतर बना रहेगा. घर में परेशानियाँ पैदा हो सकती हैं लेकिन अपने साथी को छोटी–छोटी बातों के लिए ताने देने से बचें. आज के दिन अधिकांश समय ख़रीदारी और दूसरी गतिविधियाँ में जाएगा. सामान्य रूप से आज आपका दिन मिलाजुला रहेगा. परिवार के बड़े लोगों का आपको आज सहयोग मिलेगा. जीवनसाथी से किसी घरेलु समस्या

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपके लिए दिन सामान्य रहेगा. लेन–देन और निवेश के मामलों में नई प्लानिंग करेंगे. आपके आसपास चहल–पहल भी रहेगी. आपकी एकाग्रता चरम पर होगी और एक साथ कई काम भी संभालने पड़ सकते हैं. लोगों से मिलने या परिवार के साथ कहीं जाने का कार्यक्रम बन सकता है. काम और मेहनत दोनों ज्यादा रहेंगे, लेकिन आपको सफलता मिल सकती है.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आपको बहुत सारे लाभ मिल सकते हैं. किन्तु यदि आप आर्थिक लाभ हेतु आसान तरीकों की तलाश करते हैं तो आप केवल बुरे परिवर्तनों को आमंत्रित कर रहें हैं. व्यापारिक गतिविधियों से आपको अच्छा लाभ हो सकता है. वित्तीय मामलों में आपको सावधान रहना चाहिए ख अगर आपकी प्लानिंग दोषपूर्ण है तो आपके बिजनेस–पार्टनर के साथ रिश्ते कड़वे हो सकते हैं. अविवाहितों के जीवन में आज प्रेम का प्रवेश हो सकता है ख रिश्तेदारों से सम्बन्ध सुदारने के लिए आज का दिन अनुकूल है ख पारिवारिक जीवन यथावत रहेगा

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज कुछ लोग आपसे प्रभावित हो सकते हैं.आपकी ऊर्जा बढ़ी हुई रहेगी .उधार दिया हुआ पैसा आज आपको वापस मिल सकता है.धन लाभ के नए रास्ते खुले नज़र आ सकते हैं.आज का दिन खुद में बदलाव लाने वाला है.आपको जीवन में आगे बढ़ने के लिए नई योजनाएँ बनानी चाहिए.इससे आपको सफलता मिलेगी.जो लोग स्टेशनरी के बिजनेस से जुड़े हैं, उनको आज लाभ मिल सकता है.कामकाजी महिलाओं को कोई छोटा उद्योग शुरू करने में घर वालों का सहयोग प्राप्त हो सकता है.ब्राह्मण को भोजन कराएं, परिवार में खुशियों का आगमन होगा.

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आरोग्य साधारण रहेगा. आने वाले खर्चों के प्रबंध को लेकर आपको मिल जुलकर आगे बढने का प्लान बनाना होगा. आज आप अपने जीवनसाथी के साथ सैर–सपाटे का मज़ा ले सकते हैं. साथ में समय गुज़ारने का यह बढ़िया मौक़ा है. आज अपने व्यापार में विस्तार करने के लिए उत्तम दिन है. अगर आप नौकरी करते हैं तो आज ट्रांसफर के योग आपकी राशि में दिखाई दे रहे हैं. आज आप गुस्से और चिढ़चिढ़ेपन से बचने की कोशिश करें वरना आपका ही नुकसान हो जाएगा.

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आरोग्य साधारण रहेगा. आने वाले खर्चों के प्रबंध को लेकर आपको मिल जुलकर आगे बढने का प्लान बनाना होगा. आज आप अपने जीवनसाथी के साथ सैर–सपाटे का मज़ा ले सकते हैं. साथ में समय गुज़ारने का यह बढ़िया मौक़ा है. आज अपने व्यापार में विस्तार करने के लिए उत्तम दिन है. अगर आप नौकरी करते हैं तो आज ट्रांसफर के योग आपकी राशि में दिखाई दे रहे हैं. आज आप गुस्से और चिढ़चिढ़ेपन से बचने की कोशिश करें वरना आपका ही नुकसान हो जाएगा.

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

वित्तीय मोर्चे पर आज अच्छा लाभ संभव है. आप इस चरण में कई गतिविधियों में शामिल होंगे. मार्केटिंग, मीडिया आदि से जुड़े लोगों को यात्रा करनी पड़ सकती है. नए संपर्कों से भी लाभ होगा जो भविष्य में फायदेमंद साबित होगा. व्यावसायिक व्यक्ति अपने प्रतिद्वंद्वियों को बहुत पीछे छोड़ देंगे. भूमि , वाहन आदि की बिक्री और खरीद के लिए एक सकारात्मक चरण है. आप सुखी वैवाहिक जीवन का आनंद लेंगे लेकिन आपके कुछ करीबी लोगों का स्वास्थ्य आपकी चिंता का कारण बन सकता है.

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज जीवनसाथी के साथ रिश्ते बेहतर होंगे.आर्थिक पक्ष आज पहले से मजबूत रहेगा.आज माता–पिता का सहयोग प्राप्त होगा.सोचे हुए काम पूरे हो सकते हैं. आपके मन में नए–नए विचार आ सकते हैं.जिनको आप अपने जीवन में उतारने में कामयाब रहेंगे.ऑफिस में सहयोगियों के साथ आपके रिश्ते मजबूत होंगे.बॉस आपके कामों की प्रशंसा करेंगे.जो लोग स्वास्थ्य के क्षेत्र से जुड़े हैं, उन्हें कार्यक्षेत्र में कोई अवॉर्ड मिल सकता है.दोस्तों के साथ मौज–मस्ती में आपका दिन बीत सकता है.गणेश जी को दुर्वा चढ़ाएं, आर्थिक स्थिति बेहतर होगी.

सोमवार का पंचांग

दिनांक : 25 नवंबर 2024 , सोमवार
विक्रम संवत : 2081
मास : मार्गशीर्ष ,कृष्ण पक्ष
तिथि : दशमी रात्रि 01:04 तक
नक्षत्र : उत्तराफाल्गुनी रात्रि 01:24 तक
योग : विष्कुंभ दोपहर 01:10 तक
करण : वणिज प्रात:11:41 तक
चन्द्रराशि : कन्या
सूर्योदय : 06:26, सूर्यास्त 05:39 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:23, सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:16 , सूर्यास्त 05:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:16, सूर्यास्त 05:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रात: 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– भद्रा प्रात: 11:40 रात्रि 01:04 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने गठित की 13 कमेटियां, सभी 76 विधायक शामिल

चंडीगढ़,24 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन सम्बन्धी नियमों के अंतर्गत वर्ष 2024–25 की शेष अवधि के लिए विधानसभा की समितियों का गठन किया है। ये कमेटियां 31 मार्च 2025 तक कार्य करेगी, लेकिन विशेषाधिकार समिति नई समिति के गठन होने तक जारी रहेगी। विस अध्यक्ष ने कमेटियों का गठन करते वक्त सभी दलों में संतुलन साधने के साथ–साथ निर्दलीय विधायकों को भी पूरा मान–सम्मान दिया है।

विधान सभा की नव गठित नियम समिति में विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण पदेन अध्यक्ष होंगे। कल्याण ने कहा कि विधायिका की प्राथमिक जिम्मेदारी कानून बनाना और सरकार को जवाबदेह बनाना है। सभी सदस्य नागरिकों के प्रतिनिधि के रूप में कानून पारित करते हैं और सरकारी कामकाज की देखरेख करते हैं। वे सार्वजनिक धन का कुशल आवंटन भी सुनिश्चित करते हैं। ये समितियां एक ऐसे तंत्र के रूप में कार्य करती हैं, जो विधायिका की प्रभावशीलता में सुधार करने में मदद करती हैं। समितियों के माध्यम से विधायी कार्य प्रभावी ढंग से किया जाता है। इसलिए इन संसदीय समितियों को 'मिनी–हाउस' कहा जाता है। उन्होंने सभी सदस्यों से आह्वान किया है कि वे कमेटियों के कार्यों में पूरे मनोयोग से भाग लें।

नियम समिति– हरविन्द्र कल्याण (पदेन अध्यक्ष), भूपेन्द्र सिंह हुड्डा, डॉ. रघुवीर सिंह कादियान, गीता भुक्कल, घनश्याम दास, सावित्री जिंदल, कृष्णा गहलावत, अर्जुन चौटाला।

लोक लेखा समिति (पीएसी)– आफताब अहमद (अध्यक्ष), चंद्रमोहन, ओम प्रकाश यादव, विनोद भ्याना, डॉ. कृष्ण कुमार, सुनील सतपाल सांगवान, योगेन्द्र सिंह राणा, पूजा, आदित्य देवीलाल।

प्राक्कलन समिति– प्रमोद कुमार विज (अध्यक्ष), सावित्री जिंदल, चन्द्र प्रकाश, अर्जुन चौटाला, आदित्य सुरज–ेवाला, निखिल मदान, मनमोहन भड़ाना, कंवर सिंह, राजबीर फरटिया।

लोक उपक्रम समिति– राम कुमार गौतम (अध्यक्ष), निर्मल सिंह, परमवीर सिंह, कुलदीप वत्स, अनिल यादव, पवन खरखौदा, सतपाल जाम्बा, शक्ति रानी शर्मा, विकास सहारण।

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े वर्गों के कल्याण संबंधी समिति

भगवान दास (अध्यक्ष), जरनैल सिंह, बिमला चौधरी, राम करन, रेणु बाला, कपूर सिंह, डॉ. कृष्ण कुमार, पवन खरखौदा।

सरकारी आश्वासनों पर समिति– भारत भूषण बत्रा (अध्यक्ष), मोहम्मद इलियास, मूलचंद शर्मा, लक्ष्मण सिंह यादव, तेजपाल तंवर, शैली चौधरी, जगमोहन आनंद, उम्मेद सिंह, मंजू चौधरी।

अधीनस्थ विधान समिति– कृष्णा गहलावत (अध्यक्ष), अशोक कुमार अरोड़ा, राम कुमार कश्यप, नरेश सेलवाल, रेणु बाला, निखिल मदान, सतपाल जाम्बा, आदित्य सुरजेवाला, महाधिवक्ता, हरियाणा।

याचिका समिति– घनश्याम दास, (अध्यक्ष), गीता भुक्कल, शकुंतला खटक, भगवान दास, तेजपाल तंवर, हरिंदर सिंह, मनमोहन भड़ाना, बलराम दांगी, विकास सहारण।

स्थानीय निकायों और पंचायती राज संस्थाओं संबंधी समिति– डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा, डिप्टी स्पीकर (अध्यक्ष), घनश्याम सर्राफ, देवेन्द्र चतुर्भुज अत्री, जगमोहन आनंद, मुकेश शर्मा, रणधीर पनिहार, गोकुल सेतिया, मोहम्मद इसराइल, आदित्य देवीलाल।

जन–स्वास्थ्य, सिंचाई, बिजली और सार्वजनिक निर्माण (भवन एवं सड़कें) विषयक समिति– लक्ष्मण सिंह यादव (अध्यक्ष), भरत सिंह बेनीवाल, बलवान सिंह दौलतपुरिया, माम्मन खान, शीशपाल केहरवाला, कपूर सिंह, सतीश कुमार फागना, राजबीर फरटिया, राजेश जून।

शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं संबंधी विषय समिति– राम कुमार कश्यप, (अध्यक्ष), इंदु राज, धनेश अदलखा, हरिंदर सिंह, शक्ति रानी शर्मा, देवेन्द्र हंस, जस्सी पेटवाड़, मनदीप चट्ठा, देवेन्द्र कादयान।

विशेषाधिकार समिति– मूलचंद शर्मा (अध्यक्ष), गीता भुक्कल, अकरम खान, सावित्री जिंदल, तेजपाल तंवर, प्रमोद कुमार विज, बलवान सिंह दौलतपुरिया, रणधीर पनिहार, योगेन्द्र सिंह राणा, आदित्य देवीलाल।

शिष्टाचार मानदंडों के उल्लंघन और हरियाणा विधानसभा के सदस्यों के साथ सरकारी अधिकारियों के अवमाननापूर्ण व्यवहार पर समिति

विनोद भ्याना (अध्यक्ष), कृष्णा गहलावत, रघुबीर तेवतिया, अनिल यादव, डॉ. कृष्ण कुमार, मनमोहन भड़ाना, मनदीप चट्ठा, विनेश, अर्जुन चौटाला, राजेश जून।

वंचितों की सेवा का संकल्प ही हमारा सच्चा सामाजिक न्याय : सैनी

चंडीगढ़,24 नवंबर (एजेंसियां)। श्रीराम कथा की सबसे पहले रचना करने वाले आदि कवि महर्षि वाल्मीकि जी की जयंती को हरियाणा में बड़े धूमधाम से मनाया गया। इस उपलक्ष्य में जिला जींद के एकलव्य स्टेडियम में राज्य स्तरीय समारोह का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नरवाना में महर्षि वाल्मीकि भवन के लिए 51 लाख रुपये की राशि देने की घोषणा की। इसके अलावा उन्होंने हिसार में छात्रवास बनाने के लिए भी मदद करने का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने महर्षि वाल्मीकि जी को नमन करते हुए कहा कि इस समारोह में आकर उन्हें बड़ी खुशी व गर्व की अनुभूति हो रही है। हमारा परम सौभाग्य है कि हम अयोध्या में भगवान श्रीराम जी के भव्य एवं दिव्य मंदिर के निर्माण के साक्षी बने हैं। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी वेदों के ज्ञाता और ब्रह्म ज्ञानी थे। उन्होंने मानवता को शोषितों व पीड़ितों के प्रति करूणा व दया भाव रखने, त्याग करने, बड़ों का आदर व आज्ञा का पालन करने का पाठ पढ़ाया , वे ऋषियों के ऋषि और योगियों के योगी थे।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी ने रामायण में एक आदर्श शासक के लिए जो मर्यादाएं निर्धारित की, उनका पालन करते हुए हमारी सरकार हरियाणा प्रदेश के हर नागरिक के कल्याण व उत्थान के लिए कार्य कर रही है। महर्षि वाल्मीकि जी की शिक्षाओं, आदर्शों एवं सिद्धांतों के अनुरूप प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के ओजस्वी मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने सबसे पहले वंचित व्यक्ति के उत्थान का काम किया है। उन्होंने कहा कि अपने चुनावी संकल्प पत्र के वायदे को पूरा करते हुए राज्य सरकार ने अनुसूचित जातियों के आरक्षण का दो वर्गों 'वंचित अनुसूचित जाति' और 'अन्य अनुसूचित जाति' में वर्गीकरण लागू किया है। सरकारी सेवाओं में सीधी भर्ती में अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षित 20 प्रतिशत कोटे में से आधा अर्थात 10 प्रतिशत कोटा वंचित अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित किया गया है। यदि वंचित अनुसूचित जातियों के उपयुक्त उम्मीदवार उपलब्ध नहीं हैं, तो शेष रिक्त पदों को अन्य अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों में से भरा जाएगा। इसी प्रकार, यदि अन्य अनुसूचित जातियों के उपयुक्त उम्मीदवार उपलब्ध नहीं हैं, तो शेष रिक्त पदों को भरने के लिए वंचित अनुसूचित जातियों के उम्मीदवार पर विचार किया जाएगा। इससे पहले, सरकार ने अनुसूचित जातियों को प्रथम व द्वितीय श्रेणी के पदों में 20 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज डीएससी समाज के लोगों ने जो सम्मान दिया है, उस सम्मान को निरंतर बढ़ाने के लिए काम किया जाएगा। उन्होंने इस अवसर पर महाराष्ट्र की जनता का भी धन्यवाद किया, जिन्होंने राम राज्य की कल्पना को साकार करने का एक और अवसर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को दिया है। उन्होंने कहा कि भगवान वाल्मीकि जी की शिक्षा हमारे लिए जीवन जीने की ही प्रेरणा नहीं, बल्कि काम करने और जनता की सेवा करने के लिए भी प्रेरणा है।

जीएमआई गोल्फ चैम्पियनशिप प्रतियोगिता आयोजित

चंडीगढ़,24 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दतात्रेय ने गोल्फ कोर्स क्लब पंचकूला में जीएमआई गोल्फ चैम्पियनशीप प्रतियोगिता के विजेताओं को पारितोषिक प्रदान किए।

राज्यपाल ने गोल्फ बॉल का शॉट लगाकर विजेता टीमों का उत्साहवर्धन किया। इसमें उद्योग, नौकरशाही, थिंक टैंक की प्रमुख हस्तियों सहित 110 खिलाड़ियों ने भाग लिया। राज्यपाल ने कहा कि पंचकूला गोल्फ कोर्स की गौरवशाली विरासत को अद्वितीय गोल्फ प्रदर्शन के रूप में याद किया जाएगा और इन खेलों से आपसी मेलजोल के साथ गोल्फ खेलों को बढावा मिलेगा। एसीई गोल्फ दिल्ली द्वारा आयोजित गोल्फ चैम्पियनशिप प्रतियोगिता में एनईटी पुरस्कार में योगेन्द्र शर्मा, डा. सुनील शर्मा, हरजोत सिंह, राजेन्द्र सिंह और पुनीत कपूर को पुरस्कार प्रदान किए।

प्रतियोगिता में रनर अप भावमित टाईगर, कर्ण कक्कड़, आईपीएस नोनिहाल सिंह, वीरेन्द्र शर्मा, जस्टिस अरूण मोंगा रहे। महिला प्रतिभागियों में नीलम गर्ग, शगन जैन को ग्रोस प्राइज प्रदान किए गए। इसी प्रकार टीम इवेंट पुरस्कार में अंगद कोहली और कैप्टन गगनदीप सिंह वालिया, दिलमिक लाम्बा और अनुज महाजन, शिव कुमार गुप्ता एवं आईएएस कुन्दन तथा अंकुश गर्ग व अमित सैनी विजेता रहे। राज्यपाल की अध्यक्षता में आयोजित सम्मान समारोह के दौरान पंचकूला की उपायुक्त मोनिका गुप्ता, डीसीपी हिमाद्री कौशिक, एसडीएम गौरव चौहान, डीएसओ नील कमल, एचएसवीपी के जेसी मानव, जीएमआई इन्फ्रा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मोहित बंसल, अध्यक्ष प्रदीप बंसल, निदेशक कुणाल, आलम्पियन चैम्पियन एवं अर्जुन अवार्डी एमएस अंजुम मोदगिल, सहायक कोच इंडियन नेशनल शुटिंग टीम अंकुश भारद्वाज सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय महिला आयोग आपके द्वार

बीकानेर में महिला जन सुनवाई कल

बीकानेर,24 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय महिला आयोग प्रत्येक महिला के सशक्तिकरण एवं उनके अधिकारों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। महिलाओं के सशक्तिकरण एवं उनके विषयों को जमीनी स्तर पर संबोधित करने की दिशा में आगे बढ़ते हुए, आयोग 'राष्ट्रीय महिला आयोग– आपके द्वार' के तहत जन सुनवाई की जाएगी।

इस जनसुनवाई का उद्देश्य महिलाओं से संबंधित लंबित मामलों का समाधान करना तथा यथासंभव सभी समस्याओं का त्वरित समाधान प्रदान करना है। यह जन सुनवाई 26 नवम्बर को दोपहर 12 बजे से बीकानेर के जिला कलेक्टर कार्यालय में आयोजित की जाएगी। इसमें राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर, आयोग की सदस्यगण ममता कुमारी व डॉ. अर्चना मजुमदार तथा आयोग की सदस्य सचिव मीनाक्षी नेगी उपस्थित रहेंगी।राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा आयोजित इस जन सुनवाई में जिला मजिस्ट्रेट, पुलिस अधीक्षक एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी भाग लेंगे।

आरसीडीएफ को राष्ट्रीय स्तर पर बड़ा सम्मान

दुग्ध उत्पादकों की मेहनत का मिला फल

जयपुर,24 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान को–ऑपरेटिव डेयरी फ़ेडरेशन (आरसीडीएफ़) ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी श्रेष्ठता साबित करते हुए दो प्रमुख राष्ट्रीय पुरस्कार हासिल किए हैं। आरसीडीएफ़ से संबद्ध भीलवाड़ा और हनुमानगढ़ दुग्ध संघों को विभिन्न श्रेणियों में यह सम्मान मिला है।

आरसीडीएफ़ की प्रबंध निदेशक श्रुति भारद्वाज ने जानकारी दी कि भीलवाड़ा की प्रतापपुरा दुग्ध समिति को प्रतिष्ठित गोपाल रत्न अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। वहीं, हनुमानगढ़ दुग्ध संघ के दो कार्मिकों को बेस्ट एआई टेक्निशियन का राष्ट्रीय पुरस्कार मिलेगा। यह सम्मान 26 नवंबर को दिल्ली में राष्ट्रीय दुग्ध दिवस के अवसर पर केंद्रीय पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह द्वारा प्रदान किया जाएगा। पुरस्कार के तहत 3 लाख रुपये नकद और प्रमाण पत्र देकर इन विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा। हाल ही में, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने अहमदाबाद में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान भीलवाड़ा की दुग्ध उत्पादक महिला माया देवी और आरसीडीएफ़ एमडी श्रुति भारद्वाज को कार्बन क्रेडिट की पहली किश्त भेंट की थी।

भीलवाड़ा के फ़्लेक्सी बायोगैस पायलट प्रोजेक्ट के तहत पर्यावरण संरक्षण और कार्बन क्रेडिट अर्जन के प्रयासों की राष्ट्रीय स्तर पर सराहना की गई थी। श्रुति भारद्वाज ने इन उपलब्धियों का श्रेय प्रदेश के सभी दुग्ध उत्पादकों और कर्मचारियों को दिया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान राजस्थान के दुग्ध क्षेत्र में किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों और समर्पण का परिणाम है।

किसान समृद्ध होगा तभी देश भी समृद्ध होगा : गौरव गौतम

चंडीगढ़,24 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता, खेल एवं कानून और विधायी राज्य मंत्री गौरव गौतम ने रविवार को दी पलवल सहकारी चीनी मिल के 41वें गन्ना पिराई सत्र 2024–25 का शुभारंभ किया।

इस मौके पर उनके साथ होडल के विधायक हरिंद्र सिंह भी उपस्थित थे। चीनी मिल में सबसे पहले ट्रैक्टर ट्राली लेकर गन्ना लाने वाले दीघोट के किसान वीरेंद्र और हसनपुर के किसान तोतीराम को सम्मानित भी किया।

गौरव गौतम ने मिल प्रबंधन अधिकारियों, कर्मचारियों एवं किसानों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि किसान देश की रीढ की हड्डी है। किसानों के बिना देश तरक्की के पथ पर अग्रसर नहीं हो सकता। जब किसान समृद्ध होगा, तभी देश भी समृद्ध होगा।

किसानों को निर्धारित समय पर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करें : नागर

झालावाड,24 नवंबर (एजेंसियां)। ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने रविवार को खण्डिया पावर हाऊस कॉन्फ्रेन्स हॉल में विद्युत विभाग तथा परवन वृहद सिंचाई परियोजना के अधिकारियों के साथ बैठक कर कार्यो की समीक्षा की। बैठक में ऊर्जा राज्य मंत्री ने विद्युत विभाग के अधिकारियों से कहा कि राज्य सरकार मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में विद्युत तंत्र को मजबूत कर बिना किसी व्यवधान के किसानों एवं आमजन को विद्युत क्षेत्र में व्यापक सुविधाएं उपलब्ध कराने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशानुरूप विद्युत विभाग के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी तत्परता से कार्य करते हुए झालावाड़ जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करें।

इस दौरान श्री नागर ने किसानों को निर्धारित समय अनुसार दो ब्लॉक में विद्युत आपूर्ति देने के निर्देश देते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति के समय विशेष परिस्थितियों को छोड़कर शट डॉउन नहीं किया जाए। उन्होंने कहा कि ट्रिपिंग की स्थिति में अतिरिक्त समय में विद्युत आपूर्ति देकर पूर्ति की जाए।

उन्होंने झालावाड़ में विद्युत विभाग की कार्यप्रणाली को बदलने के सख्त निर्देश देते हुए जले हुए एवं खराब ट्रान्सफार्मर को 24 से 72 घण्टों में बदलने को कहा। साथ ही उन्होंने कहा कि ट्रान्सफार्मर बदलने के लिए लिफ्टर के स्थान पर अन्य वैकल्पिक साधन ट्रैक्टर आदि का उपयोग प्रारंभ करें, जिससे कम समय में ज्यादा ट्रान्सफार्मर बदले जा सकें और लागत भी कम आए। बैठक के दौरान ऊर्जा राज्य मंत्री ने आरडीएसएस में कम प्रगति वाले एवं जिले में विद्युत लाइनों व पोल्स की मरम्मत में लापरवाही दिखाने वाले ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने के निर्देश जेवीवीएनएल के अधीक्षण अभियंता को दिए। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि विद्युत विभाग के अधिकारी पूर्ण संवेदनशीलता, सक्रियता के साथ आमजन की समस्याओं का त्वरित निस्तारण करें।

भजनलाल शर्मा को बैरवा और बेढम ने दीं बधाई

जयपुर,24 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा उप चुनाव की 7 में से 5 सीटों पर जीतने के लिए सीएम भजन लाल शर्मा को उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा और गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने रविवार सुबह सीएम हाउस जाकर जीत की बधाई दी।इस दौरान गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जन कल्याणकारी नीतियों और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ की अथक मेहनत के कारण ही भाजपा को उप चुनाव में भी जबरदस्त जन आशीर्वाद मिला है। इन चुनावों ने राजस्थान सरकार के कल्याणकारी फैसलों पर अपनी मुहर लगा दी है। इतना ही नहीं इससे कांग्रेस का झूठ और लूट वाला चेहरा उजागर हो गया है। बता दें कि राजस्थान की जिन 7 सीटों पर उप चुनाव हुए हैं, उनमें से पहले 6 सीटें कांग्रेस के पास थीं। इस तरह कांग्रेस को 5 सीटों का नुकसान उठाना पड़ा है। जबकि राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (रालोपा) राजस्थान विधानसभा से ही बाहर हो गई है।

प्रीति और आयुष्मान योग में कल मनाई जाएगी उत्पन्ना एकादशी

हिंदू धर्म में उत्पन्ना एकादशी का अत्यधिक महत्व होता है। हर साल मार्गशीर्ष माह के कृष्ण पक्ष की दशमी तिथि के ठीक अगले दिन उत्पन्ना एकादशी मनाई जाती है। 26 नवंबर को मार्गशीर्ष (अगहन) महीने के कृष्ण पक्ष की एकादशी है। इसे उत्पन्ना एकादशी कहते हैं। एकादशी पर भगवान विष्णु के लिए व्रत-उपवास और पूजा करने की परंपरा है। ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि पंचांग के अनुसार, अगहन मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि 25 नवंबर, सोमवार की रात 01:02 मिनिट से शुरू होगी, जो अगले दिन यानी 26 नवंबर, मंगलवार की रात 03:47 मिनिट तक रहेगी। चूंकि 26 नवंबर को एकादशी तिथि सूर्योदय के समय रहेगी, इसलिए ये व्रत इसी दिन किया जाएगा। इस दिन प्रीति और आयुष्मान योग रहेंगे। अगहन यानी मार्गशीर्ष मास को श्रीकृष्ण का स्वरूप माना जाता है। इस वजह से एकादशी पर श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप लड्डू गोपाल की पूजा करने का शुभ योग बन रहा है। एकादशी पर भगवान श्रीकृष्ण की विशेष पूजा के साथ ही व्रत भी जरूर करें। व्रत करना चाहते हैं तो सुबह पूजा करते समय व्रत का संकल्प लेना चाहिए। इसके बाद दिनभर निराहार रहें यानी अन्न ग्रहण न करें। भूखे रहना मुश्किल हो तो फलाहार कर सकते हैं, दूध और फलों का रस पी सकते हैं।

धर्म-कर्म की शुरुआत गणेश पूजा के साथ करनी चाहिए। इस एकादशी के संबंध में मान्यता है कि भगवान विष्णु के लिए की गई पूजा से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी हो सकती हैं। अगर किसी खास इच्छा के लिए एकादशी व्रत और विष्णु पूजा की जाती है तो उसमें भी सफलता मिल सकती है। एकादशी पर किसी पवित्र नदी में स्नान करना चाहिए, स्नान के बाद नदी किनारे ही दान-पुण्य जरूर करें। उत्पन्ना एकादशी के एक दिन पहले यानी दशमी तिथि को शाम के भोजन के बाद अच्छी तरह दातुन करें ताकि अन्न का अंश मुंह में न रह जाएं। इसके बाद कुछ भी नहीं खाएं, न अधिक बोलें। एकादशी की सुबह जल्दी उठकर नहाने के बाद व्रत का संकल्प लें। धूप, दीप, नैवेद्य आदि सोलह चीजों से भगवान विष्णु या श्री कृष्ण की पूजा करें और रात को दीपदान करें। रात में सोएं नहीं। इस व्रत में रातभर भजन-कीर्तन करने का विधान है। इस व्रत के दौरान जो कुछ पहले जाने-अनजाने में पाप हो गए हों, उनके लिए माफी मांगनी चाहिए। अगले दिन सुबह फिर से भगवान की पूजा करें। ब्राह्मणों को भोजन कराकर दान देने के बाद ही खुद खाना खाएं

शुभ योग – एकादशी पर सर्वप्रथम प्रीति योग का निर्माण हो रहा है। इसके बाद आयुष्मान योग का संयोग बन रहा है। इसके अलावा, शिववास योग का भी निर्माण हो रहा है। इन योग में लक्ष्मी नारायण जी की पूजा करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होगी। साथ ही घर में सुख, समृद्धि एवं खुशियों का आगमन होगा।

स्कंद पुराण में है एकादशी व्रत का जिक्र

हिन्दी पंचांग में एक वर्ष में कुल 24 एकादशियां आती हैं और जिस साल अधिक मास रहता है, उस साल में कुल 26 एकादशियां हो जाती हैं। स्कंद पुराण के वैष्णव खंड में सालभर की सभी एकादशियों का महत्व बताया गया है। भगवान श्रीकृष्ण ने पांडव पुत्र युधिष्ठिर को एकादशियों के बारे में जानकारी दी थी। जो भक्त एकादशी व्रत करते हैं, उन्हें भगवान श्रीहरि की कृपा मिलती है। नकारात्मक विचार दूर होते हैं। अक्षय पुण्य मिलता है। घर-परिवार में सुख-समृद्धि और शांति बनी रहती है। एकादशी पर भगवान विष्णु के मंत्र ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय का जप करना चाहिए। भगवान विष्णु के साथ ही देवी लक्ष्मी का भी अभिषेक करें। दोनों देवी-देवता को पीले चमकीले वस्त्र अर्पित करें। फूलों से श्रृंगार करें। तुलसी के पत्तों के साथ मिठाई और मौसमी फलों का भोग लगाएं।

बाल गोपाल का अभिषेक

एकादशी पर व्रत-उपवास करना चाहते हैं तो इस दिन सुबह स्नान के बाद भगवान गणेश की पूजा करें। गणेश जी को जल चढ़ाएं। वस्त्र और फूलों से श्रृंगार करें। चंदन, दूर्वा, हार-फूल अर्पित करें। लड्डू का भोग लगाएं। धूप-दीप जलाकर आरती करें। गणेश पूजा के बाद श्रीकृष्ण का अभिषेक करें। बाल गोपाल का अभिषेक सुगंधित फूलों वाले जल से करें। इसके लिए पानी में गुलाब, मोगरा जैसे सुंगधित फूलों की पंखुड़ियां डालें और इस जल से भगवान का अभिषेक करें। अभिषेक दक्षिणावर्ती शंख में जल भरकर करें। बाल गोपाल को पीले चमकीले वस्त्र पहनाएं। फूलों से श्रृंगार करें। मोर पंख के साथ मुकूट पहनाएं। पूजा में गौमाता की मूर्ति भी जरूर रखें। दूध, दही, घी, शहद और मिश्री मिलाकर पंचामृत बनाएं और चांदी के बर्तन में भरें और तुलसी के साथ भोग लगाएं। माखन-मिश्री भी अर्पित करें। भगवान को कुमकुम, चंदन, चावल, अबीर भी अर्पित करें। ताजे फल, मिठाइयां चढ़ाएं। धूप-दीप जलाकर आरती करें। पूजा के बाद भगवान से क्षमा याचना करें। प्रसाद बांटें और खुद भी लें। पूजा में श्रीकृष्ण के मंत्र कृं कृष्णाय नम: का जप करते रहना चाहिए। इस तरह भगवान बाल गोपाल का अभिषेक किया जा सकता है।

कैसे हुई एकादशी की उत्पत्ति

मार्गशीर्ष महीने के कृष्ण पक्ष की ग्यारहवीं तिथि को भगवान विष्णु से एकादशी तिथि प्रकट हुईं यानी उत्पन्न हुई थीं। इसलिए इस दिन उत्पन्ना एकादशी का व्रत किया जाता है। इसे उत्पत्तिका, उत्पन्ना और प्राकट्य एकादशी भी कहा जाता है। पद्म पुराण के मुताबिक श्रीकृष्ण ने धर्मराज युधिष्ठिर को इस एकादशी की उत्पत्ति और इसके महत्व के बारे में बताया था। व्रतों में एकादशी को प्रधान और सब सिद्धियों को देने वाला माना गया है।

कर सकते हैं ये शुभ काम

एकादशी पर शिव पूजा भी करनी चाहिए। शिवलिंग पर जल और दूध चढ़ाएं। बिल्व पत्र, हार-फूल, चंदन से श्रृंगार करें। किसी मंदिर में शिवलिंग के पास दीपक जलाएं और ऊँ नम: शिवाय मंत्र का जप करें। बाल गोपाल का अभिषेक करें। तुलसी के साथ माखन-मिश्री का भोग लगाएं। धूप-दीप जलाएं और आरती करें। हनुमान जी के सामने दीपक जलाकर हनुमान चालीसा का पाठ करें।

भगवान विष्णु को चढ़ाएं ये चीजें

- **मेष राशि: लड्डू का भोग लगाना चाहिए।**
- **वृषभ राशि: पंचामृत चढ़ाना चाहिए।**
- **मिथुन राशि: हरे रंग का वस्त्र अर्पित करना चाहिए।**
- **कर्क राशि: खीर का भोग लगाना चाहिए।**
- **सिंह राशि: लाल रंग के वस्त्र को चढ़ाना चाहिए।**
- **कन्या राशि: मोर का पंख चढ़ाना चाहिए।**
- **तुला राशि: कामधेनु गाय की प्रतिमा अर्पित करनी चाहिए।**
- **वृश्चिक राशि: गुड़ का भोग लगाना चाहिए।**
- **धनु राशि: हल्दी का तिलक लगाना चाहिए।**
- **मकर राशि: कमल के फूल चढ़ाने चाहिए।**
- **कुंभ राशि: शमी के पत्ते चढ़ाने चाहिए।**
- **मीन राशि: चंदन का तिलक लगाना चाहिए।**

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
अजमेर

सफेद मदार घर की इस दिशा में लगाने से गणेशजी होते हैं प्रसन्न

खाली नहीं रहेगी तिजोरी

सफेद मदार का पौधा हिंदू धर्म में विशेष रूप से भगवान शिव और गणेश को समर्पित है। इसे मंदार', आक, 'अर्क' और अकौआ भी कहते हैं। सफेद मदार को श्वेतार्क या सफेद अकाव भी कहा जाता है। श्वेतार्क का पौधा शुभता, समृद्धि और शांति का प्रतीक माना जाता है। यह वास्तु दोषों को दूर करने में मदद करता है। इस आर्टिकल में हम जानेंगे कि श्वेतार्क का पौधा कहां लगाना चाहिए, इसके लाभ क्या हैं, और इसे किस दिशा में नहीं लगाना चाहिए।

गणेशजी का वास

मदार का पौधा भगवान शिव और गणेश दोनों का प्रिय माना जाता है। श्वेतार्क के पौधे में गणेश जी का वास होता है। इसके पत्तों को गणेश जी की पूजा में अर्पित करने से व्यक्ति को सुख-समृद्धि प्राप्त होती है। श्वेतार्क के पौधे की जड़ से बनी गणेश प्रतिमा की पूजा करने से भक्तों को लाभ मिलता है। यह पौधा विशेष रूप से शुभ माना जाता है और घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है।

कहा लगाएं श्वेतार्क का पौधा

वास्तु शास्त्र के अनुसार, श्वेतार्क का पौधा घर की दक्षिण-पश्चिम दिशा में लगाना सबसे शुभ माना जाता है। यह दिशा सूर्य देव और पितृ देवताओं से जुड़ी है, और श्वेतार्क दोनों का प्रिय पौधा है। इस दिशा में श्वेतार्क लगाने से घर में शांति और समृद्धि आती है, और नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव कम होता है। श्वेतार्क का पौधा घर के ग्रहों की स्थिति को ठीक करने में भी सहायक होता है।

श्वेतार्क के पौधे से लाभ

श्वेतार्क का पौधा वास्तु दोषों को दूर करने में मदद करता है। इसे घर में लगाने से धन-दौलत की प्राप्ति हो सकती है। इसके अलावा, यह पौधा शांति, सुख और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। इस पौधे की पूजा से दरिद्रता दूर होती है और घर में शांति का वातावरण बना रहता है।

किस दिशा में न लगाएं श्वेतार्क का पौधा

वास्तु शास्त्र के अनुसार, श्वेतार्क का पौधा उत्तर-पूर्व दिशा में नहीं लगाना चाहिए। यह दिशा देवताओं और ज्ञान से जुड़ी होती है, और श्वेतार्क का पौधा दक्षिण-पश्चिम दिशा का पौधा माना जाता है। इस दिशा में श्वेतार्क लगाने से वास्तु दोष उत्पन्न हो सकता है। इसके अलावा, इसे पूर्व और पश्चिम दिशा में भी नहीं लगाना चाहिए, क्योंकि इससे सूर्य और पितृ देवताओं से जुड़ी ऊर्जा कमजोर हो सकती है।

आयुर्वेद में शक्तिशाली मदार

मदार (आक) का पौधा आयुर्वेद में शक्तिशाली माना जाता है और इसका उपयोग कई बीमारियों के इलाज के लिए किया जाता है। यह त्वचा, कान के दर्द, पेट की समस्याओं और अस्थमा जैसी बीमारियों में राहत प्रदान करता है। हालांकि, यह विषैला भी है, इसलिए इसका उपयोग डॉक्टर की सलाह के बिना नहीं करना चाहिए। मदार के फूलों को सुखाकर चूर्ण तैयार किया जाता है, जो अस्थमा और फेफड़ों की समस्याओं को दूर करने में मदद करता है।

सुंदरकांड का पाठ करने से बनने लगते हैं अपने आप सभी काम

हिंदू धर्म की प्रसिद्ध मान्यता के अनुसार सुंदरकांड का पाठ करने वाले भक्त की मनोकामना जल्द पूर्ण हो जाती है। जहां एक ओर पूर्ण रामचरितमानस में भगवान के गुणों को दर्शाया गया है उनकी महिमा बताई गई है लेकिन दूसरी ओर रामचरितमानस के सुंदरकांड की कथा सबसे अलग और निराली है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर – जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि सुंदरकांड के महत्व को मनोवैज्ञानिकों ने भी बहुत खास माना है। शास्त्रीय मान्यताओं ने ही नहीं विज्ञान ने भी सुंदरकांड के पाठ के महत्व को समझाया है। विभिन्न मनोवैज्ञानिकों की राय में सुंदरकांड का पाठ भक्त के आत्मविश्वास और इच्छाशक्ति को बढ़ाता है।

शनिदेव भी आपका बुरा नहीं करेंगे

ज्योतिष और पौराणिक मान्यता है कि शनिदेव हनुमानजी से डरते हैं। शनिदेव की दशा के प्रभाव को कम करने के उपायों में से एक है हनुमानजी की पूजा। शनिवार को यदि आप सुंदरकांड का पाठ करते हैं तो बजरंगबली तो प्रसन्न होंगे ही और साथ में शनिदेव भी आपका बुरा नहीं करेंगे। सुंदरकांड का पाठ करने वाले भक्त को हनुमान जी बल प्रदान करते हैं। उसके आसपास भी नकारात्मक शक्ति भटक नहीं सकती।

मनोकामना होती है पूर्ण

हिन्दू धर्म की प्रसिद्ध मान्यता के अनुसार सुंदरकांड का पाठ करने वाले भक्त की मनोकामना जल्द पूर्ण हो जाती है। सुंदरकांड गोस्वामी तुलसीदास द्वारा लिखी गई रामचरितमानस के सात अध्यायों में से पांचवा अध्याय है। रामचरित मानस के सभी अध्याय भगवान की भक्ति के लिए हैं। लेकिन सुंदरकांड का महत्व अधिक बताया गया है।

सुंदरकांड का महत्व

जहां एक ओर पूर्ण रामचरितमानस में भगवान के गुणों को दर्शाया गया हैए उनकी महिमा बताई गई है लेकिन दूसरी ओर रामचरितमानस के सुंदरकांड की कथा सबसे अलग और निराली है। इसमें भगवान राम के गुणों की नहीं बल्कि उनके भक्त के गुणों और उनकी विजय के बारे में बताया गया है।

ये है लाभ

सुंदरकांड का पाठ करने वाले भक्त को हनुमान जी बल प्रदान करते हैं। उसके आसपास भी नकारात्मक शक्ति भटक नहीं सकती। यह भी माना जाता है कि जब भक्त का आत्मविश्वास कम हो जाए या जीवन में कोई काम ना बन रहा हो तो सुंदरकांड का पाठ करने से सभी काम अपने आप ही बनने लगते हैं।

आत्मविश्वास और इच्छाशक्ति

सुंदरकांड के महत्व को मनोवैज्ञानिकों ने भी बहुत खास माना है। शास्त्रीय मान्यताओं ने ही नहींए विज्ञान ने भी सुंदरकांड के पाठ के महत्व को समझाया है। विभिन्न मनोवैज्ञानिकों की राय में सुंदरकांड का पाठ भक्त के आत्मविश्वास और इच्छाशक्ति को बढ़ाता है। इस पाठ की एक-एक पंक्ति और उससे जुड़ा अर्थ भक्त को जीवन में कभी ना हार मानने की सीख प्रदान करता है। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार किसी बड़ी परीक्षा में सफल होना हो तो परीक्षा से पहले सुंदरकांड का पाठ अवश्य करना चाहिए।

शनिदशा में लाभ

शनिदेव स्वयं हनुमानजी के भक्त हैं और उनसे भय खाते हैं। ऐसा माना जाता है कि जिन जातकों पर शनि की ढैय्या फिर साढ़ेसाती चल रही हो वे अगर रोजाना सुंदरकांड का पाठ करें तो शनि की महादशा का प्रभाव कम होता है। शनि बिना कुछ बुरा किए इस पूरी महादशा की अवधि को गुजार देते हैं।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

पुष्पा 2 के आइटम सॉन्ग किसिक रिलीज

अल्लू अर्जन संग धमाल मचाएंगी श्रीलीला

पुष्पा 2: द रूल का बेसब्री से इंतजार कर रहे फैंस के लिए बड़ी खबर है। मिथ्री मूवी मेकर्स ने फिल्म के नए गाने किस्सिक का प्रोमो रिलीज कर दिया है। इस गाने में आइकन स्टार अल्लू अर्जुन और श्रीलीला की जबरदस्त परफॉर्मेंस देखने को मिलेगी, जिसने रिलीज से पहले ही इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है।गाने का प्रोमो रिलीज करते हुए मिथ्री मूवी मेकर्स ने लिखा आइकन स्टार की सिजलिंग केमिस्ट्री आपको हैरान कर देगी, किस्सिक अपने हाई-एनर्जी डांस मूव्स और कैच साउंडट्रैक के लिए पहले ही सुर्खियां बटोर चुका है, देवी श्री प्रसाद के संगीत से सजे इस गाने को फैंस से शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है, फैंस का कहना है कि अल्लू अर्जुन और स्रीलीला की जोड़ी ने गाने में जान डाल दी है।पुष्पा फ्रेंचाइज़ी का पहला भाग ब्लॉकबस्टर साबित हुआ था, और अब पुष्पा 2: द रूल से भी दर्शकों की उम्मीदें आसमान छू रही हैं। किस्सिक गाने को फिल्म का हाइलाइट माना जा रहा है, और यह निश्चित रूप से चार्टबस्टर बनने जा रहा है। बता दें, किसिक सॉन्ग आज 24 नवंबर को शाम 7।02 बजे रिलीज होने जा रहा है।सुकुमार के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अल्लू अर्जुन के अलावा रश्मिका मंदाना और फहद फासिल भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म मिथ्री मूवी मेकर्स और सुकुमार राइटिंग्स के बैनर तले प्रोड्यूस की गई है, जबकि संगीत का जिम्मा टी-सीरीज़ ने संभाला है।

वनवास का गाना यादों के झरोखों से जारी

सोनू निगम और श्रेया घोषाल ने लगाए सुर

पिछले लंबे समय से दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर अपनी आगामी फिल्म वनवास को लेकर चर्चा में हैं, जिसके निर्देशन की कमान गदर और गदर 2 के निर्देशक अनिल शर्मा ने संभाली है।इस फिल्म में उत्कर्ष शर्मा और सिमरत कौर भी अभिनय करते हुए नजर आएंगे।अब निर्माताओं ने वनवास का पहला गाना यादों के झरोखों से जारी कर दिया है, जिसे सोनू निगम और श्रेया घोषाल ने मिलकर गाया है। मिथुन ने भी उनका खूब साथ दिया है।वनवास इस साल क्रिसमस के खास मौके पर यानी 20 दिसंबर, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है।बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का सामना वरुण धवन और एटली की फिल्म बेबी जॉन से होगा, जो इस साल 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।वनवास में पाटेकर और उत्कर्ष के अलावा खुशबू सुंदर, राजपाल यादव, सिमरत कौर रंधावा, मनीष वाधवा और अश्विनी कालसेकर समेत कई और कलाकर भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे।

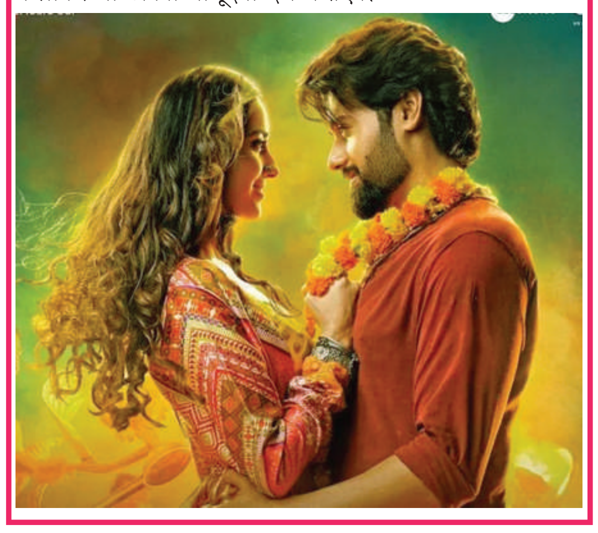

रेड हॉट ड्रेस पहन मोनालिसा ने अपनी बर्थडे पार्टी पर लगाया ग्लैमर का तड़का

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा ने 21 नवंबर को अपना 42वां बर्थडे मनाया था। अपने जन्मदिवस के खास अवसर पर एक्ट्रेस ने अपने फैंस को शादार गिफ्ट दिया। दरअसल, मोनालिसा ने अपने बर्थडे की कुछ फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनकी हॉटनेस देखकर फैंस एक बार फिर से उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थक रहे हैं।टीवी और भोजपुरी इंडस्ट्री की हॉट क्वीन मोनालिसा आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी हॉटनेस से फैंस को इस कदर दीवाना बनाया है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं।हाल ही में मोनालिसा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन फोटोज में उनका रेड हॉट लुक देखकर लोगों के होश उड़ गए हैं। साथ ही लाइक्स और कॉमेंट्स करते हुए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।मोनालिसा की इन लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरों में आप देख सकते हैं उन्होंने रेड कलर की चमचमाती रिवीलींग शॉर्ट ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक पोज देते हुए इंटरनेट का तापमान बढ़ा रही हैं।बालों की पोनीटेल बांधकर, कानों में इयररिंग्स, लाइट मेकअप और डार्क रेड शेड लिप्सटिक लगाकर एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।मोनालिसा की यह फोटोज इंस्टाग्राम पर जैसे पोस्ट हुई वैसे ही कई सारे यूजर्स ने टू मच हॉट। यू लुक सो ब्यूटिफुल। लुकिंग ग्लैमरस, टू मच स्टनिंग, उफ्फ ये हॉटनेस लिख कर कॉमेंट्स करने शुरू कर दिए हैं।

सिद्धार्थ स्टारर मिस यू का टीजर रिलीज

सिद्धार्थ मिस यू का टीजर रिलीज हो गया है। सिद्धार्थ, अदिति राव हैदरी के साथ अपनी वास्तविक जीवन की परीकथा जैसी शादी के बाद, अपनी आगामी फिल्म मिस यू के साथ एक बार फिर दर्शकों को आकर्षित कर रहे हैं। यह रोमांटिक ड्रामा, जिसे गर्मी के दिन की हल्की हवा होने का वादा किया गया था, अपने हाल ही में जारी टीजर के साथ ही चर्चा का विषय बन गया है।विजय सेतुपति द्वारा जारी किया गया टीज़र भावनाओं और प्रत्याशा की दुनिया की एक आकर्षक झलक है। सिद्धार्थ, जो अपनी आकर्षक और संयमित अपील के लिए जाने जाते हैं, एक ऐसी भूमिका में पूरी तरह से ढले हुए लगते हैं जो दिल को छू लेने का वादा करती है। आशिका रंगनाथ के साथ उनकी केमिस्ट्री स्पष्ट है, जो एक ऐसी प्रेम कहानी की ओर इशारा करती है जो दर्शकों को पसंद आएगी।निर्देशक राजशेखर, एक प्रतिभाशाली तमिल फिल्म निर्माता, फिल्म में एक अनूठा दृष्टिकोण लेकर आए हैं, जो टीज़र के शानदार दृश्यों और रोमांटिक क्षणों में स्पष्ट है। सिद्धार्थ का स्टाइलिश लुक और आशिका की आकर्षक उपस्थिति एक आकर्षक दृश्य जोड़ी बनाती है। टीज़र सिर्फ़ एक पूर्वावलोकन से कहीं ज़्यादा है; यह एक आकर्षक सिनेमाई अनुभव का वादा है, जो दर्शकों को 29 नवंबर को फ़िल्म की रिलीज़ का बेसब्री से इंतज़ार कराता है।प्रशंसक पहले से ही फ़िल्म के कथानक के बारे में अनुमान लगा रहे हैं, लेकिन एक बात पक्की है: मिस यू एक ज़रूर देखने वाली फ़िल्म होने का वादा करती है। टीज़र ने सफलतापूर्वक एक दिल को छू लेने वाली और आकर्षक कहानी के लिए मंच तैयार किया है, जो दर्शकों को स्क्रीन पर प्रेम कहानी को देखने के लिए उत्सुक बनाता है। जबकि प्रत्याशा हमेशा यात्रा का हिस्सा होती है, उम्मीद है कि मिस यू हमें बहुत लंबा इंतज़ार नहीं करवाएगी – क्योंकि एक अच्छी फ़िल्म का इंतज़ार करना प्यार के इंतज़ार जैसा है: यह हमेशा आपकी अपेक्षा से ज़्यादा लंबा लगता है!

आई वॉन्ट टू टॉक बॉक्स ऑफिस डे 1

अभिषेक बच्चन के करियर की दूसरी सबसे कम ओपनिंग वाली फिल्म बनी

बीते शुक्रवार यानी 22 नवंबर को सिनेमाघरों में अभिषेक बच्चन की फिल्म आई वॉन्ट टू टॉक रिलीज हुई, जिसमें अभिषेक की दमदार अदाकारी ने सबका दिल जीत लिया।लग रहा था कि बॉक्स ऑफिस पर यह ठीक-ठाक कमाई कर लेगी, लेकिन पहले ही दिन टिकट खिड़की पर इस फिल्म का बंटाधार हो गया। फिल्म की कमाई ने निर्माता-निर्देशक के साथ-साथ यकीनन अभिषेक को भी निराश किया होगा।आइए जानें फिल्म के पहले दिन का कारोबार।अभिषेक लंबे समय के बाद आई वॉन्ट टू टॉक के साथ बॉक्स ऑफिस की दौड़ में आए हैं। शूजीत सरकार के निर्देशन में बनी यह फिल्म पहले दिन भी अच्छे नंबरों के साथ शुरुआत नहीं कर पाई।सैकनिल्क के मुताबिक, शुक्रवार को इसकी कमाई 1 करोड़ रुपये से भी कम रही। फिल्म ने भारत में केवल 25 लाख रुपये कमाए।इसने तो उनकी पिछली फ्लॉप फिल्म घूमर से भी कम कमाई की, जिसने पहले दिन 85 लाख रुपये कमाए थे।फिल्म में अभिषेक ने अर्जुन का किरदार निभाया है, जो अपनी बेटी के साथ एक रिश्ते में मुश्किलें झेल रहा है।अभिषेक के किरदार में कई परतें हैं और उन्हें देख लगता है मानों उन्होंने अर्जुन की भूमिका घूंटकर पी ली हो।इस फिल्म का बजट 40 करोड़ रुपये है और पहले दिन की कमाई देख इस पर फ्लॉप का खतरा मंडराने लगा है।हालांकि, निर्माताओं को उम्मीद है कि वीकेंड में फिल्म की कमाई बढ़ेगी।अक्टूबर, सरदार उधम के बाद शूजित ने फिर मर्मस्पर्शी विषय को छुआ है। फिल्म धीमी गति से बढ़ती है इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन पिता-पुत्री के संबंधों के साथ मेडिकल दिक्कतों को दर्शाते हुए यह उसे और मार्मिक बनाती है।तमाम स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे अर्जुन की अंदरुनी भावनाओं, तकलीफों और मनोदशा को शूजित खामोशियों के साथ सहजता से व्यक्त करते हैं।एक पिता की मनोदशा को शूजीत ने सहजता से पर्दे पर उतारा है।दूसरी तरफ विक्रांत मैसी, राशि खन्ना और रिद्धि डोगरा अभिनीत द साबरमती रिपोर्ट ने मामूली उछाल के साथ दूसरे हफ्ते में प्रवेश कर लिया है।फिल्म ने दूसरे शुक्रवार को पिछले दिन की तुलना में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी की और दूसरे शुक्रवार यानी रिलीज के 8वें दिन इसने लगभग 1.05 करोड़ रुपये की कमाई की।द साबरमती रिपोर्ट की कुल कमाई फिलहाल भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 11.95 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है।

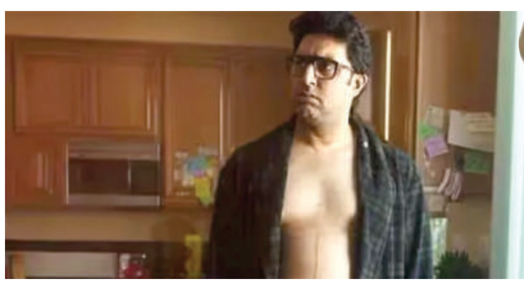

शादी के बाद सेट पर पहुंचीं सुरभि ज्योति

न्यूली वेड टीवी जगत की स्टाइलिश और खूबसूरत अभिनेत्री सुरभि ज्योति ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो मोंटाज शेयर किया, जो शूटिंग सेट का है। इसमें नागिन स्टार काफी खुश नजर आ रही हैं।सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर सुरभि ज्योति ने लिखा सेट पर सबसे खुश। वीडियो मोंटाज में अभिनेत्री कई खूबसूरत लिबास में सादगी के साथ पोज देती नजर आ रही हैं। प्रशंसक उनकी पोस्ट को काफी पसंद कर रहे हैं।एक प्रशंसक ने कैप्शन में लिखा माशाअल्लाह मेरी प्रिंसेज, एक अन्य ने लिखा अब आपकी वापसी हो गई, हम इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। दूसरे ने लिखा आप हर लुक में कमाल की लगती हैं।बता दें कि अभिनेत्री पिछले महीने 27 अक्टूबर को बॉयफ्रेंड सुमित सूरी संग शादी के बंधन में बंधी थीं। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर शादी की तस्वीरें प्रशंसकों के साथ शेयर की थी। इस विवाह के गवाह दोनों के करीबी रिश्तेदार और दोस्त बने थे।अभिनेत्री ने शादी की तस्वीरों के साथ हल्दी, मेंहदी, म्यूजिक नाइट्स समेत कई रस्मों की तस्वीरें भी शेयर की थीं, जिसमें पहली रसोई की तस्वीरें भी शामिल हैं। अभिनेत्री ने पहली रसोई में हलवा बनाया था।सुरभि ने पंजाबी फिल्मों इक कुड़ी पंजाब दी, रौला पै गया और मुंडे पटियाला दे के साथ-साथ पंजाबी टीवी सीरीज अखियां ते दूर जाए ना में भी काम किया है। सुरभि रोमांटिक-ड्रामा कुबूल है में जोया फारूकी की भूमिका निभाने के बाद घर-घर लोकप्रिय हो गई थीं, जिसके लिए उन्हें कई पुरस्कार भी मिले। नागिन 3 में उन्होंने नागिन का किरदार निभाया था, जिसमें उनका नाम बेला था।सुरभि ज्योति सोशल मीडिया पर सक्रिय रहती हैं और इसी कड़ी में उन्होंने शादी के बाद उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी संग मुलाकात की तस्वीरें भी शेयर कीं। उनके साथ पति सुमित सूरी भी थे। अभिनेत्री ने तस्वीरों संग कैप्शन में सीएम को धन्यवाद देते हुए लिखा, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आपके बहुमूल्य समय, समर्थन और शुभकामनाओं के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।शेयर की गई तस्वीर में सुरभि के साथ उनके पति खड़े हैं और वह हंसते हुए धामी संग तस्वीरें खिंचवाते नजर आ रहे हैं। इस दौरान न्यूली वेड कपल ने खूबसूरत पोज दिए। धामी सुरभि और सुमित को फ्लावर बुके देते नजर आ रहे हैं।

श्रद्धा साड़ी में दिखी गुलाबी गुलाबी

अपनी एक्टिंग से ज्यादा बोल्ड लुक्स को लेकर चर्चाओं में रहने वाली एक्ट्रेस श्रद्धा दास लोगों के बीच काफी ज्यादा पॉपुलर हैं। उन्होंने अपने कातिलाना अंदाज से लोगों को इस कदर दीवाना बनाया हुआ है कि लोग उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनकी बोल्डनेस देखकर सोशल मीडिया का तापमान बढ़ गया है।एक्ट्रेस श्रद्धा दास अपने बोल्ड लुक्स से अक्सर फैंस के होश उड़ाती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं।अब हाल ही में एक्ट्रेस श्रद्धा दास ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका हॉट और सिजलिंग अवतार देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुक्स पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं।

इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस श्रद्धा दास ने पिंक कलर की साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक स्टनिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।बालों को स्टाइलिश लुक देकर, गले में नेकलेस, कानों में इयररिंग्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस श्रद्धा दास ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।श्रद्धा दास सोशल मीडिया लवर हैं और आए दिन अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़े अपडेट्स फैंस के बीच

एबीवीपी के 70वें राष्ट्रीय अधिवेशन के समापन दिवस पर बोले मुख्यमंत्री

तकनीक के अनुकूल होकर समय का प्रवाह समझना जरूरी : योगी

दीपेश नायर को प्रोफेसर यशवंतराव केलकर युवा पुरस्कार मिला

गोरखपुर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ज्ञानवान और शीलवान बनने के साथ विज्ञान-तकनीकी के अनुकूल होकर समय के प्रवाह की गति को समझना अपरिहार्य है। यदि हम समय के प्रवाह की गति को समझने में चूक गए तो समय का यह प्रवाह दुर्गति कर देगा। समय के प्रवाह की दुर्गति से बचने के लिए जरूरी है कि हम विज्ञान और तकनीकी से भागें नहीं, बल्कि इसके सापेक्ष खुद को तैयार करें।

सीएम योगी रविवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के तीन दिवसीय 70वें राष्ट्रीय अधिवेशन के समापन दिवस पर एक विशेष सत्र को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने ट्रेनिंग एंड एजुकेशनल सेंटर फॉर हियरिंग इम्पेयर्ड (टीच) ठाणे, मुंबई के सह संस्थापक दीपेश नायर को प्रोफेसर यशवंतराव केलकर युवा पुरस्कार से सम्मानित किया। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित अधिवेशन में मुख्यमंत्री ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सूत्र वाक्य ज्ञान, शील, एकता का उल्लेख करते हुए कहा जाता ज्ञानवान बनने के लिए दुनिया में भारत से बड़ा आग्रही कोई और देश नहीं है। गीता में भी कहा गया है, 'न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते' अर्थात ज्ञान के समान पवित्र करनेवाला, शुद्ध करनेवाला इस लोक में दूसरा कोई नहीं है। ज्ञानवान होने के लिए यहां ज्ञानवाहक ऋषि परंपरा का सम्मान रहा है।

सीएम योगी ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि काल का प्रवाह किसी का इंतजार नहीं करता है। किसी की भी परवाह किए बगैर कालचक्र चलता रहता है। इसलिए यह आवश्यक है कि हम विज्ञान तकनीकी से भागेंगे तो समय के साथ नहीं चल पाएंगे। मुख्यमंत्री ने नब्बे के दशक में कम्प्यूटरीकरण को लेकर हुए विरोध का जिक्र करते हुए कहा कि तब कम्प्यूटरीकरण का विरोध हो रहा था और आज उससे भी आगे ई ऑफिस का दौर आ गया। पूरी दुनिया एक स्मार्टफोन में आ चुकी है। समय के साथ टेक्नोलॉजी बढ़ती गई। बिजली, टेलीफोन, टेलीविजन, हवाई जहाज, माइक्रोवेव, इंटरनेट, जीपीएस, सोशल मीडिया जैसी तकनीकी विरोध झेलकर आगे बढ़ती गई। इनमें से एक भी तकनीकी ऐसी नहीं है जो आज दैनिक जीवन का हिस्सा न हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज और राष्ट्र के प्रति कल्याणकारी सोच का युवा विज्ञान और तकनीकी से जुड़ेगा तो स्वयं को समाज और राष्ट्र को मजबूत बनाएगा। उन्होंने युवाओं को मंत्र दिया कि हमें तामसिक मानसिकता का शिकार नहीं बनना है लेकिन खुद की प्रासंगिकता को बनाए रखते हुए तकनीकी से जुड़कर आगे बढ़ते रहना है। सीएम ने कहा कि तकनीकी जब अच्छे लोगों के हाथ में होती है तब वह लोक और राष्ट्र कल्याण का माध्यम बनती है। पर, जब तकनीकी नकारात्मक लोगों के हाथ में जाएगी तो आतंकवाद और विध्वंसात्मक ताकतों को बढ़ावा मिलेगा।

सीएम योगी ने समय की गति को भांपने और उसके अनुरूप खुद को तैयार करने की सीख देते हुए कहा कि सृष्टि के आरंभिक कालखंड से ज्ञानवान शक्तियां रिजर्व होकर कदम रखती रही हैं। इसके चलते कभी दधीचि को हड्डी दान करने के लिए मजबूर होना पड़ा तो कभी अलग अलग तरीके से कीमत चुकानी पड़ी। आज कीमत चुकाने के नहीं, तकनीकी से जुड़कर कीमत लेने का समय है। उन्होंने कहा कि यदि नई प्रौद्योगिकी के अनुरूप होकर इसका सदुपयोग सीख लें तो बहुत से हाथों को नया काम मिल सकता है। यह अवश्य हो कि इसके लिए नैतिक पक्ष का सुरक्षात्मक ढांचा भी रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि समय के साथ चलते हुए यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि मानवता की रक्षा के लिए टेक्नोलॉजी का प्रयोग अच्छे हाथों में ही हो। एटमिक पॉवर का उदाहरण देते हुए उन्होंने समझाया कि इसके सदुपयोग से प्रदूषण मुक्त सस्ती ऊर्जा मिल सकती है जबकि दुरुपयोग से एटम बम बनाकर विनाश के बीज बोए जा सकते हैं। सीएम ने कहा कि शुद्ध विज्ञान ऑब्जेक्टिव है जबकि मनुष्य की बुद्धि सब्जेक्टिव है। इसलिए सवाल यह है कि टेक्नोलॉजी किसके हाथ में है। सीएम योगी ने कहा कि आज के तेजी से आगे बढ़ते युग मे सबसे बड़ी चुनौती मानव को मानव बने रहने की है। इसके लिए ज्ञानवान और शील-वान होना होगा। सब साथ चलें, सब साथ बढ़ें के वैदिक उद्घोष को अंगीकार करना होगा। 'राष्ट्रधर्म ही सर्वोपरि' मानकर चलेंगे तो मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त होगा।मुख्यमंत्री ने युवाओं को राष्ट्रधर्म सर्वोपरि का मंत्र देने के साथ इसके मार्ग में आने वाली बाधाओं से निपटने का तरीका भी बताया। कहा कि राष्ट्रधर्म की चुनौतियों का सामना पारस्परिक एकता से ही ही पाएगा। कहा कि छात्र शक्ति ही राष्ट्र शक्ति है। युवा कल का नहीं, आज का नागरिक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रधर्म के पथ पर बढ़कर ही हम आजादी के शताब्दी वर्ष तक विकसित, आत्मनिर्भर और स्वावलंबी भारत के लक्ष्य को प्राप्त कर पाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस परिकल्पना को साकार करने के लिए हमें मिलकर कार्य करना होगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि युवा ऊर्जा सदैव परिवर्तन कारी होती है। दुनिया में जहां भी युवाओं की ऊर्जा का सम्मान हुआ, उसे सही दिशा मिली तो उसने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। प्रतिभाशाली युवा ऊर्जा उज्ज्वल भविष्य की गारंटी होती है। उन्होंने कहा कि भारत युवा ऊर्जा के मामले में दुनिया का सबसे सौभाग्यशाली देश है। यह दुनिया का सबसे युवा देश है। भारत की 56 प्रतिशत आबादी युवाओं की है। यह युवा ऊर्जा देश को नई दिशा दे रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पौराणिक काल, श्रीराम, श्रीकृष्ण से लेकर क्रांतिकारियों और नए दौर के उद्धरणों से युवा ऊर्जा की ताकत समझाई। कहा कि भगवान श्रीराम ने गिरिवासियों की एकता विखंडित करने तथा ज्ञान परंपरा के वाहक ऋषियों को प्रताड़ित करने वाले दुष्टों की रक्षा अपने युवाकाल में ही की। भगवान श्रीकृष्ण ने युवा रूप में ही कंस से त्रस्त मथुरा को भयमुक्त किया। दुनिया की परिनिर्वाण और अपना दीपक खुद बनो का संदेश देने वाले बुद्ध, महावीर, आदि शंकराचार्य, वीर वंदा वैरागी, सवा लाख से एक लड़ाऊं का उद्घोष करने वाले खालसा पंथ के संस्थापक गुरु गोविंद सिंह, उनके चारों साहिबजादों अजित सिंह, जुझार सिंह, फतेह और जोरावर सिंह, हिंदवी साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी, भारत के स्वाभिमान के प्रतीक महाराणा प्रताप, 1857 के स्वतंत्रता समर की वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई, काकोरी ट्रेन एक्शन के महानायक पंडित राम प्रसाद बिस्मिल, ठाकुर रोशन सिंह, अशफाक उल्ला खां, चंद्रशेखर आजाद, राजेंद्र नाथ लाहिड़ी, दो बार आजन्म कारावास की सजा पाने वाले महान क्रांतिकारी वीर सावरकर, गर्व से कहो हम हिंदू हैं का वैश्विक उद्घोष करने वाले स्वामी विवेकानंद आदि सभी ने अपनी युवा ऊर्जा से पीढ़ियों को प्रेरित किया है। यही नहीं, दुनिया में दृष्टिबाधितों के लिपि बनाने वाले लईस ब्रेल ने 15 वर्ष की उम्र में यह आविष्कार किया था। आइंस्टीन ने जब सा-पेक्षता का सिद्धांत दिया तब तब उनकी उम्र 16 वर्ष थी। जबकि गुरुत्वाकर्षण का सिद्धांत न्यूटन ने 23 वर्ष की उम्र में दिया था।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद युवा ऊर्जा को सही दिशा देने वाला दुनिया का सबसे बड़ा युवा संगठन और एक सशक्त प्लेटफार्म है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी परिषद का कार्यकर्ता होना सौभाग्य की बात है और वह खुद को भी सौभाग्यशाली मानते हैं कि विद्यार्थी जीवन में वह विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता रहे हैं।

राष्ट्र विरोधी धर्मांतरण पर लगाम लगाना नागरिकों का भी दायित्व

गोरखपुर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रो. यशवंतराव केलकर पुरस्कार से सम्मानित टीच संस्था के सह संस्थापक दीपेश नायर के कार्यों की सराहना करते हुए मूक बधिर बच्चों के राष्ट्रविरोधी धर्मांतरण से जुड़ा एक वाकया भी सुनाया। बताया कि 2019 में एक मंदिर में संत की हत्या की साजिश के लिए छद्म नाम से जा रहे दो युवकों के पकड़े जाने के बाद कराई गई सख्त जांच में पता चला कि दोनों युवकों का संबंध दिल्ली के बाटला हाउस से जुड़े एक धर्म उपदेशक से थाऔर तीन पीढ़ी पूर्व उनके पूर्वजों ने इस्लाम स्वीकार कर लिया था। चूंकि 2008 में बाटला हाउस में एक आतंकी मुठभेड़ के दौरान दिल्ली पुलिस के इंस्पेक्टर मोहन चंद शर्मा शहीद हुए थे, इसलिए बाटला हाउस कनेक्शन की बात पता चलते ही जांच और गहराई में ले जाई गई। जांच में यह बात सामने आई की वहां से एक बड़ा रैकेट संचालित हो रहा था जो मूक बधिर बच्चों को टारगेट कर उनका धर्मांतरण कर रहा था। गुड़गांव और कानपुर से जुड़े ऐसे मामले पकड़ में आए। धर्मांतरण करने वाले इस रैकेट में 500 परिवारों को अपने चपेट में लिया था। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस मामले में तीन महापुरुष धर्मांतरण करने वाले धर्म उपदेश समेत 7 लोगों को न्यायालय ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इस प्रकरण को बताने के साथ ही मुख्यमंत्री ने कहा कि आपके बीच कुछ ऐसे छिपे लोग हैं जो छद्म रूप से राष्ट्रविरोधी धर्मांतरण कर रहे हैं। यह सेवा की सौदेबाजी है। इस पर लगाम लगाना सिर्फ सरकार या किसी संगठन का नहीं बल्कि प्रत्येक जागरूक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने कहा कि दीपेश नायर जैसे लोग मूक बधिर बच्चों के लिए शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार कर ऐसा ही कार्य कर रहे हैं। ऐसे लोगों ने धर्मांतरण को बढ़ावा देने की साजिश को ब्रेकर दिया है। एक लक्ष्मण रेखा बनाई है। दिव्यांगजन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चार प्रतिशत आरक्षण तथा दिव्यांगजन की 16 श्रेणियां बनाई जाने का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज दिव्यांगजन प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रतिभा जाति, मत, मजहब की मो-हताज नहीं होती है। ईश्वर एक कमी देते भी हैं तो किसी न किसी माध्यम से उसकी पूर्ति करते हैं। दिव्यांगजन की सेवा में सहभागी बनना एक प्रकार से ईश्वरी कार्य है और यही कार्य दीपेश नायर और टीच संस्था के लोग कर रहे हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. राजशरण शाही, आभार ज्ञापन स्वागत समिति के उपाध्यक्ष प्रो. सदानंद गुप्त और संचालन सौरभ गौड़ ने किया। इस अवसर पर गोरखपुर के महापौर एवं स्वागत समिति के अध्यक्ष डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी, संगठन मंत्री देवदत्त जोशी, स्वागत समिति के महामंत्री कामेश्वर नाथ सिंह, प्रांत अध्यक्ष डॉ. राकेश प्रताप सिंह, प्रांत मंत्री मयंक राय समेत कई जनप्रतिनिधि, गणमान्यजन और बड़ी संख्या में देशभर से आए विद्यार्थी परिषद के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 70वें राष्ट्रीय अधिवेशन के समापन सत्र को संबोधित करने से पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिवेशन स्थल पर लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में विभिन्न संस्थाओंके स्टालों पर जाकर सीएम ने वहां मौजूद प्रतिनिधियों से जानकारी ली और उनका उत्साह बढ़ाया।

कांग्रेस से दूरी सपा के लिए नुकसानदेह साबित हुई

लखनऊ, 24 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में विधानसभा के लिए हुए उपचुनाव में तमाम प्रयास के बाद भी विपक्ष सियासी ऊर्जा नहीं बना पाया। इससे दलित और अति पिछड़े वर्ग के वोटों में बिखराव हुआ। भाजपा ने इसका फायदा उठाया। इस चुनाव परिणाम ने यह भी संदेश दिया है कि विपक्ष की गोलबंदी के लिए कांग्रेस का सियासी रसायन जरूरी है।

विधानसभा की नौ सीटों के उपचुनाव परिणाम ने साबित कर दिया कि सपा को कांग्रेस से दूरी भारी पड़ी है। नौ सीटों पर हुए उपचुनाव में कांग्रेस ने पांच सीटें मांगी थी, लेकिन सपा ने सिर्फ खैर और गाजियाबाद सीट दी। इस पर कांग्रेस ने चुनाव लड़ने से इन्कार कर दिया। सपा अकेले मैदान में रही। दोनों दल दावा करते रहे कि सभी कार्यकर्ता पूरे मनोयोग से मैदान में डटे हैं। सपा ने गाहे-बगाहे अपने पोस्टर बैनर पर कांग्रेस नेताओं की भी तस्वीरें लगाईं, लेकिन हकीकत यह रही कि गाजियाबाद छोड़कर अन्य किसी भी जनसभा में कांग्रेस के नेता सपा के मंच पर नजर नहीं आए। कांग्रेस नेताओं ने दबी जुबान से यह स्वीकार किया कि उन्हें बुलाया ही नहीं गया। सम्मान और स्वाभिमान खतरे में देख संगठन के जुड़े ज्यादातर नेता पहले वायनाड और फिर महाराष्ट्र के चुनाव में चले गए। राहुल गांधी की एक भी जनसभा उत्तर प्रदेश में नहीं हो सकी। इसका सीधा असर सियासी ऊर्जा पर पड़ा।

लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस ने संविधान, जाति गणना, आरक्षण सीमा बढ़ाने जैसे मुद्दे उठाकर दलितों और अति पिछड़ी जातियों को गोलबंद किया था। सपा को उम्मीद थी कि यह गोलबंदी कायम रहेगी, लेकिन कांग्रेस नेताओं के साथ नहीं रहने से दलितों में संशय रहा। वोटों का बिखराव हुआ। इसका सीधा फायदा भाजपा को मिला। विपक्षी एकजुटता नहीं होने से भाजपा का हौसला बुलंद रहा। तमाम सीटों पर अल्पसंख्यक बूथ तक नहीं पहुंच पाए। इसका भी नुकसान हुआ है।

उपचुनाव के परिणाम देखें तो मीरापुर में 30 हजार से रालोद उम्मीदवार विजयी रहा, जबकि यहां आजाद समाज पार्टी को करीब 22 हजार और आल इंडिया मजलिस-ए- इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) को 18 हजार वोट मिले। यदि विपक्ष एकजुट रहता तो यह सीट आस-ानी से जीती जा सकती थी। कुंदरकी में भी आजाद समाज पार्टी को 14 हजार और एआईएमआईएम को आठ हजार वोट मिला। इसी तरह कटेहरी में भाजपा 34514 वोट से विजेता रही, जबकि यहां बसपा करीब 41 हजार और आजाद समाज पार्टी करीब पांच हजार वोट हासिल की। फूलपुर में 11 हजार से भाजपा जीती तो यहां बसपा करीब 20 हजार आजाद समाज पार्टी करीब 4500 और कांग्रेस से बगावत कर मैदान में निर्दल उतरे सुरेश यादव 1300 वोट हासिल किए। यही हाल अन्य सीटों पर भी रहा है।

यूपी उपचुनाव के नतीजे सपा के साथ साथ भाजपा के लिए भी सबक हैं

लखनऊ, 24 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की नौ विधानसभा सीटों के उपचुनाव परिणाम सपा और भाजपा को कई सबक सिखा गए। करहल और कुंदरकी में भाजपा जहां वोट बैंक बढ़ाने में कामयाब रही, वहीं गाजियाबाद और मझवां में जीत दोहराने के बावजूद घटे वोटबैंक ने उसके लिए चुनौती बढ़ा दी है। दूसरी ओर सपा भले ही करहल और सीसामऊ सीट बचाने में कामयाब रही हो, लेकिन घटा वोटबैंक उसके लिए भी खतरे की घंटी है।

वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को 150205 वोट मिले थे, सपा को 44688 और कांग्रेस को 11818 वोट मिले थे।

बीते लोकसभा चुनाव में यहां भाजपा का वोट घटकर 137206 पर पहुंच गया, कांग्रेस ने बढ़त के साथ 73950 वोट हासिल किए थे। उपचुनाव में भी भाजपा का वोट घटने का सिलसिला जारी रहा और उसे 96946 मत मिले। सपा को सिर्फ 27595 वोट मिले। इसकी बड़ी वजह दलों में उत्साह की कमी मानी जा रही है।

करहल में वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव के दौरान सपा को 148196 वोट और भाजपा को 80692 वोट मिले थे। सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद लोकसभा के उप-चुनाव में सपा को 140578 और भाजपा को 65116 वोट मिले थे। बीते लोकसभा चुनाव में सपा का वोट घटकर 134049 पर पहुंच गया और भाजपा को 75509 वोट मिले।

उपचुनाव में सपा गढ़ बचाने में कामयाब रही, लेकिन उसका वोट घटकर 104304 रह गया। वहीं, भाजपा ने बढ़त के साथ 89579 मत हासिल किए। इसकी बड़ी वजह यादव वोट बैंक में सेंधमारी मानी जा रही है।

कटेहरी में वर्ष 2022 के चुनाव में सपा को 93524 वोट मिले थे, जबकि भाजपा-निषाद पार्टी को 85824 मत मिले। बीते लोकसभा चुनाव में सपा को भाजपा से करीब 17 हजार वोट ज्यादा मिले थे। उपचुनाव में भाजपा का वोट बढ़कर 104091 पर पहुंच गया तो सपा घटकर 69577 पर सिमट गई। इसकी मूल वजह सपा के अंदरखाने सामंजस्य न होना और निषाद वोटों की लामबंदी मानी जा रही है।

वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में फूलपुर विधानसभा सीट पर भाजपा को 110137 और सपा को 99553 वोट मिले थे। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को 103557 और सपा को 100825 वोट मिले। वर्ष 2024 में लोकसभा चुनाव में यहां भाजपा का वोटबैंक घटकर 89650 पर पहुंच गया जबकि सपा को 107510 वोट मिले। पर, उपचुनाव में भाजपा का वोट गिरकर 78289 पर पहुंच गया और सपा सिर्फ 66984 वोट हासिल कर पाई। यहां दोनों दलों का वोट गिरा है, लेकिन भाजपा कमल खिलाने में कामयाब रही।

खैर विधानसभा क्षेत्र में वर्ष 2022 के चुनाव में भाजपा को 139643 और सपा-रालोद गठबंधन को 41644 वोट मिले थे।

बीते लोकसभा चुनाव में भाजपा को 94205 और सपा को 95606 वोट मिले थे। उपचुनाव में भाजपा-रालोद एक साथ थे। भाजपा-रालोद गठबंधन को 100181 वोट मिले, जबकि सपा घटकर 61788 तक ही पहुंची। इसकी मूल वजह जाट वोटों की लामबंदी बताई जा रही है।

कुंदरकी में विधानसभा चुनाव 2022 में सपा को 125792 और भाजपा को 82630 वोट मिले थे। लोकसभा चुनाव में सपा को 143415 और भाजपा को 86371 वोट मिले थे। पर, उप-चुनाव में भाजपा ने सभी रिकॉर्ड ध्वस्त करते हुए यहां 168526 वोट हासिल किया और सपा 25334 वोट पर सिमट गई। यहां से भाजपा ने पहली बार जीत दर्ज की है।

वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में मीरापुर में रालोद को 107421 वोट मिले थे। उस वक्त रालोद सपा के साथ थी। भाजपा को 80041 वोट मिले थे। वर्ष 2024 में सियासी समीकरण बदले और रालोद सपा का साथ छोड़कर भाजपा के साथ आ गई। पर, लोकसभा चुनाव में उसका वोट गिरकर 73320 पर पहुंच गया, जबकि सपा को 63351 वोट मिले। उपचुनाव में रालोद-भाजपा बढ़त के साथ 84304 वोट हासिल किए और सपा को सिर्फ 53508 वोट मिले। यहां वोट घटने के बाद भी जयंत चौधरी परिवार सियासी परीक्षा में पास हो गया।

मझवां में वर्ष 2022 के दौरान निषाद पार्टी और भाजपा को 103235 और सपा को 69648 वोट मिले थे। 2024 लोकसभा चुनाव में भाजपा को 94061 और सपा को 92299 मिले। उपचुनाव में भाजपा और सपा दोनों के वोट घटे हैं। भाजपा को यहां 77737 तो सपा को 72815 वोट मिले हैं। कांटे के मुकाबले में भाजपा का मान-मनौव्वल का फॉर्मूला कारगर रहा।

सीसामऊ में वर्ष 2022 में सपा को 79163 और भाजपा को 66897 वोट मिले थे। बीते लोकसभा चुनाव में भाजपा का वोटबैंक गिरा और 55365 पर पहुंच गया और सपा-कांग्रेस गठबंधन को 95264 वोट मिले। उपचुनाव में सपा का वोटबैंक घटकर 69714 पर पहुंच गया, लेकिन चुनाव जीतने में कामयाब रही। यहां भाजपा को सिर्फ 61150 वोट मिले।

आखिर क्यों श्रेयस अय्यर से भी महंगे बिके ऋषभ पंत?

इन तीन कारणों से समझें 27 करोड़ मिलने की स्टोरी

जेद्दा (सउदी अरब), 23 नवंबर । भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत मेगा ऑक्शन में 27 करोड़ रुपये की बोली के साथ आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे प्लेयर बन गए। उन्हें लखनऊ सुपर जायंट्स ने खरीदा। पंत से चंद मिनट पहले आईपीएल इतिहास की सबसे बड़ी बोली श्रेयस अय्यर के नाम पर लगी थी, जिन्हें 26 करोड़ 75 लाख रुपये में पंजाब किंग्स ने खरीदा था। ऋषभ के लिए हैदराबाद और लखनऊ के बीच जमकर होड़ लगी। लखनऊ ने आखिरी बोली 27 करोड़ रुपये की लगाई और दिल्ली कैपिटल्स ने राइट टू मैच कार्ड का इस्तेमाल नहीं किया। इससे पहले श्रेयस अय्यर को पंजाब ने 26 करोड़ 75 लाख रुपये में खरीदा। दिल्ली और पंजाब के बीच अय्यर को लेकर काफी समय तक होड़ रही, लेकिन आखिर में पंजाब ने बाजी मारी। चलिए आपको वो तीन कारण बताते हैं कि क्यों ऋषभ पंत को श्रेयस अय्यर से ज्यादा पैसे मिले?

ऋषभ पंत कप्तान होने के साथ-साथ विकेटकीपर बल्लेबाज भी हैं। पंत के प्लेइंग इलेवन में होने से किसी भी टीम का एक विदेशी स्लॉट बच सकता है। वह टीम संयोजन में ज्यादा लचीलापन देते हैं। इसके अलावा वह एक मैच विनर प्लेयर हैं। ब्रांड वैल्यू भी उनकी बेहतर है। दूसरी ओर श्रेयस अय्यर नेतृत्व क्षमता वाले एक धाकड़ बल्लेबाज हैं। हालांकि, बल्ले के साथ उनका पिछला कुछ सीजन सराहनीय नहीं था।

ऋषभ पंत अपने आक्रामक, निडर और बेखौफ स्टाइल के लिए पहचाने जाते हैं। पंच एक गेम-चेंजर प्लेयर हैं जो अकेले दम पर मैच पलट सकते हैं। दबाव में तेजी से रन बनाने की उनकी क्षमता उन्हें खास तौर पर टी-20 क्रिकेट में अहम बनाती है। दूसरी ओर श्रेयस अय्यर तकनीकी रूप से एक मजबूत बल्लेबाज हैं। वह पहली गेंद से बड़े शॉट नहीं लगा पाते।

ऋषभ पंत ने आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट दोनों में हाई प्रेशर वाले हालातों में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। टेस्ट मैचों में उनकी मैच विनिंग पारियां और टी-20 में फिनिशिंग स्टाइल ने पंत को मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर बना दिया। अय्यर आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन अहम मुकाबलों में वह पंत जितने प्रभावी फिनिशर नहीं बन पाते।

न्यूज ब्रीफ

स्पोर्ट्स विलेज के सीईओ ने गैरेथ व्यान ओवेन को सम्मानित किया

हैदराबाद। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के ब्रिटिश उप उच्चायुक्त गैरेथ व्यान ओवेन ने 24 नवंबर, 2024 को अपने बंजारा हिल्स स्थित आवास पर अपना जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर स्पोर्ट्स विलेज के सीईओ मो. शम्सुद्दीन ने राजनयिक को शुभकामनाएं दीं और पुष्पगुच्छ भेंटकर सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में ब्रिटिश उप उच्चायोग और स्थानीय प्रतिनिधियों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंधों पर प्रकाश डाला गया, जो विभिन्न क्षेत्रों में उनके सहयोगात्मक प्रयासों को दर्शाता है।

प्रीमियर लीग फुटबॉल में टोटेनहैम ने मैनचेस्टर सिटी को हराया

लंदन। टोटेनहैम ने गत विजेता मैनचेस्टर सिटी को प्रीमियर लीग फुटबॉल मुकाबले में 4-0 से हरा दिया। इसी के साथ ही मैनचेस्टर सिटी को पांचवीं हार का सामना करना पड़ा है। इस हार के बाद मैनचेस्टर की टीम लीग में नंबर एक पर चल रहे लीवरपूल से पांच अंक ही पीछे है। मैनचेस्टर के अभी तक 23 ही अंक हैं जबकि लीवरपूल के 28 अंक हो गये हैं जबकि उसने एक मैच कम खेला है। वहीं टोटेनहैम की टीम 19 अंक लेकर छठे स्थान पर है। टोटेनहैम की ओर से जेम्स मेडिसन ने 13वें और 20वें मिनट में दो गोल किये जबकि पेड्रो पोरो ने 52वें मिनट और ब्रेनेन जॉनसन ने खेल समाप्त होने के समय एक गोल किया। वहीं तीसरे स्थान पर कायम चेल्सी ने लीसेस्टर को 2-1 से हराया।

फर्जी लेख पर सुनील गावस्कर नाराज कानूनी कार्रवाई की दी चेतावनी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने एक क्रिकेट वेबसाइट पर उनके नाम से लेख लिखे जाने पर नाराजगी जताई है। उन्होंने फर्जी लेख के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी है। वेबसाइट क्रिकेट सेप्शन ने शुक्रवार शाम को नेतृत्व में एक नया युग: बुमराह की कप्तानी और कोहली के नेतृत्व ने टीम इंडिया को पुनर्जीवित किया शीर्षक से एक कॉलम प्रकाशित किया, जिसमें झूठा दावा किया गया कि यह पूर्व कप्तान द्वारा लिखा गया था। गावस्कर ने शनिवार को इंस्टाग्राम पर इस मुद्दे को संबोधित किया, एक वीडियो साझा किया जिसमें उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका लेख से कोई संबंध नहीं है और इसे तुरंत हटाने की मांग की। क्रिकेट के दिग्गज ने वेबसाइट से सार्वजनिक रूप से माफ़ी मांगने को भी कहा, चेतावनी दी कि ऐसा न करने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वीडियो में गावस्कर ने कहा कि हाय, मैं सुनील गावस्कर हूं और मैं कहना चाहता हूं कि क्रिकेट सेप्शन नामक एक वेबसाइट है, जिसने मेरे नाम से एक लेख छापा है। मुझे कहना होगा कि यह पूरी तरह से फर्जी है। मैंने ऐसा कुछ भी नहीं किया है और मैं उस वेबसाइट से कहना चाहता हूं कि इसे तुरंत हटा दे। माफ़ी मांगो। अगर तुम ऐसा नहीं करते, तो मैं इस मामले को अपनी कानूनी टीम को सौंप दूंगा। इसलिए जो कुछ भी तुमने पढ़ा है, उस पर एक शब्द भी यकीन मत करो। यह मेरे नाम से लिखा गया एक पूरी तरह से फर्जी लेख है। गावस्कर ने प्रशंसकों से ऑनलाइन गलत सूचनाओं के बारे में सतर्क रहने का भी आग्रह किया, उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में लिखा, इंटरनेट पर जो कुछ भी आप देखते हैं उस पर कभी भी यकीन मत करो हमेशा सत्यापित करो। यह विवाद पर्थ स्टेडियम में पहले बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट के दौरान पैदा हुआ, जहां भारत ने स्टैंड-इन कप्तान जसप्रीत बुमराह के नेतृत्व में शानदार प्रदर्शन किया। बुमराह के 5-30 के शानदार प्रदर्शन की बदौलत पहले टेस्ट में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 104 रनों पर समेटने के बाद चायकाल तक बिना कोई विकेट खोये 84 रन बना लिए।

पर्थ टेस्ट

तीसरे दिन का खेल खत्म, ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में गंवाए तीन विकेट

पर्थ, 24 नवंबर (एजेंसियां) ।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में खेले जा रहे पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच के तीसरे दिन का खेल खत्म हो गया है। मेजबान टीम ऑस्ट्रेलिया ने अपनी दूसरी पारी में 12 रन पर तीन विकेट गंवा दिए हैं। नाथन मैकस्वीनी खाता भी नहीं खोल सके, जबकि मार्नस लाबुशेन तीन रन और कप्तान पैट कमिंस दो रन बनाकर आउट हुए। सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा तीन रन बनाकर नाबाद हैं। ऑस्ट्रेलिया को अब भी 522 रन बनाने हैं। भारतीय कप्तान जसप्रीत बुमराह ने दो विकेट लिए हैं, जबकि सिराज को एक विकेट मिला है।

भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया के सामने 534 रन का लक्ष्य रखा है। भारतीय टीम ने मैच की पहली पारी में 150 रन बनाए थे। इसके बाद जवाब में ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 104 रन पर सिमट गई थी। भारत को दूसरी पारी में 46 रन की बढ़त मिली थी। अब दूसरी पारी में भारत ने 6 विकेट के नुकसान पर 487 रन बनाकर पारी घोषित कर दी है। इस लिहाज से भारतीय टीम की कुल बढ़त 533 रन की हुई और ऑस्टेलिया को 534 रन का लक्ष्य दिया। जवाब में दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने दिन का खेल खत्म होने तक 12 रन पर ही तीन विकेट गंवा दिए हैं। सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा तीन रन बनाकर नाबाद हैं। ऑस्ट्रेलिया को अब भी जीत के लिए 522 रन और बनाने हैं। वहीं भारतीय टीम को जीत के लिए सात विकेट और लेने हैं।

भारतीय टीम ने दूसरी पारी 487/6 पर की घोषित, कोहली का शतक- भारतीय टीम ने आज बिना विकेट गंवाए 172 रन से आगे खेलना शुरू किया और आधे घंटे के अंदर ही यशस्वी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए शतक जड़ दिया। यशस्वी ने छक्का लगाकर टेस्ट करियर में अपना चौथा शतक पूरा किया। तीसरे दिन भारत को पहला झटका केएल राहुल के रूप में लगा। वह 176 गेंदों में पांच चौकों की मदद से शानदार 77 रन बनाकर आउट हुए। राहुल और यशस्वी के बीच 201 रन की साझेदारी हुई। केएल राहुल के बाद बल्लेबाजी के लिए आए देवदत्त पडिक्कल ने भी यशस्वी जायसवाल का खूब साथ दिया और टीम की लीड को 300 के पार पहुंचाया। लंच के बाद पडिक्कल 25 रन बनाकर आउट हुए। पडिक्कल ने दूसरे विकेट के लिए यशस्वी के साथ 74 रन की साझेदारी निभाई। इसके बाद यशस्वी 150 रन पूरे करने के बाद आउट हो गए। यशस्वी ने 297 गेंद में 15 चौके और तीन छक्के की मदद से 161 रन बनाए।भारत को 320 के स्कोर पर चौथा झटका लगा। ऋषभ पंत बड़े शॉट के चक्कर में स्टंप आउट हो गए। पंत ने एक रन बनाया। ध्रुव जुरेल भी एक रन बनाकर आउट हुए। 410 के स्कोर पर वॉशिंगटन सुंदर के रूप में भारत का छठा विकेट गिरा। सुंगर ने 29 रन बनाए। विराट कोहली और नीतीश कुमार रेड्डी ने तेजी से रन बटोरते हुए टीम के स्कोर को 450 के पार पहुंचाया। इसके बाद विराट कोहली का शतक होते ही भारतीय टीम ने 6 विकेट पर 487 रन बनाकर पारी घोषित कर दी। विराट ने 143 गेंद में 100 रन की नाबाद शतकीय पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में आठ चौके और दो छक्के लगाए। यह उनके टेस्ट करियर का 30वां शतक रहा। वहीं नीतीश 38 रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से दूसरी पारी में नाथन लियोन ने दो विकेट लिए, जबकि मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड, पैट कमिंस और मिचेल मार्श को एक-एक विकेट मिला।

ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 104 रनों पर सिमटी- इससे पहले जसप्रीत बुमराह के नेतृत्व में तेज गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 104 रनों पर समेट दिया है। बुमराह ने 5 विकेट लिए। इसी के साथ पहली पारी के आधार पर भारत को 46 रनों की बढ़त मिली गई है। भारतीय टीम पहली पारी में केवल 150 रनों पर सिमट गई थी। पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया के लिए मिचेल स्टॉर्क ने सर्वाधिक 26 रन बनाए। स्टॉर्क के अलावा एलेक्स कैरी ने 21, ट्रैविस हेड ने 11 और मेकस्विनी ने 10 रन बनाए। भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह ने 5, हर्षित राणा ने 3 और मोहम्मद सिराज ने 2 विकेट लिए।

नीदरलैंड की टीम पहली बार डेविस कप फाइनल में पहुंची सेमीफाइनल में जर्मनी को हराया

एम्स्टडर्म, 24 नवंबर (एजेंसियां) ।

नीदरलैंड की टीम ने जर्मनी को 2-0 से हराकर पहली बार डेविस कप टेनिस के फाइनल में प्रवेश किया है। डच टीम के बोटिक वैन डी जैंडस्चुल्प ने पहले एकल मैच में डैनियल अल्टमायर को हराकर नीदरलैंड को 1-0 की बढ़त दिलायी।

विश्व के 80वें नंबर के खिलाड़ी बोटिक को रोमांचक मुकाबले में 6-4 6-7 (12-14) 6-3 से जीत हासिल करने के लिए 10 मैच अंक चाहिये थे। वहीं ग्रिक्सपुर ने बेस्ट ऑफ थ्री टाई को निर्णायक युगल में जाने से रोक दिया। उन्होंने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए जान-लेनार्ड स्ट्रफ को 6-7 (4-7) 7-5 6-4 से हराया। जीत के बाद ग्रिक्सपुर ने कहा कि हमें अपने पर बहुत विश्वास था, हमें हमेशा लगता था कि यह संभव है।

वहीं नीदरलैंड्स कप्तान पॉल हारहुइस ने कहा कि यह जीत उत्साहित करने वाली है अगर हम डेविस कप जीतते हैं तो हमारे लिये सुखद होगा क्योंकि हमारे पास वह शीर्ष-पांच खिलाड़ी नहीं है, हमारे पास वह शीर्ष -10 खिलाड़ी नहीं है, हमारे पास वह शीर्ष -15 खिलाड़ी नहीं है पर यह एक टीम प्रयास है। उन्होंने कहा कि जीत के लिए हमें अपने पर भरोसा करना होगा, चाहे कोई भी हमारे खिलाफ हो, कि हम यह कर सकते हैं। अब खिताबी मुकाबले में नीदरलैंड की टक्कर गत चैंपियन इटली या ऑस्ट्रेलिया से होगी।

जॉर्जिया प्लिम्मर चोट के कारण शेष वर्ष के लिए क्रिकेट से बाहर

वेलिंग्टन, 24 नवंबर (एजेंसियां) ।

न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम की युवा सलामी बल्लेबाज जॉर्जिया प्लिम्मर चोट के कारण शेष वर्ष के लिए क्रिकेट मैदान से बाहर हो गई हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने रविवार को जारी बयान में यह जानकारी दी।

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने बताया कि 20 वर्षीय खिलाड़ी को पिछले महीने भारत में एकदिवसीय श्रृंखला के दौरान बाएं कूल्हे के जोड़ में दर्द का अनुभव हुआ था। न्यूजीलैंड से लौटने पर एमआरआई स्कैन और जांच से चोट की पुष्टि हुई। चोट का मतलब है कि प्लिम्मर क्रिसमस से पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं होंगी। साथ ही अधिकांश हैलीबर्टन जॉनस्टोन शील्ड और ड्रीम 11 सुपर स्मैश घरेलू प्रतियोगिताओं को भी मिस करेंगी। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने बयान में कहा कि जॉर्जिया को छह सप्ताह के आराम और पुनर्वास की आवश्यकता होगी तथा जनवरी में वह तीव्र गति से दौड़ने में पुन: वापसी करेंगी।

व्हाइट फर्न्स के मुख्य कोच बेन सॉयर ने कहा कि वह प्लिम्मर के लिए दुखी हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महत्वपूर्ण श्रृंखला से पहले उनका न होना निश्चित रूप से हमारे लिए नुकसानदायक है। उन्होंने कहा कि विश्व कप और भारत में उनकी हालिया सफलता के बाद यह निराशाजनक है कि वह वेलिंगटन ब्लेज और अगले महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली श्रृंखला में उस फॉर्म को जारी नहीं रख पाएंगी। उन्होंने कहा कि जॉर्जिया अच्छी तरह से पुनर्वास करने और जल्द से जल्द वापस आने के लिए दृढ़ संकल्प है और हम उसके सुचारु रूप से ठीक होने की कामना करते हैं।

राष्ट्रीय स्तर की ग्रेपलिंग रेसलिंग प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश टीम का शानदार प्रदर्शन, 8 स्वर्ण, 6 रजत और 15 कांस्य पदक सहित कुल 29 पदक जीते

इन्दौर, 24 नवंबर (एजेंसियां) ।

उत्तराखंड के हरिद्वार में ग्रेपलिंग कमेटी ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की ग्रेपलिंग रेसलिंग प्रतियोगिता में देश के 29 राज्यों से लगभग 2000 खिलाड़ियों ने भाग लिया। जिसमें इंदौर के आर्यन भारतीय ने 16-18 वर्ष -50 किलो भारवर्ग में शानदार प्रदर्शन कर 04 मुक़ाबले जीतते हुए फाइनल में वेस्ट बंगाल के खिलाड़ी को आर्मबार तकनीक से हराते हुए स्वर्ण पदक प्राप्त किया। कुमारी आर्या चौधरी ने भी अपने चारों मुक़ाबले समय से पहले ख़त्म करते हुए 18-20 वर्ष की -53 भारवर्ग में स्वर्ण पदक जीता। मध्यप्रदेश के 75 खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए 8 स्वर्ण पदक, 6 रजत पदक और 15 कांस्य पदक सहित कुल 29 पदकों के साथ देश भर में चौथा स्थान प्राप्त किया खिलाड़ियों के साथ उनके कोच विक्रम अवार्डी विकाश शर्मा एवं सहायक सुरभि साँखला उपस्थित रहे। ग्रेपलिंग रेसलिंग मध्यप्रदेश संघ से हिमांशु अत्रिवाल अध्यक्ष ,एहतेशाम उद्दीन सचिव, उपाध्यक्ष प्रवीन पाटिल, कोषाध्यक्ष भूपेन्द्र भट्ट सहित समस्त ग्रैपलिंग संघ के पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

बीस देशों के बैडमिंटन खिलाड़ी मंगलवार से लखनऊ में दिखाएंगे प्रतिभा

लखनऊ, 24 नवंबर (एजेंसियां) ।

कई देशों के बैडमिंटन खिलाड़ी 26 नवम्बर से लखनऊ में होंगे। इसी दिन से सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशन एचएसबीसी वर्ल्ड टूर सुपर बैडमिंटन चैंपियनशिप की शुरुआत हो रही है, जो एक दिसम्बर तक चलेगा। इसमें पीवी सिंधु, एशियन जूनियर चैंपियन लक्ष्य सेन, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी व चिराग शेट्टी सहित कई भारतीय दिग्गज बैडमिंटन कोर्ट में देखने को मिलेंगे।

इस प्रतियोगिता में भारत सहित 20 देशों के 256 खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे। इसमें सबसे ज्यादा भारत के 163 खिलाड़ी होंगे। दूसरी ओर चीन के भी 25 खिलाड़ी चुनौती पेश करेंगे। वहीं मलेशिया के 20 व थाईलैंड के 18 खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में भाग लेंगे। उप्र बैडमिंटन एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. नवनीत सहगल ने बताया कि चैंपियनशिप में कुल 210,000 अमेरिकी डालर की ईनामी राशि का वितरण होगा। उन्होंने कहा कि 26 नवम्बर को क्वालीफाइंग मुकाबले खेले जाएंगे, जबकि मुख्य ड्रा के मुकाबले 27 नवम्बर से शुरू होंगे। फाइनल मुकाबला एक दिसंबर को खेला जाएगा। चैंपियनशिप में मुख्य ड्रा 32-32 का होगा। इसमें 24 खिलाड़ियों को सीधे इंट्री मिलेगी, जबकि जिसमें आठ खिलाड़ी क्वालीफायर कोटा से मुख्य ड्रा में प्रवेश करेंगे।

डॉ. नवनीत सहगल ने कहा कि भारतीय बैडमिंटन एसोसिएशन के तत्वावधान में उत्तर प्रदेश बैडमिंटन एसोसिएशन द्वारा आयोजित चैंपियनशिप के मुकाबले गोमतीनगर स्थित योनेक्स सनराइज बाबू बनारसी दास बैडमिंटन अकादमी के कोर्ट पर खेले जाएंगे। उन्होंने कहा कि मलेशिया, थाईलैंड, जापान, इंग्लैंड, अजरबैजान, श्रीलंका, हांगकांग, वियतनाम, आयरलैंड, ब्रुनेई, इजरायल, यूएई, सिंगापुर, पोलैंड, अमेरिका, फिनलैंड व म्यांमार के खिलाड़ियों का भी कमाल देखने को मिलेगा। इस चैंपियनशिप में दर्शकों को नि: शुल्क इंट्री मिलेगी। वहीं क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल, फाइनल के मुकाबलों का दूरदर्शन पर सजीव प्रसारण होगा।

रोहित ऑस्ट्रेलिया पहुंचे

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया पहुंच गये हैं, वह एडीलेड में दूसरे टेस्ट से पहले टीम से जुड़ेंगे। रोहित शनिवार शाम को मुंबई एयरपोर्ट से रवान हुए थे। इस दौरान उन्हें पत्नी रितिका सजदेह को गले लगाकर बाय कहते देखा गया था। रोहित दूसरे बच्चे के जन्म के कारण ही पहले टेस्ट से बाहर रहे। बीसीसीआई और टीम प्रबंधन को उन्होंने पहले ही संकेत दिया था कि वे पर्थ टेस्ट नही खेलेंगे। रोहित के ऑस्ट्रेलिया पहुंचने की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई हैं। दूसरा टेस्ट छह दिसंबर से एडिलेड में खेला जाएगा। इससे पहे न्यूजीलैंड के खिलाफ हाल ही में हुई तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में रोहित असफल रहे थे, ऐसे में उनका लक्ष्य ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जमकर रन बनाकर लय हासिल करना रहेगा।

संपादकीय

अमरीकी कठघरे में अडाणी

न्यूयॉर्क फेडरल कोर्ट ने भारत के शीर्षस्थ उद्योगपति गौतम अडाणी और 7 अन्य आरोपितों के खिलाफ गिरफ्तारी के वारंट जारी किए हैं। अमरीकी निवेशकों, एजेंसियों और बैंकों को गुमराह करने, बेईमानी करने, धोखा देने और भारत में करीब 2200 करोड़ रुपए की घूसखोरी को छिपाने सरीखे गंभीर आरोप अडाणी समूह पर हैं। हालांकि समूह ने आरोपों को गलत और बेबुनियाद करार दिया है, लेकिन यही पर्याप्त नहीं है। अमरीकी कानून और न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज के नियमानुसार ये बेहद गंभीर अपराध हैं। अडाणी समूह की कुछ कंपनियां न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज में भी सूचीबद्ध हैं। चूंकि सौर ऊर्जा के भारत सरकार के अनुबंध के लिए अडाणी समूह ने अमरीकी बाजार और बैंकों से करीब 25,000 करोड़ रुपए जुटाए थे। उसी में से 26.5 करोड़ डॉलर (करीब 2200 करोड़ रुपए) आंध्रप्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़ और जम्मू-कश्मीर के अधिकारियों को कथित रूप से घूस दी गई, ताकि इन राज्य सरकारों से सौर ऊर्जा के अनुबंध हासिल किए जा सकें। रिश्वत और ठेकेदारी के इस खेल में अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के साथ मॉरीशस की भी एक कंपनी थी, जिन्हें 'सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया' (सेकी) का 12 गीगावॉट अर्थात 12,000 मेगावॉट सौर ऊर्जा का ठेका मिला था। चूंकि ऊर्जा महंगी थी, लिहाजा राज्य सरकारें उसे खरीद नहीं पा रही थीं। सौदेबाजी के लिए घूस दी गई, यह आरोप है। समूह के अध्यक्ष गौतम अडाणी ने 2021 में आंध्रप्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी से मुलाकात की थी और राज्य सरकार 7000 मेगावॉट बिजली खरीदने को राजी हुई थी। ओडिशा ने भी 500 मेगावॉट बिजली खरीदी थी। जिन सरकारों के साथ अडाणी समूह ने करार किए थे, वहां तब विपक्ष की सरकारें थीं। सिर्फ जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रपति शासन था, लेकिन तब भी उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ही थे। बहरहाल अब अडाणी को अमरीकी अदालत के कठघरे में पहुंच कर अथवा अपने वकीलों के जरिए अपना पक्ष रखना होगा। अदालत से जमानत या मामला खत्म करने की गुहार लगानी होगी। यह ऐसी कोर्ट है, जिसमें निर्वाचित अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंपर को भी हाजिर होना पड़ा था। यदि अडाणी को फेडरल कोर्ट में राहत नहीं मिलती है, तो आरोपित वहां की सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे सकते हैं। अलबत्ता कोर्ट के मुताबिक, अभी अडाणी और अन्य आरोपित 'दोषी' नहीं हैं। अब मामला अमरीकी अदालत में है, लेकिन यह खबर सामने आते ही भारतीय शेयर बाजार और राजनीति में 'भूचाल' आ गया। एक ही दिन में निवेशकों के 5.35 लाख करोड़ रुपए डूब गए और अडाणी समूह को भी करीब 2.20 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। अमीरों की वैश्विक सूची में गौतम अडाणी 25वें स्थान तक लुढक़ गए। यह जनवरी, 2023 में हिंडनबर्ग रपट के बाद हुए घाटे से तिगुना नुकसान है। अडाणी समूह के लिए यह सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय झटका है कि केन्या ने 700 मिलियन डॉलर (करीब 6000 करोड़ रुपए) के ऊर्जा करार रद्द कर दिए। वहां के राष्ट्रपति विलियम रुतो ने नैरोबी एयरपोर्ट की लीज डील भी खारिज कर दी। अडाणी समूह को ऐसे और भी झटके लग सकते हैं। भारत में सियासत में उबाल यहां तक आया है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गौतम अडाणी को तुरंत गिरफ्तार करने की मांग की है। यही नहीं, विपक्ष ने संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) गठित करने का भी आग्रह किया है। अब 25 नवंबर से संसद का शीतकालीन सत्र आरंभ हो रहा है, लिहाजा स्वाभाविक है कि विपक्ष इस मुद्दे पर शोर मचाएगा। सदन में हंगामा भी मच सकता है। बुनियादी तौर पर देखा जाए, तो अडाणी पर भारत में ही घूसखोरी के आरोप हैं, लिहाजा न्याय के लिए सरकार को हरेक कदम उठाने चाहिए। सवाल यह है कि राहुल गांधी ने इस मामले में भी अडाणी के साथ प्रधानमंत्री मोदी का भी नाम जोड़ दिया है। वह मोदी-अडाणी जोड़ी की राजनीति अक्सर करते रहे हैं।

> अमरीकी निवेशकों, एजेंसियों और बैंकों को गुमराह करने, बेईमानी करने, धोखा देने और भारत में करीब 2200 करोड़ रुपए की घूसखोरी को छिपाने सरीखे गंभीर आरोप अडाणी समूह पर हैं। हालांकि समूह ने आरोपों को गलत और बेबुनियाद करार दिया है, लेकिन यही पर्याप्त नहीं है। अमरीकी कानून और न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज के नियमानुसार ये बेहद गंभीर अपराध हैं। अडाणी समूह की कुछ कंपनियां न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज में भी सूचीबद्ध हैं। चूंकि सौर ऊर्जा के भारत सरकार के अनुबंध के लिए अडाणी समूह ने अमरीकी बाजार और बैंकों से करीब 25,000 करोड़ रुपए जुटाए थे। उसी में से 26 .5 करोड़ डॉलर (करीब 2200 करोड़ रुपए) आंध्रप्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़ और जम्मू–कश्मीर के अधिकारियों को कथित रूप से घूस दी गई, ताकि इन राज्य सरकारों से सौर ऊर्जा के अनुबंध हासिल किए जा सकें।

मुस्लिम समाज एकरूपता की बात तो करती है लेकिन जाति व्यवस्था वहां भी किसी न किसी रूप में है

समावेशी राष्ट्र बनाना है तो पसमांदा मुसलमानों की ताकत को पहचाने भारतीय सत्ता प्रतिष्ठान

गौतम चौधरी

वर्ण और जाति, पारंपरिक भारतीय समाज की नींव है। सामाजिक संरचना की यदि बात करें तो इसे आप किसी कीमत पर नजरअंदाज नहीं कर सकते। इस व्यवस्था की संरचना एक-दो वर्ष या फिर एक-दो सौ सालों में नहीं हुआ है। इसका लंबा इतिहास है। पक्ष-विपक्ष, हानी-लाभ की बात करें तो कई तर्क इसके पक्ष और कई इसके विपक्ष में मिल जाएंगे लेकिन इस व्यवस्था की अहमियत इतनी है कि भारतीय समाज में आप अपना धर्म और पांथिक चिंतन चाहे जितना बदल लों जाति व वर्ण आपका पीछा नहीं छोड़ेगा। लंबे इतिहास और वर्षों में कई बदलावों के बावजूद, जाति अभी भी हमारी राजनीतिक, धार्मिक और सामाजिक-आर्थिक प्रणालियों में व्यापक रूप से स्वीकृत एक संस्था के रूप में काम कर रही है। भारतीय समाज में जाति को लेकर कई आन्दोलन भी हुए। कहा तो यहां तक जाता है कि भारत की लंबे समय तक गुलामी का कारण भी जाति व्यवस्था रही है। तर्क तो यहां तक दिए जाते हैं कि जाति व्यवस्था की विंगतियों के कारण ही मुस्लिम आक्रांता भारत में अपनी जड़ जमाने में कामयाब हुए। यह कितना सत्य है विश्लेषण का विषय है लेकिन इसके विपक्ष में भी कई तर्क हैं और उनमें से सबसे मजबूत तर्क यह है कि यदि ऐसा ही था तो फिर भारतीय मुस्लिम समाज में जाति व्यवस्था कैसे प्रवेश कर गयी? वैसे मुस्लिम समाज एकरूपता की बात तो करती है लेकिन जाति व्यवस्था वहां भी किसी न किसी रूप में है। यदि भारतीय मुस्लिम समाज की बात करें तो यह व्यवस्था हिन्दुओं की तुलना में थोड़ी कमजोर जरूर है लेकिन वहां भी है। भारत का मुस्लिम समुदाय एकरूपता से कोसों दूर है। इसके भीतर पसमांदा के नाम से जाना जाने वाला एक महत्वपूर्ण वर्ग मौजूद है जो सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों का बुरी तरह सामना कर रहा है। यह ठीक उसी प्रकार, जिस प्रकार हिन्दुओं की पिछड़ी जातियां कर रही है। वर्तमान समय में हिन्दुओं की कुछ पिछड़ी जातियां तो बेहद मजबूत होकर उभरी है. अब अगड़ी कही जाने वाली जातियों को हर मोर्चो पर चुनौती दे रही है लेकिन मुस्लिम समाज में ऐसा देखने को नहीं मिल रहा है। पसमांदा मुद्दे और आज के भारत में इसकी प्रासंगिकता को समझना वास्तविक सामाजिक-धार्मिक समानता प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है। भारत में मुसलमान एक हजार वर्षों से अधिक समय से उपमहाद्वीप के इतिहास का हिस्सा रहे हैं। ऐतिहासिक अभिलेखों से यह स्पष्ट होता है कि भारत में अधिकांश मुसलमान पहले से

मौजूद समुदायों से धर्मांतरित हुए हैं। शेष मुस्लिम समूह, जिनकी उत्पत्ति मध्य एशिया में हुई है, सदियों पहले यहां पहुंचे और अब उपमहाद्वीप के समाज में समाहित हो गए हैं। यद्यपि इस्लाम में परिवर्तित होने से व्यक्ति को एक नए धार्मिक समुदाय और विश्वास प्रणाली तक पहुंच मिली है लेकिन यह किसी की जाति को बदलने में असमर्थ है। रूपांतरण किसी व्यक्ति के व्यवसाय, उनकी संपत्ति या उसकी कमी, उनके पड़ोसियों की उनके बारे में धारणा या उनके सामाजिक पदानुक्रम को नहीं बदल सकता है। जो लोग इस्लाम में परिवर्तित हो जाते हैं उन्हें एक नया धार्मिक ग्रंथ प्राप्त होता है और वे उस ईश्वर में बदलाव देखते हैं जिसकी वे पहले पूजा करते थे। लोगों को इसमें नैतिक आराम मिल सकता है। हालांकि, जिस तरह आपका धर्म या धार्मिक ग्रंथ बदलने से आपकी त्वचा का रंग नहीं बदलेगा, उसी तरह यह किसी व्यक्ति के जाति-आधारित व्यवसाय, कौशल, विरासत, सामाजिक अंतरताना या स्वास्थ्य को भी नहीं बदल सकता है। पसमांदा के खिलाफ सबसे घातक रणनीति में से एक पसमांदा संघर्ष का सांप्रदायिकरण है। सांप्रदायिक भावनाओं को भड़काकर, पसमांदा मुसलमानों द्वारा सामना किए जाने वाले जाति-आधारित भेदभाव और सामाजिक-आर्थिक अभाव के वास्तविक मुद्दों से ध्यान हटा दिया जाता है। यह न केवल हाशिये पर पड़े समुदाय की वास्तविक चुनौती और समस्याओं को कमज़ोर करता है, बल्कि मुस्लिम समुदाय के भीतर भी विभाजन को बढ़ावा देता है। सच्चर समिति रिपोर्ट (2006) और रंगनाथ मिश्रा आयोग रिपोर्ट (2007) सहित अध्ययनों और रिपोर्टों ने पसमांदा मुसलमानों द्वारा सामना की जाने वाली सामाजिक-आर्थिक असमानताओं पर प्रकाश डाला है। इन रिपोर्टों से पता चलता है कि पसमांदा समुदाय उच्च जाति के मुसलमानों (अशरफ) और हिंदुओं के बीच दलित और ओबीसी जैसे अन्य हाशिये पर रहने वाले समुदायों की तुलना में बेहद पिछड़ी हुई है। शिक्षा, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं तक इनकी पहुंच अशरफों की अपेक्षा कम है। इन निष्कर्षों के बावजूद, उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं को संबोधित करने वाली लक्षित नीतियों का अभाव रहा है। बहुसंख्यक होने के बावजूद, पसमांदाओं को ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण राजनीतिक प्रतिनिधित्व का अभाव रहा है। एक मजबूत आवाज की अनुपस्थिति ने उनकी विशिष्ट जरूरतों को पूरा करने और संसाधनों में उनका उचित हिस्सा सुरक्षित करने के प्रयासों में और बाधा उत्पन्न की है। इसके अतिरिक्त, पसमांदा अक्सर व्यापक मुस्लिम पहचान में समाहित हो जाती है, जिससे उनके विशिष्ट अनुभव और आकांक्षाएं अस्पष्ट हो जाती हैं। पसमांदाओं को हाशिए पर धकेलने का भारत के सामाजिक ताने-बाने और लोकतांत्रिक आदर्शों पर व्यापक प्रभाव पड़ता है। भारत में वास्तविक सामाजिक न्याय प्राप्त करने के लिए उनका उत्थान आवश्यक है। मुस्लिम समुदाय का एक बड़ा वर्ग गरीबी में फंसा हुआ है, जिससे देश की समग्र प्रगति में बाधा आ रही है। एक अध्ययन में बताया गया है किं सामाजिक-आर्थिक अभाव और कट्टरपंथ एक-दूसरे का पूरक है। पसमांदाओं को सशक्त बनाने से शिकायतों का फायदा उठाने वाले चरमपंथी आख्यानों का मुकाबला करने में मदद मिल सकती है। अधिक समावेशी मुस्लिम समुदाय भारत की धर्मनिरपेक्ष पहचान को मजबूत करता है। जब एक महत्वपूर्ण वर्ग अपने धर्म के भीतर अपनी जाति पृष्ठभूमि के आधार पर हाशिए पर महसूस करता है, तो यह सभी के लिए समान व्यवहार के धर्मनिरपेक्ष सिद्धांत को कमजोर करता है। पसमांदा मुद्दा सिर्फ एक विशिष्ट समुदाय के उत्थान के बारे में नहीं है, यह भारत के विविध समाज की वास्तविक क्षमता को साकार करने के बारे में है। इस हाशिए पर मौजूद वर्ग को सशक्त बनाकर, भारत एक अधिक समावेशी और न्यायसंगत राष्ट्र का निर्माण कर सकता है। आगे बढ़ने के लिए सरकार, नागरिक समाज संगठनों और स्वयं मुस्लिम समुदाय के सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है। पसमांदा मुद्दे को पहचानना और इसके समाधान की दिशा में काम करना न केवल एक नैतिक अनिवार्यता है, बल्कि एक मजबूत और समृद्ध भारत के निर्माण की दिशा में उठाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण कदम भी है।

> लंबे इतिहास और वर्षों में कई बदलावों के बावजूद, जाति अभी भी हमारी राजनीतिक, धार्मिक और सामाजिक–आर्थिक प्रणालियों में व्यापक रूप से स्वीकृत एक संस्था के रूप में काम कर रही है। भारतीय समाज में जाति को लेकर कई आन्दोलन भी हुए। कहा तो यहां तक जाता है कि भारत की लंबे समय तक गुलामी का कारण भी जाति व्यवस्था रही है। तर्क तो यहां तक दिए जाते हैं कि जाति व्यवस्था की विंगतियों के कारण ही मुस्लिम आक्रांता भारत में अपनी जड़ जमाने में कामयाब हुए।

दृष्टि कोण

आलोचना पर दमनात्मक रवैया ठीक नहीं

सत्तारूढ़ राजनीतिक दलों के नेताओं को आलोचना जरा भी बर्दाश्त नहीं है। मीडिया और सोशल मीडिया पर यदि सत्तारूढ़ दलों के नेताओं के खिलाफ कुछ लिखा या बोला जाता है, तो उन पर सरकारें दमनात्मक कार्रवाई करने पर उतारू हो जाती हैं। राजनीतिक दल चाहे राष्ट्रीय हो या क्षेत्रीय, किसी को आलोचना बर्दाश्त नहीं है। उनका निशाना विपक्ष और मीडिया रहता है। सत्तारूढ़ दलों को आलोचना तभी तक सुहाती है, जब वह विपक्षी दलों की हो। ऐसे में सच्चाई पर पर्दा डालने के लिए राजनीतिक दलों के नेता सरकारी मशीनरी का इस्तेमाल करने में कसर बाकी नहीं रखते। एक फिल्म साबरमती रिपोर्ट को लेकर भाजपा और केंद्र सरकार के मंत्री गदगद नजर आ रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ बीबीसी ने जब गोधरा कांड के बाद गुजरात में हुए दंगों को लेकर एक डॉक्यूमेंट्री बनाई तो न सिर्फ उसे प्रतिबंधित कर दिया गया, बल्कि आयकर विभाग ने बीबीसी पर छापे की कार्रवाई की। विक्रांत मैसी की 'दि साबरमती रिपोर्ट' को हरियाणा, छत्तीसगढ़ के साथ ही अब मध्य प्रदेश में भी टैक्स फ्री कर दिया गया है। इन तीनों राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह की तारीफ के बाद राजनीतिक महकमों में भी इसकी चर्चा बढ़ गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा फिल्म को देखने के बाद इसकी सराहना की गई। विक्रांत मैसी की फिल्म दि साबरमती रिपोर्ट की केंद्रीय भूमिका वाली यह फिल्म 27 फरवरी, 2002 के गोधरा ट्रेन अग्निकांड पर आधारित है। गोधरा स्टेशन के पास खड़ी साबरमती एक्सप्रेस की बोगी नंबर एस-6 में आग लगा दी गई थी। अयोध्या से लौट रहे 59 हिंदू कारसेवक जिंदा जल गए थे। मरने वालों में 27 महिलाएं और 10 बच्चे भी शामिल थे। उसके बाद पूरे गुजरात में जो दंगा भडक़ा, वह आजाद भारत के सबसे भयावह दंगों में से एक था। मोदी उस समय गुजरात के मुख्यमंत्री थे। अब दि साबरमती रिपोर्ट के जरिए बड़े पर्दे पर गोधरा कांड का खौफनाक मंजर दिखा है। पीएम मोदी के अलावा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत तमाम मंत्रियों और बीजेपी नेताओं ने दि साबरमती रिपोर्ट की प्रशंसा की है। गोधरा में ट्रेन जलाए जाने की भयानक घटना का परिणाम पूरे राज्य में हिंसक दंगों की शक्ल में सामने आया। पूरा गुजरात जल उठा था। केंद्र सरकार ने 2005 में राज्यसभा को बताया था कि दंगों में 254 हिंदुओं और 790 मुसलमानों की जान गई थी। कुल 223 लोग लापता बताए गए थे। हजारों लोग बेघर भी हो गए थे। तत्कालीन मोदी सरकार ने एक जांच आयोग का गठन किया था। उस आयोग में जस्टिस जीटी नानावटी और जस्टिस केजी शाह शामिल थे। आयोग ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि मारे गए 59 लोगों में से अधिकतर कारसेवक थे। कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने जस्टिस यूसी बनर्जी की अध्यक्षता में एक अलग जांच आयोग का गठन किया। इस आयोग ने मार्च 2006 में सौंपी अपनी रिपोर्ट में इस घटना को एक दुर्घटना बताया। सुप्रीम कोर्ट ने रिपोर्ट को असंवैधानिक और अमान्य करार देते हुए खारिज कर दिया। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने एक विशेष जांच दल का गठन किया। गोधरा कांड और उसके बाद भडक़े दंगों ने भारत की राजनीति को हमेशा-हमेशा के लिए बदल दिया। इस मामले में अदालती कार्रवाई जून 2009 से, घटना के आठ साल बाद शुरू हुई। स्पेशल एसआईटी कोर्ट ने 1 मार्च, 2011 को 31 लोगों को दोषी ठहराया, जिनमें से 11 को मौत की सजा और 20 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। अदालत ने इस मामले में 63 लोगों को बरी भी किया। एसआईटी कोर्ट ने उन आरोपों से सहमति जताई कि यह अनियोजित भीड़ द्वारा की गई घटना नहीं थी, बल्कि इसमें साजिश शामिल थी। 31 दोषियों को भारतीय दंड संहिता की आपराधिक साजिश, हत्या और हत्या के प्रयास से संबंधित धाराओं के तहत दोषी ठहराया गया था। गुजरात सरकार ने बाद में आरोपियों को बरी किए जाने पर सवाल उठाए।

कुछ अलग

छिलकों की छाबड़ी

सभागार ठसाठस भरा हुआ था। तिल धरने को जगह नहीं थी। स्टूडेंट ही स्टूडेंट थे। पुलिस ही पुलिस थी। जितने स्टूडेंट थे उतनी ही पुलिस थी। नेताजी को और क्या चाहिए? भीड़ भी और सुरक्षा भी। जैसे अंधे को चाहिए होती है दो आंखें। नेताजी मुख्य अतिथि थे। उन्हें नैतिकता पर भाषण देना था। स्टूडेंट्स ने यह विषय चुना था और उन्हें इस विषय पर विशेषज्ञ वक्ता की तलाश थी जो नेताजी तक जाकर पूरी हुई। क्योंकि ऐसा माना जाता है कि नेताजी का संबोधन नैतिकता का सागर होता है। इस सागर में डुबकी लगाते ही अनैतिकता छूमंत्र हो जाती है और नैतिकता लहरों में तैरने लगती है। नेताजी सफेद झकाझक कुर्ता-पजामा डालकर आए थे। चेहरे पर आत्मविश्वास का तेज। हाथ में माइक और दिल में जनता को नैतिकता का असली पाठ पढ़ाने की ललक। नेताजी ने अपने भाषण का श्रीगणेश किया, 'नैतिकता हमारी असली पूंजी है। जो इसके बिना जीवन जीता है, वो जीवन नहीं, एक अधूरा सपना जीता है।' थोड़ा सा गला खंगार कर नेताजी फिर अपने चिरपरिचित अंदाज में बोले, 'मेरे प्यारे विद्यार्थियो और सुरक्षा कर्मियो, मैं यहां नैतिकता के लिए खड़ा हूं!' सभागार में तालियां गूंजती रही और नेताजी मौका पाकर अपने कुर्ते की जेब में रखी चेकबुक को थपथपाते रहे। नेताजी ने आगे कहा, 'नैतिकता वह गुण है जो हमें इनसान बनाता है।' इतना कहते ही उनकी यादों में वो हर मीटिंग घूम गई, जहां उन्होंने नैतिकता का नाम लेते हुए कई बार योजनाओं को 'संशोधित' करवाया था। नेताजी ने सिर को झटका दिया और अपने मनोभावों को छिपा लिया। ऐसा करने में उन्हें महारत हासिल है। फिर दार्शनिक अंदाज में नेताजी बोले, 'नैतिकता अब लुप्त होती जा रही है और यह हमारे लिए चिंता का विषय है। मुझे मेरे एक कैबिनेट सहयोगी बता रहे थे कि जंगलों से अब बाघ लुप्त होने लगे हैं। पहाड़ों से ग्लेशियर लुप्त होने लगे हैं। कई अपराधी भी बड़ा अपराध करके लुप्त होने लगे हैं। इस तरह नैतिकता भी अब लुप्त हो रही है और इस बारे हमें बड़ी गंभीरता से सोचना होगा। हम कैबिनेट में भी इस पर मंथन करेंगे। अभी तक तो हम आर्थिक स्थिति पर ही मंथन कर रहे हैं, क्योंकि पिछली सरकार खजाना खाली छोड़ कर गई थी और हमने भी सत्ता पाने के लिए बहुत सारे वायदे किए थे। नैतिकता के नाते राजनीति में यह वायदे करने पड़ते हैं। लेकिन खाली खजाना और विपक्ष का सहयोग हमें वायदे पूरे नहीं करने दे रहा। इससे नैतिकता भी खतरे में आ रही है। अगली कैबिनेट में हम नैतिकता को लेकर एक बड़ा कानून बनाएंगे। फिर मंत्रिमंडल की एक सब कमेटी बनाएंगे जो नैतिकता के बारे में समय-समय पर अपनी राय सरकार को देती रहेगी। नैतिकता को लुप्त होने से बचाने के लिए सरकार कारगर कदम उठाएगी। बेरोजगारों को नौकरी बाद में भी दी जा सकती है। पहले नैतिकता को बचाना जरूरी है और इस सबके लिए स्टूडेंट्स का सहयोग बहुत जरूरी है। कर्मचारियों को तनख्वाह किसी भी तारीख को दी जा सकती है। जरूरी नहीं कि पहली तारीख को ही दी जाए। पांच दस दिन आगे-पीछे भी हो सकते हैं। इसके लिए कर्मचारियों का सहयोग भी बहुत जरूरी है। पिछले 5 सालों में हमारे परिवार की संपत्ति कई गुणा कैसे बढ़ गई, यह सवाल एक पत्रकार मुझसे पूछ रहे थे। मैं ऐसे सवालों का जवाब देना चाहता तो दे सकता था, लेकिन मैंने जवाब देना मुनासिब नहीं समझा, क्योंकि अभी हमारा फोकस सिर्फ नैतिकता पर है।'

देश दुनिया से

प्रदेश में सडकों का सुधार एवं विस्तार

हिमाचल प्रदेश एक पहाड़ी राज्य है, जहां सडक़ें ही परिवहन का प्रमुख माध्यम हैं। सडक़ें न केवल यातायात के लिए आवश्यक हैं, बल्कि राज्य की आर्थिक प्रगति में भी अहम भूमिका निभाती हैं। जलमार्ग और रेलवे जैसी सुविधाओं के अभाव में, सडक़ें हिमाचल के सामाजिक और आर्थिक ढांचे की रीढ़ के समान हैं। इन सडक़ों पर भारी वाहनों के साथ-साथ निजी वाहन भी चलते हैं और इनकी संख्या लगातार बढ़ रही है। इस बढ़ते यातायात के कारण, विशेषकर शहरों और कस्बों के पास, ट्रैफिक जाम और यातायात बाधित होने की समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय राजमार्गों पर निर्माण कार्यों के चलते संपर्क सडक़ों की स्थिति खराब हो रही है। अतः इन सडक़ों की समय पर मरम्मत और उचित रखरखाव पर विशेष ध्यान देना जरूरी है। इन कार्यों को प्रभावी रूप से अंजाम देने के लिए मजदूरों और तकनीकी कर्मचारियों की पर्याप्त संख्या सुनिश्चित करनी चाहिए। सडक़ सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, सडक़ पर चिह्न (सडक़ चिन्ह) और सुरक्षा उपायों को लागू करना आवश्यक है। दुर्घटनाओं को कम करने के लिए दुर्घटनाग्रस्त स्थानों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। नई सडक़ों के निर्माण में भारी वाहनों की आवाजाही, जलवायु परिवर्तन और भौगोलिक परिस्थितियों का ध्यान रखना भी बेहद जरूरी है। वर्ष 2022-23 और 2023-24 के दौरान, भारत सरकार ने हिमाचल प्रदेश के सडक़ नेटवर्क के सुधार के लिए लगभग तीन हजार किलोमीटर सडक़ों के उन्नयन हेतु पर्याप्त धनराशि स्वीकृत की है। इससे राज्य को कई लाभ होंगे। इसके कार्यान्वयन में ठेकेदारों को उच्च गुणवत्ता और निर्धारित मानकों का पालन करना चाहिए। इसके अलावा कुछ स्थानीय मजदूरों और तकनीकी विशेषज्ञों को भी इन कार्यों में शामिल करना आवश्यक है ताकि निर्माण कार्य की गुणवत्ता में सुधार हो सके। अभी हाल ही में केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री ग्राम सडक़ योजना (पीएमजीएसवाई) के चौथे चरण के तहत हिमाचल प्रदेश में 3500 किलोमीटर नई सडक़ें बनाने की मंजूरी दी है। इन नई सडक़ों के निर्माण से प्रदेश के लगभग 300 गांव सडक़ सुविधा से जुड़ सकेंगे। 2011 की जनगणना के अनुसार, 100 से 300 की आबादी वाले गांवों को इस योजना के तहत सडक़ों की सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही, केंद्र सरकार ने पीएमजीएसवाई के पहले चरण में बनीं 800 किलोमीटर सडक़ों को पक्का करने की भी मंजूरी दी है। पीएमजीएसवाई के चौथे चरण को लेकर ग्रामीण विकास मंत्रालय की बैठक में प्रदेश को यह सौगात मिली है। लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने बताया कि विभाग के अधिकारी ग्रामीण विकास मंत्रालय के संपर्क में थे। केंद्र सरकार से मंजूरी मिलने के बाद अब प्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों जैसे पांगी, भरमौर, लाहुल-स्पीति और किन्नौर में उन कच्ची सडक़ों को पक्का करने का काम भी बड़े पैमाने पर शुरू किया जाएगा, जोकि प्रदेश के विकास में एक नई गाथा लिखने का काम करेगा। हिमाचल प्रदेश में लगभग 2000 किलोमीटर लंबा राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क है, जिस पर भारी यातायात है। इसलिए संबंधित संस्थाओं को इन सडक़ों के रखरखाव और मरम्मत के लिए अधिक प्रयास करने की आवश्यकता है। प्रदेश में हर साल लगभग 15000 टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न होता है, जो पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा है। यदि इस कचरे को सडक़ों के निर्माण में इस्तेमाल होने वाले तारकोल में मिश्रित किया जाए, तो इससे सडक़ों की गुणवत्ता में सुधार होगा, खर्च कम होगा और पर्यावरण पर भी सकारात्मक असर पड़ेगा। इसके अलावा, सडक़ों के निर्माण या मरम्मत के लिए बजट में उचित राशि आवंटित करनी चाहिए। हर साल कुछ सडक़ों का भूमि पूजन होता है, लेकिन लंबे समय तक काम शुरू नहीं होता, जिससे जनता में असंतोष उत्पन्न होता है। अनुमान के अनुसार, सरकार को एकमुश्त बजट आवंटन करना चाहिए जिससे समय पर कार्य पूरा हो सके। शिमला-मटौर फोरलेन (रानीताल से चील बहल) का उन्नयन कार्य एनएचएआई द्वारा किया जा रहा है। हालांकि इस परियोजना का कुछ हिस्सा पहले ही खोदा जा चुका है और निर्माण कार्य अभी कुछ हिस्सों में चल रहा है, जिससे लोगों को धूल-मिट्टी और अन्य असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। संबंधित संस्था को इस कार्य को निर्धारित मानकों, चरणबद्ध और समयबद्ध तरीके से पूरा करना चाहिए। गुम्मर, देहरियां, पड़ोली-कोहला और बस्दी कोहाला जैसे स्थानों पर सडक़ों की सतह नीचे चली गई है जिससे स्थानीय रास्तों और संपर्क सडक़ों को नुकसान हो रहा है। दुकानदारों और स्थानीय निवासियों को असुविधा हो रही है। अतः संबंधित विभाग को इन समस्याओं के समाधान के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है ताकि स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े। अंततः, हिमाचल प्रदेश में सडक़ों के सुधार और विस्तार के लिए सरकार और जनता के सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। अधिक से अधिक जनसहयोग और उचित बजट आवंटन से ही प्रदेश में सडक़ नेटवर्क को बेहतर और सुरक्षित बनाया जा सकता है। सडक़ें न केवल राज्य के विकास की धारा को तेज करती हैं, बल्कि नागरिकों की जीवनशैली और आर्थिक गतिविधियों में भी सुधार लाती हैं। अच्छी सडक़ें रोजगार के अवसर उत्पन्न करती हैं, व्यापार को बढ़ावा देती हैं और पर्यटन को भी आकर्षित करती हैं, जिससे राज्य की समृद्धि में योगदान होता है। इसके अलावा, इन सडक़ों के माध्यम से आपातकालीन सेवाओं और स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच आसान हो जाती है, जो कि ग्रामीण और दूरदराज इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस प्रकार, सडक़ों का विकास सिर्फ एक बुनियादी ढांचे का सुधार नहीं, बल्कि समाज और अर्थव्यवस्था के समग्र विकास के लिए एक अहम कदम है। सडक़ें प्रदेश के विकास के लिए एक तरह से नाडियों का काम करती हैं। अगर सडक़ नेटवर्क बढिया होगा, तो विकास गतिविधियों को तेजी से चलाया जा सकता है। सडक़ों के माध्यम से विकास की गाड़ी सरपट दौड़ती है, यह एक सर्वमान्य तथ्य है। अतः सडक़ों का उद्धार होना चाहिए।

आप का नजरिया

सरकारी होटलों में सुराख

घोषणाओं के लबादे उतर गए, जहां तेरे जश्न की तैयारी थी'। माननीय अदालत के एक फैसले ने हिमाचल के पर्यटन कारोबार में सरकारी होटलों की नालायकी और व्यवस्था की पोल खोल दी है। कतार में अठारह होटलों की हस्ती पर उठे सवाल एक बड़े शून्य की तरफ इशारा कर रहे हैं। यह दीगर है कि बाद में सरकार की विनती पर अदालत ने नौ होटलों को 31 मार्च तक खुला रखने की इजाजत दे दी है। इस तरह आने और जाने वाले साल के जश्न में होटल चायल, चंद्रभागा, मेघदूत, लॉग हट्स, कुंजुम, भागसू, धौलाधार, कैसल नग्गर और खज्जियार आदि अपने भाग्य को संवार सकते हैं। विडंबना यह कि जो प्रदेश अपनी आर्थिक तस्वीर को पर्यटन के सहारे सशक्त करना चाहता है, उसका मुलम्मा अपनी मौजूदा अधोसंरचना में उतर रहा है। चोट कहीं गहरी खाई है, मगर उफ यह नहीं कि हम सीखे। जहां प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों पर ही निगम के होटल गोता खा रहे हों, वहां खर्च की तौहीन में नए परिसर किस तर्क पर खड़े हो रहे हैं। अदालत के समक्ष मुजरिम सिर्फ 18 पर्यटक इकाइयां नहीं, बल्कि सरकारी कामकाज का ढर्रा है, जो वर्षों से अपने ही चिरागों से ईंधन चुरा रहा है। उदाहरण के लिए धर्मशाला के क्रिकेट स्टेडियम ने ही अकेले आधा दर्जन पंच सितारा होटलों का निर्माण करवा दिया है, जबकि राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग के स्तर पर निजी क्षेत्र दिन-रात अपने हाव-भाव बदल रहा है। ऐसे में अगर धर्मशाला की कुल पांच पर्यटन इकाइयों में चार निकम्मी निकल आईं, तो इस कसूर की लागत में सारी संभावनाएं ही तहस-नहस हो गईं। धौलाधार होटल के परिसर में बैंक्वेट हॉल का निर्माण पूरे नजारों और मेहमानों के आकर्षण को ही खा गया। बैंक्वेट हाल चला नहीं, बल्कि इसके कारण होटल को भी बिकने की नौबत आ गई। खज्जियार, डलहौजी, शिमला, धर्मशाला, मकलोडगंज या मनाली के सरकारी होटल अपंग हो जाएं, तो क्या कल नादौन या बिलासपुर में निर्माणाधीन इकाइयां अपने उद्देश्य को सफल बना पाएंगी। दरअसल सरकारी होटल अपनी औकात से अधिक और फर्ज से कम होते जा रहे हैं। ये मेहमान की मजबूरी में अपनी उदासीनता छिपाना चाहते हैं। जाहिर तौर पर अदालत के एक फैसले ने सरकारी होटलों के नैन नक्श की सही-सही कानूनी तस्वीर दिखा दी है। इनकी लाचारी, सियासत के संदर्भों की मोटी गर्दन है जो अपनी बोरी में अनावश्यक फायदे भरती रही है। आश्चर्य यह कि पर्यटन राज्य की कसौटी में कदमों की तौहीन का एक पक्ष सरकारी होटल बन रहे हैं। भले ही अठारह होटलों पर गिरी गाज से नौ कुछ देर के लिए बच गए, लेकिन तफ्तीश के पैमानों पर इनकी हकीकत में कई सुराख हैं। ये सुराख बताते हैं कि प्रदेश की वित्तीय जवाबदेही को किस कद्र नजरअंदाज किया गया। वित्तीय प्रबंधन का कचूमर नहीं निकला, बल्कि सियासी चरागाहों ने सार्वजनिक क्षेत्रों को इस हद तक लूटा है कि अब सरकार की करामात औंधे मुंह गिर रही है, फिर भी अपेक्षाओं के समुद्र में नई किश्तियां डाली जा रही हैं। हम पहले भी लिख चुके हैं कि प्रदेश को पर्यटन एवं परिवहन क्षेत्र को चमकाना है, तो निजी क्षेत्र के संचालकों के साथ मिलकर योजनाओं-परियोजनाओं पर विचार करे। पर्यटन की मद में आया धन अगर सैलानियों को बेहतर सुविधाएं दे, तो इसके परिणामस्वरूप उद्योग का भला होगा।

एयर इंडिया ने पूर्वोत्तर से अपनी उड़ानें बढ़ाईं, पिछली सर्दियों की तुलना में 20 अधिक

गुवाहाटी,24 नवंबर (एजेंसियां) ।

एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस ने अपने शीतकालीन कार्यक्रम के तहत पूर्वोत्तर के तीन प्रमुख गंतव्यों- गुवाहाटी, अगरतला और इंफाल से उड़ानें बढ़ाने की घोषणा की है।

एयरलाइन के द्वारा की गई इस घोषणा से यात्रियों की सुविधा में सुधार की उम्मीद है। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने गुवाहाटी से अपने परिचालन को पिछली सर्दियों के 63 से बढ़ाकर 106 साप्ताहिक उड़ानें कर दिया है। यह दिल्ली, हैदराबाद, चेन्नई, बेंगलुरु, इंफाल, जयपुर और कोलकाता के गंतव्यों के लिए सीधा संपर्क प्रदान करने में मदद करेगा। एयरलाइन ने गुवाहाटी से 18 घरेलू गंतव्यों और छह अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए वन-स्टॉप संपर्क भी प्रदान करने का ऐलान किया है। एयरलाइन ने इंफाल में भी उड़ानों की संख्या को बढ़ाकर यात्रा के लिए नई सुविधाएं पेश की हैं। एक एयरलाइन के अधिकारी ने इस सुधार के महत्व को बढ़ाते हुए कहा कि हमारे बेड़े में अब 90 से अधिक विमान हैं और यह तेजी से बढ़ रहा है। हम उभरते भारतीय शहरों की उभरती जरूरतों का समर्थन करने के लिए अच्छी स्थिति में हैं। इस विस्तार योजना से पूर्वोत्तर के लोगों के लिए सस्ती सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ अन्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों को भी फायदा होगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

वहश के देश में...

ओमान से गीता को भी नवंबर 2024 में ओमान से भारत लाया गया था। घर की खराब आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए गीता एजेंटों के चक्कर में आ गईं। उनको ओमान भेज दिया गया था। ओमान में गीता को बंधक बना लिया गया। यहां गीता की कई बार पिटाई हुई। उनसे लगातर काम करवाया जाता था। गीता को ठीक से खाना-पीना भी नहीं मिलता था।

बताया जॉर्डन, भेज दिया सीरिया : पंजाब के मोगा की रहने वाली एक 32 वर्षीया महिला को जॉर्डन में नौकरी का झांसा दे कर एजेंटों ने सीरिया भिजवा दिया था। महिला को टूरिस्ट वीजा पर भेजा गया था। एजेंटों ने महिला को अच्छा खाना और बढ़िया सैलरी का झूठा वादा किया था। पीड़िता ने बताया कि एक बहुत बड़े परिवार के लिए उनसे सुबह 4 बजे से रात 12 बजे तक उनसे काम करवाया जाता था। महज एक समय खाना दिया जाता था। जब महिला ने एजेंट से अपनी वापसी की गुहार लगाई तो उस से 2 लाख रुपए की डिमांड की गई।

2021 में दुबई से वापस आई थीं 8 लड़कियां : जनवरी 2021 में दुबई में फंसी 8 लड़कियों को भारत लाया गया था। ये लड़कियां पंजाब के अलग-अलग हिस्सों की हैं। इन सभी को अच्छी सैलरी का लालच दे कर एजेंट अपने साथ खाड़ी देश ले गए थे। बाद में सभी को मारा-पीटा जाने लगा। ये सभी लड़कियां हिंदू और सिख धर्म से हैं जो कि नवांशहर, जालंधर, अमृतसर, लुधियाना, होशियारपुर, कपूरथला और मुक्तसर साहिब की रहने वाली हैं। वापसी के बाद इन लड़कियों ने बताया था कि वहां अभी भी भारत के तमाम प्रदेशों की 200 लड़कियां फंसी हुई हैं।

शेख ने कराया काम और किया शारीरिक शोषण : अक्टूबर 2022 में पंजाब के मुक्तसर साहिब की एक महिला के ओमान में फंसे होने की जानकारी मिली थी। तब महिला ने अपना वीडियो बना कर खुद को वहां से निकालने की गुहार लगाई थी। 31 वर्षीया इस महिला का आरोप था कि उसे एक शेख के घर काम पर रखा गया है। शेख दिन-रात न सिर्फ जानवरों की तरह उस से काम करवाता था बल्कि अक्सर महिला का यौन शोषण भी करता था।

रात में मालिश का दबाव : जालंधर निवासिनी 35 वर्षीया महिला ने सांसद संत बलवीर सिंह से आपबीती बताई। उसे एक एजेंट ने ओमान के मस्कट भेज दिया था। इस पीड़िता को श्रीलंका और नेपाल सहित कई अन्य देशों की लड़कियों के साथ एक कमरे में बंद कर दिया गया था। यहां से पीड़िता को एक परिवार में भेजा गया जिसमें 50 से अधिक सदस्य थे। ये परिवार ऊंट तक खाता था। यही खाना पीड़िता को भी खाने का दबाव बनाया जाता था। हालांकि महिला इससे इंकार कर देती थी और चावल के साथ नमक खा कर गुजारा कर रही थी। महिला को हरदम सीसीटीवी की निगरानी में रखा जाता था। जब पीड़िता ने यहां काम करने से मना कर दिया तब उसे एजेंट ने अपने ऑफिस में बंधक बना लिया। इस ऑफिस के बॉस ने पीड़िता सहित अन्य लड़कियों पर रात में अपनी मालिश करने का दबाव बनाया। जब पीड़िता ने ऑफिस की एक अन्य महिला स्टाफ से मदद मांगी तो उसे मालिश करवाने वाले व्यक्ति से निकाह करने की नसीहत दी गई।

ये कुछ उदाहरण महज एक ट्रेलर भर है। पूरी फिल्म भीषण त्रासदी से भरी पड़ी है। ऐसी तमाम पीड़िताएं भी हैं जो अभी खाड़ी देशों में प्रताड़ना झेल रहीं हैं। मानव तस्करी की तरह संचालित इस नेटवर्क को चलाने वाले एजेंट खासतौर पर गरीब महिलाओं को अपना टारगेट बनाते हैं। इनके निशाने पर कक्षा 10 और 12 पास महिलाएं ज्यादातर होती हैं। गरीब और अनपढ़ महिलाओं की तलाश में दलालों का नेटवर्क ग्रामीण इलाकों में ज्यादा सक्रिय रहता है। ये लोग न सिर्फ जरूरतमंद महिलाओं बल्कि कैरियर बनाने की इच्छा रखने वाली लड़कियों को भी विदेश में अच्छी नौकरी और वेतन के साथ लक्जरी लाइफ के सपने दिखाते हैं।पंजाब पुलिस के एनआरआई विंग के एडीजी प्रवीण कुमार बताते हैं कि एजेंटों के चक्कर में आने के बाद महिलाओं के विदेश जाने की जानकारी उन तक नहीं पहुंच पाती। इसी वजह से पुलिस यह तस्दीक नहीं कर पाती कि एजेंट जिस महिला से जो वादा कर के विदेश भेज रहे हैं वो सही है या महज झांसा। हालांकि जब इन महिलाओं के विदेश में किसी दिक्कत में फंस जाने की सूचना पुलिस को मिलती है, तो नियमानुसार कार्रवाई की जाती है।गांव और शहरों में फैले एजेंट जब किसी महिला को अच्छी नौकरी व बेहतर जिंदगी का भरोसा दे कर अपने झांसे में ले लेते हैं, तब उनसे उगाही का दौर शुरू हो जाता है। शुरुआती तौर पर पासपोर्ट, वीजा, हवाई जहाज का खर्च आदि बता कर इस महिलाओं से 60 से 70 हजार रुपए ऐंठ लिए जाते हैं। पहले से गरीब महिलाएं ये पैसे अक्सर अपनी जमीन और गहने आदि बेच कर भरती हैं। उन्हें यह उम्मीद होती है कि विदेश में मिलने वाले अच्छे पैसों से वो जल्द ही अपना कर्ज उतार लेंगी।सांसद बलवीर सिंह सींचेवाल के मुताबिक जिन कागजी प्रक्रियाओं की लगत अधिकतम 5 हजार है उसे ये एजेंट 60 से 70 हजार रुपए का बता कर कई गुना ज्यादा पैसे ऐंठ रहे हैं। अब तक पीड़िताओं के बयानों के आधार पर पता चला है कि एजेंट उन्हें शॉपिंग मॉल, ब्यूटी पॉर्लर और ऑफिसों में काम दिलाने का झांसा देते हैं। घरेलू काम भी कई बार बहुत बड़े घरानों के लिए बताया जाता है।पंजाब के अलग-अलग शहरों और गांवों के तमाम लोग विदेशों में बसे हुए हैं। इसमें से अधिकतर कनाडा में शिफ्ट हुए हैं। कई ने विदेशों में अपने कारोबार आदि जमा लिए हैं। इस से उनके पूरे परिवार की जीवन शैली में काफी बदलाव आया है। यह बदलाव महंगी गाड़ियों, ऊंची कोठियों आदि के तौर पर दिखाई देता है। यही बदलाव बाकी लोगों को भी विदेश में जा कर पैसे कमाने की दिशा में आगे बढ़ा देता है। एक अनुमान के मुताबिक खाड़ी देशों में फंसी 10 में से महज 3 महिलाएं ही सही सलामत अपने घरों को वापस लौट पाती हैं।

जालंधर में तैनात एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि उन्हीं लड़कियों की सूचना पुलिस तक आ पाती है जो दूतावास से सम्पर्क करती हैं। दूतावास इन मामलों को आधिकारिक तौर पर भारत में भेजता है जिसके बाद स्थानीय प्रशासन सक्रिय होता है। यहां ध्यान रखने योग्य बात यह है कि जागरूकता की कमी और कई अन्य कारणों से दूसरे देशों में फंसी लड़कियां दूतावास तक अपनी शिकायत नहीं पहुंचा पाती हैं। उनकी मदद में विलम्ब इसी वजह से होता है। पंजाब पुलिस के पास कोई ऐसा डाटा नहीं है जो विदेश में फंसी लड़कियों के सटीक आंकड़े दे सके। हालांकि विदेश में फंसे लोगों के लिए भारत सरकार ने आधिकारिक ई मेल भी जारी किया है। विदेश में इस तरह की किसी भी मुसीबत में फंसे व्यक्ति के बारे में मेल कर के मदद मांगी जा सकती है। इसके अलावा टोल फ्री नंबर पर भी कॉल कर के सहायता मांगी जा सकती है। पंजाब सरकार में महिला एवं बाल विकास मंत्री बलजीत कौर ने मानव तस्करी के बढ़ते इन मामलों का संज्ञान लिया है। उन्होंने कहा है विदेश में फँसी उन लड़कियों की जानकारी जुटाई जा रही है जो पंजाब से गई हैं। बलजीत कौर ने बताया कि सरकार युवाओं को जागरूक करने के साथ इस मामले में जल्द ही नई पॉलिसी लाने जा रही है। उन परिजनों से भी सम्पर्क करने का प्रयास किया जा रहा है जिनके घर की महिलाएं विदेश में हैं।

एक आंकड़े के अनुसार पिछले 2 वर्षों में खाड़ी देशों से लगभग 104 महिलाएं पंजाब वापस लौटी हैं। इसमें सबसे अधिक संख्या जालंधर से है। यहां से 23 महिलाएं वापस लौट कर आई हैं। दूसरे और तीसरे नंबर पर कपूरथला और फिरोजपुर है। यहां से क्रमशः 19 और 14 महिलाएं लौट कर स्वदेश आई हैं। पंजाब के ही तरनतारन से 10 और मोगा से 8 महिलाएं वापस लौटी हैं। लुधियाना, अमृतसर, गुरदासपुर और बरनाला से 2-2 महिलाएं खाड़ी देशों से पंजाब वापस आई हैं। इसी के साथ धरमकोट, फरीदकोट, रूपनगर, फजिल्का, नवाँशहर और मुक्तसर साहिब से एक-एक महिला वापस लौट कर पंजाब आई है। इन तमाम महिलाओं को सीरिया, ईराक, ओमान और दुबई आदि जगहों पर भेजी गईं थीं। इन सभी ने कहीं न कही खुद को प्रताड़ना का शिकार बताया। इन महिलाओं ने अभी खाड़ी देशों में कई अन्य लड़कियों के फँसे होने का दावा किया है।

वक्फ संशोधन बिल...

लेकिन महाराष्ट्र चुनाव में जीत के बाद यकीनन सत्ताधारी भाजपा का आत्मविश्वास जरूर बढ़ा होगा।

सर्वदलीय बैठक का आयोजन संसदीय मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया। इस बैठक में कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, डीएमके, शिवसेना, बीजद और अन्य पार्टियों के नेता शामिल हुए। शीतकालीन सत्र सोमवार यानी 25 नवंबर से शुरू होकर 20 दिसंबर तक चलेगा। इस सत्र के दौरान विपक्ष सरकार को वक्फ संशोधन विधेयक, मणिपुर हिंसा के मुद्दे पर घेरने की कोशिश करेगा। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने गौतम अडाणी मामले पर संसद की संयुक्त समिति (जेपीसी) जांच की मांग की है। कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने बैठक के बाद कहा कि उनकी पार्टी ने सरकार से सत्र में अडाणी रिश्वत कांड पर चर्चा की अनुमति देने का आग्रह किया।

शीतकालीन सत्र के शुरुआती हफ्ते के अंत में वक्फ संशोधन विधेयक पर चर्चा के लिए बनी जेपीसी अपनी रिपोर्ट पेश कर सकती है। हालांकि जेपीसी में शामिल विपक्षी सांसद रिपोर्ट जमा करने के लिए और समय देने की मांग कर रहे हैं। बैठक में 26 नवंबर को संविधान सदन के सेंट्रल हॉल में संविधान अपनाने की 75वीं वर्षगांठ के कार्यक्रम पर भी चर्चा हुई। सरकार ने सत्र में विचार के लिए वक्फ संशोधन विधेयक सहित 16 विधेयक सूचीबद्ध किए हैं। शीतकालीन सत्र के दौरान सरकार पंजाब कोर्ट्स संशोधन विधेयक, मर्चेंट शिपिंग विधेयक, तटीय शिपिंग विधेयक और भारतीय बंदरगाह विधेयक पेश किए जा सकते हैं। इनके अलावा भारतीय वायुयान विधेयक, जो लोकसभा से पारित हो चुका है, वह राज्यसभा में लंबित है। लोकसभा बुलेटिन के अनुसार, लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक और मुसलमान वक्फ विधेयक समेत आठ विधेयक लंबित हैं। साथ ही राज्यसभा में दो विधेयक लंबित हैं। एक देश एक चुनाव विधेयक इस संसद सत्र में पेश करने की उम्मीद कम ही है।

बैठक के बाद संसदीय मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि बैठक में 30 राजनीतिक दलों के कुल 42 नेता मौजूद थे। सभी ने कुछ विषयों पर चर्चा के लिए कहा है लेकिन हम चाहते हैं कि लोकसभा और राज्यसभा में अच्छी चर्चा हो। सरकार किसी भी विषय पर चर्चा के लिए तैयार है। हमारा बस इतना अनुरोध है कि सदन अच्छे से चले और हंगामा न हो। शीतकालीन सत्र को अच्छे से चलाने के लिए सभी का सहयोग चाहिए और सभी की भागीदारी जरूरी है।

हिंसा, पथराव...

सर्वे पूरा होने के बाद टीम वहां से निकल गई। इस मामले की अगली सुनवाई 29 नवंबर को होनी है, जिसमें सर्वेक्षण की प्रारंभिक रिपोर्ट कोर्ट में पेश की जाएगी। जामा मस्जिद को लेकर हिंदू पक्ष ने दावा किया था कि यह हरिहर मंदिर है, जिसके बाद मामले ने तूल पकड़ लिया। जिला अदालत ने इस दावे के आधार पर मस्जिद का सर्वेक्षण कराने का आदेश दिया था। मस्जिद कमेटी ने सर्वे की अनुमति दी, और 19 नवंबर को पहला सर्वे हुआ था। अब रविवार को दूसरा सर्वे चल रहा था, और इसे अदालत के आदेश के तहत 29 नवंबर तक रिपोर्ट पेश करने की जिम्मेदारी दी गई है।बृहस्पतिवार को मोहल्ला बरेली सराय निवासी बिलाल ने सोशल मीडिया पर जुमे की नमाज में अधिक से अधिक लोग जुटने की अपील की थी, जिसे कुछ ही देर बाद हटा लिया गया, लेकिन तब तक यह पोस्ट वायरल हो चुकी थी। इस पोस्ट के बाद से ही पुलिस प्रशासन ने इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी थी। मस्जिद क्षेत्र में पीएसी और आरआरएफ की कंपनियों के साथ भारी पुलिस बल तैनात किया गया। मस्जिद जाने वाले दो प्रमुख रास्तों को बांस-बल्ली लगाकर बंद कर दिया गया। घटना के बाद प्रशासन ने ड्रोन से निगरानी बढ़ा दी है और जामा मस्जिद के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को दुरुस्त करवाया गया है। एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने कहा कि सोशल मीडिया पर कड़ी नजर रखी जा रही है और अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने भी शांति बनाए रखने की अपील की है और कहा कि किसी भी स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन पूरी तरह तैयार है। सर्वे के दौरान अचानक बवाल मचने के बाद स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन पूरे इलाके में ड्रोन और पुलिस बल के माध्यम से गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। प्रशासन ने कहा है कि 29 नवंबर तक सर्वे रिपोर्ट पेश की जाएगी, और अदालत के आदेश के अनुसार इस मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संभल में जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा पर प्रतिक्रिया देते हुए आचार्य प्रमोद कृष्णम ने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि उपचुनाव में हार के बाद समाजवादी पार्टी के नेता बौखला गए हैं। संभल की हिंसा के पीछे उनका ही हाथ है। आचार्य प्रमोद ने उत्तर प्रदेश सरकार और पुलिस से मांग की कि हिंसा भड़काने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा जो लोग यहां हिंसा फैलाने की कोशिश कर रहे हैं उनके खिलाफ योगी आदित्यनाथ सरकार को कड़ा कदम उठाना चाहिए।

पहली वार सर्वे के दौरान मंगलवार को कोर्ट कमिश्नर ने बताया कि मस्जिद का विस्तृत सर्वे किया जाएगा। उन्होंने कहा है कि इमारत पुरातत्व विभाग के संरक्षण में है। इस लिहाज से फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी की जाएगी। ताकि स्थिति की सही जानकारी हो सके। इसके बाद ही न्यायालय को रिपोर्ट दी जाएगी। इसके लिए 29 नवंबर की तिथि तय की गई है। संभल जामा मस्जिद की निगरानी पुरातत्व विभाग द्वारा की जाती है। 19 जनवरी 2018 को स्टील की ग्रिल लगवाने पर कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज करा दी गई थी। इसमें सदर को विभाग ने कारण बताओ नोटिस जारी भी किया था। इसमें बिना अनुमति के सीढ़ियों पर ग्रिल लगा दी थी। इसकी शिकायत की गई तो विभाग ने संज्ञान लिया था। प्राचीन स्मारक एवं पुरातत्वीय स्थल अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। अधीक्षण पुरातत्वविद ने जामा मस्जिद कमेटी से ग्रिल को हटवाया था। साथ ही अवैध निर्माण नहीं करने की हिदायत दी थी। यह मामला भी चर्चा में रहा था।उत्तर प्रदेश के संभल की जामा मस्जिद में कोर्ट के आदेश पर दोबारा सर्वे करने के लिए रविवार 24 नवंबर की सुबह टीम पहुंची, जिसे घेरकर मुस्लिम कट्टरपंथियों की भीड़ ने पत्थरबाजी की और जमकर बवाल काटा। करीब ढाई घंटे तक चले सर्वे के दौरान बाहर भारी पत्थरबाजी होती रही, जिसे काबू करने के लिए प्रशासन को लाठीचार्ज करना पड़ा और आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। इस दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई। इस बवाल में अब तक तीन युवकों की मौत की खबर है। हालांकि अधिकारियों ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। मुरादाबाद के कमिश्नर आंजनेय कुमार सिंह ने संभल हिंसा में तीन युवकों की मौत की पुष्टि करते हुए बताया कि मरने वालों में सरायतरीन निवासी नोमान, हयातनगर का बिलाल और कोट गर्वी का नईम शामिल है। बताया जा रहा है कि गोलियां गली की तरफ से चल रही थीं, जहां से अंधाधुंध पथराव भी हो रहे थे। पथराव में डिप्टी कलेक्टर, एसपी के पीआरओ और सिपाही भी घायल हो गए। पुलिस ने मुश्किल से हालात पर काबू पाया। किसी भी प्रकार के उपद्रव को रोकने के लिए पुलिस के साथ पीएसी और रैपिड एक्शन फोर्स के जवान तैनात हैं। बीस से अधिक पुलिसकर्मी और दो दर्जन से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। पुलिस प्रशासन ने स्थिति को संभालने के लिए अतिरिक्त बल तैनात कर दिया है और इलाके में कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

पत्थरबाजी की घटना को लेकर संभल के डीएम राजेंद्र पेन्सिया ने कहा, सर्वेक्षण पूरा हो गया है। सर्वेक्षण दल को सुरक्षित निकाल लिया गया है। स्थिति को नियंत्रण में लाया जा रहा है। शरारती तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। सर्वे टीम में शामिल वकील विष्णु शंकर जैन को पुलिस ने सुरक्षा के बीच बाहर निकाला। विष्णु शंकर जैन वही वकील हैं जिनकी याचिका पर कोर्ट ने 19 नवंबर को मस्जिद में सर्वे का आदेश दिया था और उसी शाम को पहली बार सर्वे भी हुआ था। उस दिन भी माहौल तनावपूर्ण हो गया था। इस मामले में एडवोकेट कमिश्नर 29 नवंबर तक अपनी रिपोर्ट कोर्ट में जमा करेंगे।विष्णु शंकर जैन ने बताया, 19 नवंबर को पारित न्यायालय के आदेश के अनुपालन में आज एडवोकेट कमिश्नर द्वारा दूसरे दिन का सर्वेक्षण सुबह 7:30 बजे से 10:00 बजे तक किया गया। इस सर्वेक्षण के दौरान सभी विशेषताओं का अध्ययन किया गया। न्यायालय द्वारा निर्देशित वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी का अनुपालन किया गया है और अब यह सर्वेक्षण पूरा हो गया है। रिपोर्ट 29 नवंबर से पहले या 29 नवंबर को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी।रविवार सुबह करीब छह बजे संभल के डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया और एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई के साथ एक सर्वे टीम जामा मस्जिद पहुंची। इस दौरान कोर्ट कमिश्नर रमेश राधव की अगुवाई में मस्जिद का सर्वे शुरू हुआ। जैसे ही मस्जिद पर सर्वे की जानकारी स्थानीय लोगों को मिली, मुस्लिम समुदाय के लोग बड़ी संख्या में मस्जिद के बाहर जमा हो गए। मुस्लिम समाज के लोगों ने सुबह-सुबह छुट्टी के दिन सर्वे पर आपत्ति जताई। जल्द ही मस्जिद के बाहर बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए और नाराज भीड़ ने पुलिस को रोकने का प्रयास किया। पुलिस के समझाने के बावजूद भीड़ ने हंगामा शुरू कर दिया। संभल में जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुए हिंसक बवाल पर एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने कहा कि दंगाई पूरी प्लानिंग के तहत पुलिस की गाड़ियों को निशाना बना रहे थे। खासतौर पर पुलिस की गाड़ियों को चुन-चुनकर फूंक डाला गया जबकि आम लोगों की गाड़ियां सुरक्षित रहीं। एसपी ने बताया कि दंगाइयों के खिलाफ रासुका (एनएसए) लगाया जाएगा। उनकी पहचान सीसीटीवी फुटेज से की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि जिन लोगों ने इस हिंसा के लिए अन्य को उकसाया उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी, ताकि वे जिंदगी भर इस अपराध को याद रखें।

इस बार खास तरह ...

प्रधानमंत्री ने लखनऊ के रहने वाले वीरेंद्र की तारीफ की, जो बुजुर्गों के लिए डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट में मदद कर रहे हैं। इससे बुजुर्गों को पेंशन लेने में मदद मिली है। इसी तरह भोपाल के महेश की तारीफ की, जो बुजुर्गों को मोबाइल के माध्यम से पेमेंट करना सिखा रहे हैं। इसके बाद प्रधानमंत्री ने चेन्नई की प्रकृत अरिवगम और बिहार के गोपालगंज की प्रयोग लाइब्रेरी की चर्चा की, जो बच्चों में पढ़ने और सीखने की आदत विकसित कर रही हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में कैरेबियाई देशों का दौरा किया था। मन की बात कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा कि कैरेबियाई देश गुयाना में भी मिनी भारत बसता है। भारत से सैकड़ों वर्षों पहले लोगों को खेती, मजदूरी के लिए गुयाना ले जाया गया था और आज वहां भारतीय मूल के लोग राजनीति, व्यापार, शिक्षा और संस्कृति के हर क्षेत्र में नेतृत्व कर रहे हैं। गुयाना की तरह ही दुनिया के कई देशों में भारतीय गए और उन्होंने वहां अपनी पहचान बनाई। ओमान में भी कई भारतीय शताब्दियों से रह रहे हैं और व्यापार जगत में अपनी जगह बनाई। आज वे ओमान के नागरिक हैं, लेकिन उनकी रग-रग में भारतीयता बसी है।

प्रधानमंत्री ने एक पेड़ मां के नाम अभियान का भी जिक्र किया और कहा कि इस अभियान के तहत पांच महीने में ही 100 करोड़ पेड़ लगाए जा चुके हैं। प्रधानमंत्री ने चेन्नई के कूडुगल ट्रस्ट का जिक्र किया जो गौरैया चिड़िया की आबादी बढ़ाने के लिए काम कर रहा है। यह चिड़िया हमारे आसपास बायोडायवर्सिटी बनाए रखने में अहम है। साथ ही प्रधानमंत्री ने कचरा प्रबंधन के लिए शुरू हुए इनोवेशन की भी तारीफ की और मुंबई की दो युवतियों का जिक्र किया, जो कतरन से फैशनेबल कपड़े बना रही हैं। प्रधानमंत्री ने ऐसे ही कई एनजीओ और सामाजिक समूहों का जिक्र किया, जो देश के विकास के लिए काम कर रहे हैं।

कांग्रेस नेता...

हमें विदर्भ से कम से कम 50 सीटें मिलने की उम्मीद थी। लेकिन चुनाव परिणाम इसके विपरीत आए। परमेश्वर ने कहा, महाराष्ट्र में कांग्रेस और महा विकास अघाड़ी (एमवीए) ने बहुत खराब प्रदर्शन किया है। यह हर कोई जानता है। हमने और महाराष्ट्र के कुछ नेताओं ने कल एक साथ बैठकर विश्लेषण किया। पूर्व मुख्यमंत्री (राजस्थान) अशोक गहलोत और भूपेश बघेल (छत्तीसगढ़) और हम एक साथ बैठे।महा विकास अघाडी (एमवीए) के घटक दल के रूप में कांग्रेस ने 101 सीटों पर चुनाव लड़ा था। लेकिन उसे सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा और उसे सिर्फ 16 सीटों पर जीत मिली। यह कांग्रेस का अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन है। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने भी कहा कि 1977 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने महाराष्ट्र में 48 सीटों में से केवल 20 सीटों पर जीत हासिल की थी, जो अब तक का सबसे कम आंकड़ा था। भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन ने महाराष्ट्र में शानदार जीत हासिल की। उसने 288 सीटों में से 230 पर जीत हासिल की है। महाराष्ट्र भाजपा प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा, महाराष्ट्र में इस बार विपक्ष का नेता नहीं होगा। यह कांग्रेस और विपक्ष के गलत कामों का परिणाम है। उन्होंने लोकसभा चुनाव में झूठे नारों से मतदाताओं को गुमराह किया था और जब विधानसभा चुनाव में यह सच सामने आया तो जनता ने उन्हें हरियाणा की तरह बाहर का रास्ता दिखा दिया।

दूसरी तरफ, झामुमो प्रमुख हेमंत सोरेन ने रविवार को झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार से मिल कर सरकार बनाने का दावा पेश किया। सीएम हेमंत सोरेन ने अपना इस्तीफा राज्यपाल को सौंपा। इसके साथ ही नई सरकार बनाने के लिए इंडी गठबंधन के विधायकों का समर्थन पत्र भी सौंपा। उनके साथ इंडी गठबंधन के नेता भी मौजूद थे। झारखंड के सीएम और जेएमएम के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन ने कहा, 28 नवंबर को नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह होगा। हमने इंडी गठबंधन की सरकार बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। हमने राज्यपाल के सामने सरकार बनाने का दावा पेश किया है। मैंने उन्हें अपना इस्तीफा भी सौंप दिया है.। कांग्रेस और आरजेडी प्रभारी भी मेरे साथ मौजूद रहे। उन्होंने मुझे कार्यवाहक मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी सौंपी है। इससे पहले इंडी गठबंधन के विधायकों की बैठक हुई। इसमें हेमंत सोरेन को सदन का नेता चुना गया। कांग्रेस नेता सुबोधकांत सहाय ने कहा कि सभी पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं ने अपना समर्थन दिया और हेमंत सोरेन को झारखंड विधानसभा सदन का नेता चुना गया। शपथ ग्रहण की संभावित तिथि 28 नवंबर है। झारखंड विधानसभा चुनाव में हेमंत सोरेन के नेतृत्व में इंडी गठबंधन ने 56 सीटें जीतकर दो-तिहाई बहुमत हासिल किया।

एक दिन में 64...

और परिणाम घोषित हुए।मस्क के बयान का संदर्भ अमेरिका में हाल ही में हुए राष्ट्रपति चुनावों से जुड़ा है। 5-6 नवंबर को मतदान हुआ था, लेकिन कई राज्यों में गिनती अब तक जारी है। जबकि भारत की ईवीएम प्रणाली इस संदर्भ में कहीं अधिक तेज़ और प्रभावी नजर आती है। अक्टूबर 2024 में मस्क ने कहा था कि ईवीएम चुनावों में धांधली का बड़ा माध्यम बन सकती हैं। उन्होंने डोमिनियन कंपनी की मशीनों का उदाहरण देते हुए फिलाडेल्फिया और एरिज़ोना में रिपब्लिकन पार्टी की हार को इन मशीनों से जोड़ा। मस्क ने तब कहा था, मैं तकनीक का हिस्सा हूं, इसलिए मुझे पता है कि इसे हैक करना कितना आसान हो सकता है।

महाराष्ट्र की जीत...

बाद में ईडी ने उसके यहां छापेमारी की और 125 करोड़ रुपए की गड़बड़ी सामने आई।

भाजपा नेताओं ने आरोप लगाए कि वोट जेहाद के बड़े पैमाने पर पैसों का इस्तेमाल किया गया। इसके अलावा, अवैध रूप से महाराष्ट्र में रहने वाले बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुस्लिमों को वोटर कार्ड बनवाए गए और उन्हें महायुति के खिलाफ वोट डालने के लिए कहा गया। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनावों से पहले मुस्लिम वोटों को भाजपा के खिलाफ लामबंद करने के लिए 180 से ज्यादा एनजीओ काम कर रहे थे। इन एनजीओ ने केवल मुंबई में 9 लाख मुस्लिम मतदाताओं को जोड़ा। ये एनजीओ के लोग मुस्लिम समुदाय के बीच जाते हैं, उन्हें समझाते हैं और फिर इनका इस्तेमाल वोटिंग टर्नआउट बढ़ाने के लिए किया जाता है। इस्लामी संगठनों ने पिछले कुछ महीनों में मुस्लिम समुदाय के लोगों के बीच पहुंच बनाने के लिए कई अभियान चलाए हैं। इस दौरान इन्होंने सैंकड़ों बैठकें की, सूचना सत्र आयोजित किए और सामुदायिक कार्यक्रम किए। हाल ही में सामने आई टाटा इस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंसेस (टिस) की रिपोर्ट में कहा गया कि अवैध आप्रवासियों झुग्गी क्षेत्रों में बसाया जा रहा है। इनका राजनीतिक इस्तेमाल करने के लिए वोटर कार्ड दिलाए जा रहे हैंरिपोर्ट में कहा गया है कि मुंबई में अवैध मुस्लिम आप्रवासियों की संख्या तेजी से बढ़ी है। मुंबई में 1961 में हिंदुओं की आबादी 88% थी, जो 2011 में घटकर 66% रह गई। इस दौरान मुस्लिम जनसंख्या 8% से बढ़कर 21% तक पहुंच गई। यदि यह प्रवृत्ति जारी रही तो अनुमान है कि 2051 तक हिंदू आबादी 54% से कम हो जाएगी और मुस्लिम आबादी लगभग 30% तक बढ़ सकती है। ये सब कुछ वोट जेहाद के तहत एक सोची-समझी साजिश के तहत जनसांख्यिकीय बदलाव के लिए किया जा रहा है। ये काम कमोबेश पूरे देश में जारी है।लोकसभा की तरह ही इस बार भी विधानसभा चुनाव से पहले फतवे निकाले गए। विभिन्न मुस्लिम संगठनों ने क़ॉन्ग्रेस की अगुवाई वाली महा विकास अघाड़ी (एमवीए) को वोट देने की अपील की। इस फतवे को मुस्लिमों के घर-घर तक पहुंचाने के लिए जगह-जगह बैठक की गई। रैलियां निकाली गईं। एनजीओ को लगाया गया। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के प्रवक्ता मौलाना खलीलुर रहमान सज्जाद नोमानी ने तो यहां तक कहा था कि जो भाजपा का साथ दे, ऐसे लोगों का हुक्का-पानी बंद होना चाहिए।

इसके पहले मौलाना सज्जाद नोमानी ने तो एक कार्यक्रम में कहा था कि आज वोट देने वाले हर मुसलमान को अपने समुदाय के पक्ष में अपने अधिकार का इस्तेमाल करना चाहिए। उन्होंने मुसलमानों के मन में यह डर भी भर दिया कि अगर मोदी सत्ता में आए तो सभी मजार और मदरसे जमींदोज कर दिए जाएंगे। मुंबई में शिवसेना (यूबीटी) द्वारा आयोजित रैली में इस्लामी झंडे भी लहराए गए। इन सब कारणों से महाराष्ट्र के मुस्लिम बहुल इलाकों में मुस्लिमों ने भारी वोटिंग की और परिणाम सामने रहा।

हालांकि, लोकसभा चुनाव वाला खेल ही विपक्षी दलों ने विधानसभा चुनावों में भी खेलने की कोशिश की। मुस्लिमों के हक में समर्थन लेने के बाद ऑल इंडिया उलेमा बोर्ड ने अपना समर्थन कांग्रेस के नेतृत्व में बने महाविकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन को दिया था। अपने आधिकारिक पत्र में उलेमा बोर्ड ने 17 शर्तों के साथ ये समर्थन देने की बात ही है। इनमें वक्फ बोर्ड को 1000 करोड़ रुपए देने, आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने जैसी मांग की गई थी, पैगंबर मुहम्मद के खिलाफ बोलने वाले व्यक्ति के खिलाफ कानून लागू करने जैसी बातें शामिल हैं।

इनके अलावा, जो अन्य मांगें थीं वो हैं, वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध करने और इसे निरस्त करना, वक्फ संपत्तियों से अतिक्रमण हटाने के लिए महाराष्ट्र विधानसभा में कानून बनाना, महाराष्ट्र बोर्ड में मुसलमानों के लिए 10% आरक्षण, राज्य में पुलिस भर्ती में शिक्षित मुसलमानों को प्राथमिकता, भाजपा नेता नीतेश राणे और रामगिरी महाराज को जेल में डालना, मौलवी सलमान अझेरी को रिहा करना, राज्य के मस्जिदों के मौलानाओं और इमामों को 15,000 रुपए प्रतिमाह देना।

महाविकास विकास अघाड़ी ने उलेमा बोर्ड की मांगें मान लीं और इसके आधार पर महायुति गठबंधन के लिए वोट जेहाद की रणनीति पर काम शुरू हो गया। हालांकि, बंटेंगे तो कटेंगे नारे के साथ राजनीति आक्रामक होती गई तो अंदर ही अंदर आरएसएस ने मोहरे बिछाने शुरू कर दिए। वोट जेहाद को लेकर किए जा रहे सारे कामों को छोटी-छोटी बैठकों के जरिए लोगों तक पहुंचाया जाने लगा।इसका परिणाम ये हुआ कि खुद को प्रगतिशील होने का स्वांग रचने वाली बॉलीवुड अभिनेत्री स्वरा भास्कर के शौहर और शरद पवार की एनसीपी के उम्मीदवार फहाद अहमद तक चुनाव हार गए।

एआईएमआईएम मालेगांव सेंट्रल जैसी मुस्लिम बहुल सीट तक सिमट कर रह गई। यहां से एआईएमआईएम के मुफ्ती इस्माइल सिर्फ 162 वोटों से जीते। पार्टी ने 16 जगहों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे। इस बार खड़े 420 मुस्लिम उम्मीदवारों में सिर्फ 13 मुस्लिम विधायक बने हैं। हारने वालों में कई बड़े चेहरे शामिल हैं। ये सब भाजपा की रणनीति का कमाल है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor, APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19), Near Bus Stand, Ranigunj, Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 25 नवंबर, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

तेलंगाना ने ऐतिहासिक उत्पादन के बीच रिकॉर्ड धान खरीद हासिल की : उत्तम कुमार रेड्डी

हैदराबाद, 24 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। नागरिक आपूर्ति और सिंचाई मंत्री कैप्टन एन उत्तम कुमार रेड्डी ने रविवार को घोषणा की कि तेलंगाना रिकॉर्ड तोड़ धान खरीद की ओर अग्रसर है, 40 लाख किसानों द्वारा 66.07 लाख एकड़ में खेती की गई 153 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) की ऐतिहासिक पैदावार हुई।

हुजूरनगर निर्वाचन क्षेत्र में खरीद केंद्रों के औचक दौरे के बाद मीडिया से बात करते हुए रेड्डी ने कलेश्वरम परियोजना की गैर-कार्यक्षमता सहित चुनौतियों के बावजूद राज्य के मजबूत कृषि प्रदर्शन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कुशल खरीद और किसान समर्थन सुनिश्चित करने के लिए कांग्रेस सरकार के सक्रिय उपायों को श्रेय दिया।

23 नवंबर तक, तेलंगाना ने 5,040.01 करोड़ रुपये मूल्य के 21.73 एलएमटी धान की खरीद की है। इसमें से 16.06 एलएमटी मोटे किस्म (डोड्डू) और 5.67 एलएमटी बढ़िया किस्म (सन्नालू) हैं। अच्छी किस्मों की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए 283.25 करोड़ रुपये का बोनस घोषित किया गया है, जिसमें से 80.17 करोड़ रुपये पहले ही वितरित किए जा चुके हैं। किसानों को 2,760.22 करोड़ रुपये का भुगतान जारी किया गया है, जो पिछले साल के 2,414.23 करोड़ रुपये से 345.99 करोड़ रुपये अधिक है। शेष 2,279.78 करोड़ रुपये जल्द ही वितरित किए जाएंगे, रेड्डी ने आश्वासन दिया। इस वर्ष, किसानों को बेहतर पहुँच प्रदान करने के लिए 7,990 खरीद केंद्र स्थापित किए गए हैं - पिछले साल के 5,543 की तुलना में 2,447 की वृद्धि। खरीद संचालन 10 जनवरी तक जारी रहेगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि दूरदराज के गांवों को भी अपनी उपज बेचने के लिए पर्याप्त समय मिले। अपने निरीक्षणों के दौरान, रेड्डी ने किसानों से बातचीत की, जिन्होंने इस सीजन की उपज पर संतोष व्यक्त किया, लेकिन परिवहन में देरी पर चिंता जताई। मंत्री ने तेजी से कार्रवाई करते हुए वरिष्ठ अधिकारियों को इन मुद्दों को हल करने और परिवहन वाहनों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए नमी की मात्रा जांचने वाले उपकरणों और अन्य परिचालन व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की।सरकार परिवहन या भुगतान में कोई देरी न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। किसानों को किसी भी तरह की असुविधा का सामना नहीं करना चाहिए, रेड्डी ने कहा। उन्होंने किसानों को आश्वस्त किया कि भुगतान तीन दिनों के भीतर संसाधित किए जा रहे हैं और रसद संबंधी चुनौतियों का तुरंत समाधान किया जा रहा है।

अब तक, 20.76 ङ्चढ धान पहले ही मिलों में पहुँचाया जा चुका है, और शेष 0.73 ङ्चढ को खरीद केंद्रों से हटाने के प्रयास जारी हैं। रेड्डी ने इस बात पर ज़ोर दिया कि किसी भी किसान को जल्दबाजी महसूस नहीं करनी चाहिए, क्योंकि राज्य की खरीद प्रणाली पूरी उपज को कुशलता-पूर्वक संभालने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित है।

सभी जिलों में समान लाभ के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए, रेड्डी ने कहा कि जागरूकता में वृद्धि, खरीद केंद्रों तक पहुँच और सक्रिय उपायों से क्षेत्रीय असमानताएँ दूर हो रही हैं। पारदर्शिता और परिचालन दक्षता बनाए रखने के लिए नियमित निरीक्षण किए जा रहे हैं, जिसमें एक ही दिन में 260 केंद्रों की समीक्षा की जा रही है।कृषि में तेलंगाना की सफलता हमारी किसान-केंद्रित नीतियों का प्रमाण है, रेड्डी ने घोषणा की। उन्होंने कहा, हमारी कांग्रेस सरकार किसानों को समर्थन देने, समय पर भुगतान सुनिश्चित करने और खरीद कार्यों में मानक स्थापित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हम अपने किसानों के विश्वास को बनाए रखने और कृषि में उत्कृष्टता हासिल करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत रविवार को स्व. श्री अनंत जी केला की पुण्यतिथि पर पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अन्नदान किया गया। जिसमें श्रीमती किरण एवं सुश्री खुशी केला, अलीगढ द्वारा सेवा दी गई। इस अवसर पर रामप्रकाश अग्रवाल,श्रद्धा अग्रवाल,कनक अग्रवाल, सतीश गुप्ता,आशा अग्रवाल,जगत नारायण अग्रवाल,महेश अग्रवाल, संजय अग्रवाल,सविता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, भगतराम गोयल, मायारामजी अग्रवाल, दिनेश गोयल, कुसुम गोयल, शकुंतला गोयल, रश्मित गोयल, पूजा गोयल, शीतल गोयल, निश्का गोयल, डॉ चंद्रकला अग्रवाल, शोभा अग्रवाल, सुरेश सिंघल,सो-हनलाल जी,सुशील गुप्ता,नंदकिशोर अग्रवाल एवं अन्य राधे-राधे समूह के सदस्य उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज तेलंगाना मैरेज डेटा कमेटी की 50वीं बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 24 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज मैरेज डेटा कमिटी की 50वीं बैठक समाज के कार्यालय में आयोजित की गई । एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा कमेटी के चेयरमेन मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा वर्ष 2023-25 हेतु अग्रवाल समाज मैरेज डेटा कमिटी बनाई गई थी। जिसमें चेयरमेन मुकुंद लाल अग्रवाल, संयोजक रमेश कुमार तुल्सीयान, वाईस चेयरमेन दीनबंधु अग्रवाल, सतीश कुमार अग्रवाल, सुनील कुमार मित्तल, गोविंद अग्रवाल, अशोक कुमार दादरीवाला को मनोनीत किया गया था । समाज में अग्रबंधुओं द्वारा जमा करवाए गए उनके बालक एवं बालिकाओं के बायोडेटा में से अभी तक पिछले 16 महीने में 152 रिश्ते नक्की हुए हैं । समाज कार्यालय राघव रत्ना टॉवर में हर रविवार को प्रातः 11 बजे से 1-30 बजे तक कमिटी की बैठक निरंतर हो रही है अभी तक इस सत्र में 49 बैठक हो चुकी हैं। रविवार 24 नवम्बर को कमेटी की 50वीं बैठक आयोजित की गई । बैठक में मैरेज डेटा कमेटी के चेयरमेन मुकुंद लाल अग्रवाल, वाइस चेयरमेन सतीश कुमार अग्रवाल, सुनील कुमार मित्तल, गोविंद अग्रवाल, अशोक कुमार दादरीवाला एवं अन्य बालक बालिकाओं के अभिभावक गण उपस्थित थे।

परिषद हॉल बोगुलकुंटा में नवभारत निर्माण संघ द्वारा हमासा अंजलि नृत्यालय के छात्रों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित हैं प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता अमृत कुमार जैन, संघ के अध्यक्ष रवि कुमार, नाट्य गुरु हमासा अंजलि प्रसिद्ध कवि प्रसन्ना, भाजपा के वरिष्ठ नेता सी.संजय, कवियत्री रेखा शर्मा, कोमल सोनी और डांस स्टूडेंट्स।

एसबीआई ने चलाया साइबर धोखाधड़ी पर जागरूकता अभियान

हैदराबादा, 24 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय स्टेट बैंक ने तेलंगाना राज्य भर में पार्कों, रेलवे स्टेशन, इनडोर स्टेडियम, रिटेल आउटलेट, पंचायत कार्यालय, स्कूल, पेंशनर्स एसोसिएशन आदि में साइबर धोखाधड़ी के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए एक अभियान चलाया। इस जागरूकता अभियान में राज्य भर में 100 स्थानों पर 1000 से अधिक कर्मचारियों ने भाग लिया। यह भारत के सबसे बड़े बैंक द्वारा धोखेबाजों से अपने पैसे की सुरक्षा के लिए जनता के हित में शुरू किया गया सबसे बड़ा जागरूकता अभियान है। जागरूकता अभियान में जनता के सभी वर्गों की भारी भागीदारी देखी गई। स्पैम, धोखाधड़ी वाले कॉल और संदेशों की बढ़ती प्रवृत्ति के बारे में जागरूकता फैलाने में बैंक के प्रयासों की बहुत सराहना की गई। डिजिटल अरेस्ट स्कैम पर प्रधानमंत्री के मन की बात संबोधन सहित विभिन्न ऑडियो और वीडियो क्लिप चलाए गए। कई ग्राहकों ने धोखाधड़ी वाले लिंक वाले कॉल और टेक्स्ट प्राप्त करने के अपने अनुभव साझा किए। जालसाजों की कार्यप्रणाली और जालसाजों के जाल में फंसने से बचने के तरीकों के बारे में जानकारी देने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। एलएचओ के विभिन्न अधिकारियों ने भी जागरूकता कार्यक्रमों में भाग लिया और लोगों को सतर्क रहने तथा टोल फ्री नंबर 1930 पर कॉल करके या www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज करके ऐसी घटनाओं की सूचना देने के लिए कहा।

नवभारत निर्माण संघ ने सेंट साई विद्या निकथन हाई स्कूल, पुराना पूल स्थित गांधी प्रतिमा से शांति रैली निकाली। उक्त रैली का संचालन प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता अमृत कुमार जैन ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हम एक हैं, हम शांति चाहते हैं, शांति का सपना देख रहे। अवसर पर संघ के अध्यक्ष एस.रवि कुमार स्कूल की प्रिंसिपल पद्मिनी सिंह टैगोर, शिक्षक और 100 से अधिक छात्र शामिल हुए।

रानी सती दादी महिला शाखा की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 24 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज रानी सती दादी महिला शाखा घांसी बाजार की बैठक अध्यक्ष रिंकू गर्ग के निवास स्थान पर सम्पन्न हुई। जिसमें सबकी सहमति से आगामी 8 दिसंबर को सुंदरकांड व अन्नकू प्रसाद का आयोजन घोसी बाजार स्थित रानी सती मंदिर में रखने का निर्णय लिया गया।

जिसमें सभी शाखा के सदस्यों को परिवार सहित शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया। बैठक मेंअध्यक्ष रिंकू गर्ग, उपाध्यक्ष हेमा अग्रवाल ,मंत्री मोनिका अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य कविता गोयल और सीमा अग्रवाल आदि उप-स्थित थे।

अग्रवाल समाज द्वारा आयुष्मान भारत का तीसरा चरण सम्पन्न

हैदराबाद, 24 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा प्रधानमंत्री आयष्मान भारत योजना कार्यक्रम के शिविर जो प्रति सप्ताह विभिन्न चरणों में नगर में विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित किया जा रहे हैं। इसी क्रम रविवार, दि. 24 नवंबर को तीसरा चरण सिकन्द्राबाद स्थित अग्रवाल समाज बैंक्वेट हॉल में संपन्न किया गया । इन शिविरों के आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज के जान मानस को इस योजना का लाभ पहुँचाना है। अग्रवाल समाज तेलंगाना के इन शिविरों से अब तक लगभग 200 वरिष्ठ बंधुओं जिनकी आयु 70 वर्ष से अधिक है का पंजीकरण कराया जा चुका है और 35 पंजीकरण प्रतीक्षारत है ।

उक्त शिविर में अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, उपाध्यक्ष पुरूषोतम अग्रवाल, संयोजक मुकंदलाल अग्रवाल, संजय पंसारी, हेमचंद गुप्ता, मुकेश अग्रवाल, विपिन सिंघानिया, संदीप मित्तल, सीए रिषभ अग्रवाल, समिति बंसल, सत प्रकाश बंसल, पवन डोकानिया, शीतल अग्रवाल, सचिन सूर्यवंशी और कार्यक्रम की सूत्र धार नित्य पारिक आदि उप-स्थित थे।

अग्रवाल समाज के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने आयोजन दल के सभी सदस्यों को सफल आयोजन पर बधाई दी, आभार जताया और कहा कि आने वाले दिनों यह कार्यक्रम विभिन्न चरणों में निरंतर रूप से आयोजित किया जाएगा ।

तेलंगाना में भाजपा सदस्यता अभियान में करीमनगर शीर्ष पर

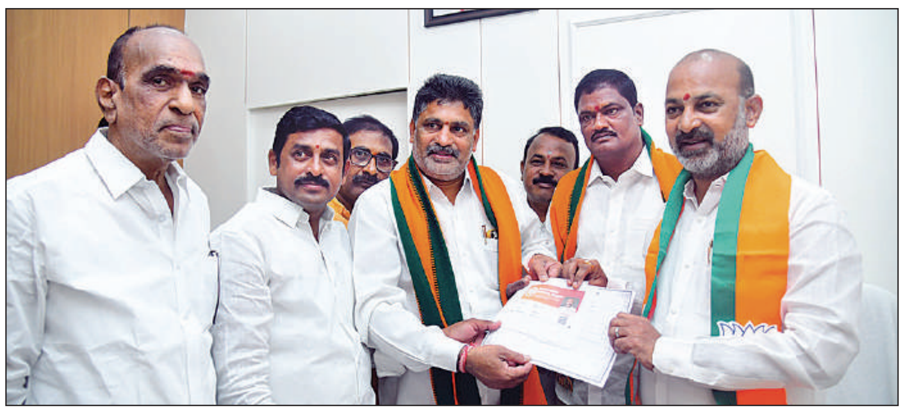

करीमनगर, 24 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने राज्यव्यापी सदस्यता अभियान में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है, जिसमें करीमनगर जिला नामांकन लक्ष्य को पार करने में सबसे आगे रहा है।

जबकि भाजपा का राज्य लक्ष्य 37.67 लाख सदस्यों को नामांकित करना था, अब तक लगभग 30 लाख सदस्य पंजीकृत हो चुके हैं, जो लक्ष्य का 75 प्रतिशत है। करीमनगर जिले ने 2 लाख से अधिक सदस्यों को पंजीकृत करके एक अनुकरणीय बेंचमार्क स्थापित किया है, जो 70,000 से अधिक नामांकन के साथ अपने विधानसभा क्षेत्र के 61,000 के लक्ष्य को पार कर गया है। संसदीय क्षेत्र स्तर पर, करीमनगर अपने लक्ष्य को पार करके 3 लाख से अधिक सदस्यता दर्ज करके सबसे आगे है।इसके विपरीत, भूपलपल्ली और मुलुगु जिले पीछे रह गए, प्रत्येक में 20,000 से कम सदस्य नामांकित हुए। हालांकि, करीमनगर, हुस्नाबाद और हुजुराबाद जैसे विधानसभा क्षेत्र अपने-अपने लक्ष्यों को पार करने में आगे रहे।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने रविवार को जिला अध्यक्ष गंगाडी कृष्ण रेड्डी द्वारा आयोजित एक बैठक के दौरान करीमनगर की उपलब्धि का जश्न मनाया। अपना सक्रिय सदस्यता कार्ड प्राप्त करते हुए बंडी संजय ने करीमनगर में पार्टी कार्यकर्ताओं के अथक प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा, सदस्यता नामांकन में करीमनगर का अग्रणी होना गर्व की बात है। उन्होंने कहा, विधानसभा और संसदीय दोनों स्तरों पर लक्ष्य को पार करना हमारे कार्यकर्ताओं के समर्पण का प्रमाण है। संसदीय क्षेत्र के सभी कार्यकर्ताओं को मेरी हार्दिक बधाई।

अभिनेता अली को बिना अनुमति के फार्महाउस बनाने के लिए नोटिस

हैदराबाद, 23 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

विकाराबाद जिले की एक ग्राम पंचायत ने टॉलीवुड अभिनेता अली को बिना अनुमति के फार्महाउस बनाने के आरोप में नोटिस जारी किया है। नवाबपेट मंडल में एकमामिडी ग्राम पंचायत के अधिकारियों ने अभिनेता-हास्य अभिनेता को नोटिस जारी करते हुए उन्हें तुरंत फार्महाउस का निर्माण रोकने का निर्देश दिया।ग्राम पंचायत सचिव शोभा रानी ने अभिनेता को नोटिस जारी किया, जिन्होंने एकमामिडी राजस्व सीमा में

निर्माण कार्य शुरू किया था। इस महीने की शुरुआत में अली को फार्महाउस के निर्माण की अनुमति प्राप्त करने के लिए संबंधित दस्तावेज जमा करने के लिए नोटिस दिया गया था। अधिकारी ने 5 नवंबर को दिए गए नोटिस का जवाब नहीं देने के बाद फार्महाउस के कर्मचारियों को नोटिस सौंप दिया।ग्राम पंचायत सचिव ने एक बार फिर अभिनेता से संबंधित दस्तावेज जमा करने और निर्माण की अनुमति लेने के लिए कहा है। अभिनेता को सूचित किया गया है कि यदि वह आदेशों का पालन करने में विफल रहता है, तो पंचायती राज अधिनियम के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

पड़ोसी आंध्र प्रदेश से आने वाले अली ने हाल ही में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) छोड़ दी, जिसमें वह 2019 में शामिल हुए थे। राजमुंदरी से आने वाले अभिनेता राजमुंदरी या विजयवाड़ा से चुनाव लड़ने के इच्छुक थे। हालांकि, उन्हें किसी भी निर्वाचन क्षेत्र से पार्टी के उम्मीदवार के रूप में नामित नहीं किया गया था। अली ने वाईएसआरसीपी के लिए सक्रिय रूप से प्रचार किया, जिसने 2019 के चुनावों में जीत हासिल की थी। 2022 में, जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार ने उन्हें राज्य सरकार के लिए इलेक्ट्रॉनिक मीडिया सलाहकार नियुक्त किया।पिछले साल, अभिनेता-हास्य अभिनेता ने कहा था कि अगर जगन मोहन रेड्डी आदेश देते हैं, तो वह अभिनेता और जन सेना पार्टी के नेता पवन कल्याण के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे। अली को हाल के चुनाव में वाईएसआरसीपी के टिकट की उम्मीद थी। हालांकि, उन्हें एक बार फिर निराशा हाथ लगी। मई में चुनावों में वाईएसआरसीपी को अपमानजनक हार का सामना करना पड़ा, अली ने खुद को पार्टी से दूर कर लिया और हाल ही में पार्टी छोड़ दी। ऐसी अटकलें हैं कि वह तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) या जन सेना में शामिल हो सकते हैं।

मेदक में न्यूनतम तापमान 11.3 डिग्री सेल्सियस

हैदराबाद, 23 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के मेदक में शनिवार और रविवार की दरमियानी रात को मौसम का सबसे न्यूनतम तापमान 11.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान केंद्र ने यह जानकारी दी है।केन्द्र ने अपनी दैनिक मौसम रिपोर्ट में अगले सात दिनों तक पूरे राज्य में शुष्क मौसम बने रहने की संभावना व्यक्त की है।

2024 में एनडीपीएस एक्ट के तहत 17 लोगों को 20 साल की जेल की सज़ा : पुलिस

हैदराबाद, 23 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पुलिस के अनुसार, तेलंगाना राज्य में वर्ष 2024 में एनडीपीएस अधिनियम से संबंधित चार मामलों में सत्रह लोगों को 20 वर्ष की सजा मिली, जबकि एक मामले में दो लोगों को 12 वर्ष की सजा मिली और 11 मामलों में 19 लोगों को 10 वर्ष की सजा मिली।

यहां पुलिस मुख्यालय में तेलंगाना एंटी-नारकोटिक्स ब्यूरो द्वारा आयोजित पुरस्कार कार्यक्रम के दौरान, पुलिस महानिदेशक जितेंद्र ने ड्रग्स मामलों में शामिल लोगों को सजा दिलाने में पुलिस

के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने एनडीपीएस अधिनियम के मामलों में दोषसिद्धि सुनिश्चित करने में उनके असाधारण कार्य के लिए जांच अधिकारियों (आईओ), कोर्ट ड्यूटी अधिकारियों और सरकारी अभियोजकों (पीपी) को पुरस्कार प्रदान किए। ये प्रशंसाएं एनडीपीएस मामलों में सफल परिणामों पर आधारित थीं, जहां वर्ष 2024 के दौरान निर्णय दिए गए थे, जिनमें 39 मामलों में दोषी ठहराया गया था।

39 मामलों में, महबूबाबाद, भद्राद्री कोत्तागुडेम, वारंगल, खम्मम, साइबराबाद, कुमुरामभीम आसिफाबाद और करीमनगर में पुलिस इकाइयों ने बेहतर परिणाम दिखाए हैं।

अधिकारियों के अनुसार, तेलंगाना पुलिस नशीली दवाओं के खतरे के प्रति शून्य सहनशीलता हासिल करने के लिए काम कर रही है ताकि नशा मुक्त तेलंगाना बन सके। उन्होंने कहा कि यह महत्वपूर्ण होगा कि आईओ को एनडीपीएस अधिनियम के मामलों की पेशेवर रूप से जांच करने के लिए पूरी तरह से प्रशिक्षित किया जाए और जमानत याचिकाओं, मामलों की सुनवाई और अपीलों की सुनवाई के दौरान विभिन्न अदालतों द्वारा किए गए नवीनतम घटनाक्रम और टिप्पणियों से लैस किया जाए।

76वें एनसीसी दिवस समारोह का आयोजन

हैदराबाद, 23 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) निदेशालय की ओर से रविवार को मेहदीपट्टनम गैरीसन मैदान में 76वां एनसीसी दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया।इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एनसीसी निदेशालय आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के उप महानिदेशक (डीडीजी) एयर कमोडोर वीएम रेड्डी उपस्थित रहे। अपने संबोधन में, उन्होंने अनुशासन और देशभक्ति को बढ़ावा देने में एनसीसी कैडेटों और कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए, विभिन्न क्षेत्रों में उनके योगदान की सराहना की।

इस समारोह की शुरुआत एनसीसी कैडेटों द्वारा एक प्रभावशाली परेड के साथ हुई, जिसमें उन्होंने अपनी सटीकता, अनुशासन और समर्पण का प्रदर्शन किया। परेड के बाद एक शानदार घुड़सवारी शो हुआ, जिसमें पारंपरिक घुड़सवारी कौशल का प्रदर्शन किया गया, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस जीवंत माहौल में कैडेटों द्वारा सांस्कृतिक प्रदर्शन भी शामिल थे, जिसमें समृद्ध परंपराओं और आधुनिक रचनात्मकता का मिश्रण था। कार्यक्रम के दौरान, डीडीजी ने उत्कृष्ट कैडेटों और कर्मियों को उनकी असाधारण उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया। अपने भाषण में, एयर कमोडोर रेड्डी ने कैडेटों के प्रयासों की सराहना की, राष्ट्र निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका और एनसीसी ढांचे के भीतर और बाहर विभिन्न क्षेत्रों में उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों पर जोर दिया। 76वें एनसीसी दिवस समारोह का समापन एनसीसी के समर्पण, अनुशासन और देशभक्ति के मूल मूल्यों को दर्शाते हुए शानदार तरीके से हुआ।

निलोफर अस्पताल से अपहृत शिशु को बचाया गया

हैदराबाद, 23 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

नामपल्ली पुलिस ने शनिवार को निलोफर अस्पताल से अपहृत शिशु को सफलतापूर्वक बचाया। पुलिस ने विकाराबाद के पारगी में शिशु का अपहरण करने वाली महिला और उसके दो साथियों को हिरासत में लिया। तीनों को शिशु के साथ शहर में स्थानांतरित कर दिया गया। शिशु को उसकी मां को सौंप दिया गया। पुलिस के अनुसार, शिशु का शनिवार को अस्पताल से अपहरण किया गया था। निगरानी कैमरों की फुटेज की मदद से जांचकर्ता महिला को पारगी तक ट्रैक करने में सफल रहे। एक विशेष टीम पारगी पहुंची और महिला को पकड़ लिया। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

बीआरएस ने एनआरआई यूके सेल के लिए नई समिति नियुक्त की, नवीन रेड्डी अध्यक्ष नियुक्त

हैदराबाद, 23 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने रविवार को नवीन रेड्डी को पार्टी की एनआरआई यूके कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया। बीआरएस पार्टी के एनआरआई समन्वयक महेश बिगाला ने एनआरआई बीआरएस के संस्थापक अध्यक्ष अनिल कुर्माचलम के साथ मिलकर सेल के नए अध्यक्ष और कमेटी की नियुक्ति की घोषणा की। नेताओं ने नई कमेटी के सदस्यों को बधाई दी और उनसे बीआरएस के एनआरआई सेल के अच्छे काम को जारी रखने की अपील की। बिगाला और कुर्माचलम ने सेल से एक बौद्धिक समूह के रूप में सोशल मीडिया पर अधिक सक्रिय

होने और बीआरएस द्वारा शुरू की गई प्रत्येक गतिविधि में भाग लेने को कहा। महेश बिगाला ने पार्टी में उनके योगदान के लिए मौजूदा बीआरएस एनआरआई यूके अध्यक्ष अशोक कुमार गौड़ दुसारी की भी सराहना की। उन्होंने कहा, बीआरएस ने अशोक के छह साल के कार्यकाल के दौरान पार्टी और केसीआर के नेतृत्व को मजबूत करने के लिए कई कार्यक्रम और गतिविधियां आयोजित कीं। ऐतिहासिक तेलंगाना आंदोलन में एनआरआई सेल के योगदान को याद करते हुए बिगाला ने कहा, बीआरएस पार्टी का पहला एनआरआई चैप्टर 14 साल पहले लंदन में स्थापित किया गया था और तब से उन्होंने तेलंगाना राज्य आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि सेल को वर्तमान में एक मजबूत विपक्ष की भूमिका में तेलंगाना के पुनर्निर्माण में प्रयास करना सुनिश्चित करना चाहिए।

काजीपेट रेलवे स्टेशन को डिवीजन का दर्जा देने को केंद्र की हरी झंडी

काजीपेट में कोच फैक्ट्री लगाने की इजाजत

मंचेरियाल, 24 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दक्षिण भारतीय रेलवे का प्रवेश द्वार कहे जाने वाले काजीपेट रेलवे जंक्शन का स्वरूप बदलने जा रहा है। यहां पर कोच फैक्ट्री और रेलवे डिवीजन की स्थापना के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। जिसका यहां की जनता कई वर्षों से इंतजार कर रही थी। जबकि विनिर्माण इकाई का काम पहले से ही तेजी से चल रहा है। कोच फैक्ट्री और डिवीजन का दर्जा मिलने से काजीपेट को रेलवे मानचित्र में विशेष पहचान मिलने की संभावना है, साथ ही यात्रियों में भी उत्साह है। क्योंकि वे काजीपेट जंक्शन से नई रेलवे लाइनें और नए त्रिकोण ट्रैक स्थापित करने के लिए काम कर रहे हैं। इसके साथ ही रेलवे विभाग नए क्षेत्रों में रेलवे संबंध बढ़ाने पर भी काम कर रहा है। इसके साथ ही भूपालपल्ली और मेदाराम के जरिए एक नई रेल-वेलाइन आएगी। चूंकि काजीपेट जो कि तेलंगाना का दूसरा सबसे बड़ा रेलवे जंक्शन है से अधिक नई ट्रेनें और अधिक कार्यशालाएं आ रही हैं। रेलवे कर्मचारी और यात्री उत्साहित हैं। काजीपेट जंक्शन वह रेलवे लाइन है जो काजीपेट के माध्यम से मध्य भारत और उत्तर भारत के ध्रुवों को जोड़ती है। आपको काशी से कन्याकुमारी, चेन्नई से कोलकाता, हैदराबाद से दिल्ली तक जहां भी जाना है तो काजीपेट रेलवे स्टेशन से होकर जाना हो होगा। काजीपेट तेलंगाना राज्य का दूसरा सबसे बड़ा जंक्शन है। जिसका राजस्व दक्षिण मध्य रेलवे में सबसे अधिक है। काजीपेट और वारंगल रेलवे स्टेशनों से प्रतिदिन 200 से अधिक माल, यात्री और एक्सप्रेस ट्रेनें चलती हैं। इनके अलावा, भूपालपल्ली, रामागुंडम, गोदावरी-खानी, मनुगुरु, कोत्तागुडेम, बल्लारशा और अन्य क्षेत्रों से कोयला परिवहन और कार्गो परिवहन काजीपेट रेलवे स्टेशन के माध्यम से हो रहा है। सबसे अधिक राजस्व उत्पन्न करने वाले जंक्शनों में काजीपेट पहले स्थान पर है। उत्तरी और दक्षिणी ध्रुवों को जोड़ने वाले काजीपेट जंक्शन पर 30 वर्षों से अधिक समय से

काजीपेट को एक डिवीजन के रूप में स्थापित करने की मांग आ-खिरकार साकार होने जा रही है। वर्तमान में दक्षिण मध्य रेलवे जोन सिकंदराबाद को अपना केंद्र बनाकर काम कर रहा है। इस जोन में तेंगलाना के सिकंदराबाद और हैदराबाद, नांदेड़ (महाराष्ट्र), गुंतकल, विजयवाड़ा और गुंटूर रेलवे डिवीजन शामिल हैं हालाँकि, आंध्र प्रदेश सरकार के दबाव में, केंद्र सरकार ने विशाखापत्तनम को केंद्र बनाकर साउथ कोस्ट ज़ोन की स्थापना को हरी झंडी दे दी है। इसलिए यदि रेलवे ज़ोन को जारी रखना है तो कम से कम तीन डिवीजन होने चाहिए। वर्तमान में दक्षिण मध्य रेलवे ज़ोन का गठन गुंतकल, गुंटूर और विजयवाड़ा डिवीजनों के साथ सिकंदराबाद और दक्षिण तट ज़ोन विशाखा-पत्तनम के केंद्र के रूप में किया जा रहा है। महाराष्ट्र के नांदेड़ डिवीजन को मुंबई पर केंद्रित केंद्रीय रेलवे क्षेत्र में विलय कर दिया जाएगा। परिणामस्वरूप दक्षिण मध्य क्षेत्र में केवल सिकंदराबाद और हैदराबाद डिवीजन रह जाएंगे, जो सिकंदराबाद पर केंद्रित है। रेलवे के नियमों के मुताबिक अगर तीन मंडल नहीं होंगे तो मंडल का पदनाम रद्द कर दिया जाएगा। काजीपेट को रेलवे विभाग के एक डिवीजन के रूप में बदलकर सिकंदराबाद को दक्षिण मध्य रेलवे जोन में शामिल करने का निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही दक्षिण मध्य क्षेत्र तीन डिवीजनों के साथ जारी रहेगा। रेलवे अधिकारियों के आदेश के तहत दक्षिण मध्य रेलवे के अधिकारी मैदान में उतर आए हैं और काजी-पेट डिवीजन की सीमाएं तय कर रहे हैं। इसके साथ ही हैदराबाद की तरफ भुवनगिरी - अलेरू, दिल्ली की तरफ बल्लारशा, विजयवाड़ा की तरफ वारंगल से कोंडापल्ली, मनुगुरु - सत्तुपल्ली खंड को सीमाओं के रूप में अंतिम रूप दिया जाएगा। अगले बजट तक काजीपेट पूरी तरह से रेलवे डिवीजन में तब्दील हो जाने की उम्मीद है। लेकिन दक्षिणी और उत्तरी ध्रुवों को जोड़ने वाली रेलवे के बावजूद यहां कोई त्रिकोणीय प्लेटफार्म नहीं है। इसके चलते दिल्ली से चेन्नई और दिल्ली से हैदराबाद जाने वाले प्लेटफॉर्म पर रुकने की संभावना नहीं है मंडल का दर्जा मिलने से त्रिकोण प्लेटफार्म के साथ ही यहां से नई ट्रेनों का संचालन संभव है, वर्तमान में यहां 5000 रेलवे कर्मचारी हैं लेकिन मंडल की स्थापना से कर्मचारियों की संख्या दोगुनी हो जायेगी। काजीपेट जंक्शन पर रेलवे विभाग की मेहरबानी हो रही है। काजीपेट में पहले से ही डीजल लोकोशेड और इलेक्ट्रिक लोकोशेड मौजूद हैं। इसमें 150 से अधिक वाग-7 विद्युत लोको को समायोजित करने की क्षमता है। इनके अलावा केंद्र सरकार ने हाल ही में एक वैगन निर्माण कारखाना भी स्थापित किया है। 8 जुलाई 2023 को खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने काजीपेट में 160 एकड़ जमीन पर रेलवे वैगन निर्माण उद्योग की स्थापना के लिए भूमि पूजन किया। 521 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित वागन इंडस्ट्री को 2025 तक पूरा करना है। रेलवे अधिकारी ओरुगल्लू में रेलवे संयोजकता बढ़ाने के लिए काम कर रहे है केंद्र ने 4,100 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से पेद्दापल्ली जिले के रामागुंडम से भूपपल्ली, रामप्पा और मेडाराम होते हुए मनुगुरु तक 207 किलोमीटर रेलवे लाइन के निर्माण को हरी झंडी दे दी है। जिन अधिकारियों ने पहले ही मिट्टी संग्रह परीक्षण पूरा कर लिया है वे एक रूट मैप तैयार कर रहे हैं। ई-लाइन का निर्माण पूरा हो जाने पर कोयले के परिवहन के साथ-साथ मेदाराम महाजातरा में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए रेल संयोजकता भी बढ़ जाएगी। साथ ही रामप्पा आने वाले पर्यटकों के लिए यूनेस्को द्वारा मान्यता प्राप्त रेल सुविधा भी स्थापित की जाएगी इसके अलावा महबुबाबाद जिले के दोर्नाकल जंक्शन सेनलगोंडा जिले के मिर्यालागुडा तक 105 किमी. रेलवे लाइन रेलवे विभाग ने इस परियोजना के लिए 2100 करोड़ रुपये के अनुमान के साथ डीपीआर तैयार किया है यह लाइन हैदराबाद, विजयवाड़ा, चेन्नई और नई दिल्ली को जोड़ती है साथ ही केंद्र ने दोर्नाकल से गडवाल तक 296 किलोमीटर रेलवे लाइन को भी हरी झंडी दे दी है। इस लाइन का अनुमान 5 अरब रुपये है दोर्नाकल-गडवाला लाइन की स्थापना हैदराबाद और बैंगलोर लाइन को महबूबनगर से जोड़ने के लिए की जा रही है। इस लाइन को वारंगल और विजयवाड़ा लाइन के माध्यम से हैदराबाद तक जोड़ा जाएगा। दो महत्वपूर्ण मार्गों को जोड़ने के साथ-साथ नई रेलवे लाइन विहीन क्षेत्रों में भी रेलवे संयोजकता बढ़ेगी इसके अलावा 464 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत पर काजीपेट (नश्कल) और करीमनगर के बीच 62 किमी केंद्र ने रेलवे लाइन को हरी झंडी दे दी है। इससे हनुमकोंडा और करीमनगर के बीच की दूरी का बोझ कम हो जाएगा और यह ग्रेनाइट उद्योग के लिए अनुकूल हो जाएगा। लेकिन केवल काजीपेट-भूपालपल्ली लाइन अभी तक पूरी नहीं हुई है ऐसी राय व्यक्त की जा रही है कि काजीपेट जंक्शन को डिवीजन का दर्जा और कोच फैक्ट्री की स्थापना के साथ नई रेलवे संयोजकता के साथ एक नया रूप मिलेगा।

CHANGE OF NAME & DOB

I, KALLAMMA Mother of Service No 2607779N Ex.Naik PALREDDY SURENDHAR REDDY, R/o.18-652, Santosh Nagar, Teh:Miryalaguda, Dist:Nalgonda, Telangana-508207 have changed my name and DOB from **KALLAMMA**, DOB:**13-11-1950** to **PALREDDY KAMALAMMA**, DOB:**12-3-1948** vide affidavit dt:18-11-2024 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

जनरल द्विवेदी की नेपाल यात्रा से सैन्य सहयोग का नया युग आरंभ होने की संभावना

नयी दिल्ली 24 नवम्बर (एजेंसियां)। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी नेपाल की पांच दिन की सफल आधिकारिक यात्रा पूरी कर रविवार को स्वदेश लौट आए। इस यात्रा से दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और क्षेत्रीय सुरक्षा पर अधिक ध्यान केन्द्रित होने के साथ सैन्य सहयोग का नया युग आरंभ होने की संभावना है।

रक्षा मंत्रालय ने एक वक्तव्य जारी कर कहा कि जनरल द्विवेदी की यात्रा से दोनों देशों के बीच मजबूत रक्षा सहयोग, सांस्कृतिक संबंध तथा परस्पर सम्मान और सुदृढ़ हुआ। यह क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और साझेदारी बढ़ाने के भारत और नेपाल की सेना की साझा प्रतिबद्धता दर्शाता है।

जनरल द्विवेदी ने नेपाल के राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व के साथ व्यापक चर्चा की। उन्होंने राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल, प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली और रक्षा मंत्री मनबीर राय के साथ उच्च स्तरीय बैठकें कीं। नेपाली सेनाध्यक्ष जनरल अशोक राज सिगडेल और अन्य वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के साथ भी उनकी सार्थक चर्चा हुई। बातचीत में खुलेपन और परस्पर सम्मान का भाव रहा, जो द्विपक्षीय संबंधों को सुदृढ़ करने की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

भारतीय सेना प्रमुख ने एक भव्य समारोह में टुंडीखेल स्थित बीर स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर नेपाल के वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। बाद में नेपाली सेना मुख्यालय में उन्होंने गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया।

इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य भारत-नेपाल संबंधों को सुदृढ़ करना था। जनरल द्विवेदी ने नेपाल के सेनाध्यक्ष जनरल सिगडेल से मुलाकात की और परस्पर हित के विभिन्न पहलुओं तथा द्विपक्षीय रक्षा सहयोग सुदृढ़ करने के उपायों पर चर्चा की। नेपाली सेना के सैन्य संचालन महानिदेशक ने उन्हें सैन्य गतिविधियों से अवगत कराया। जनरल द्विवेदी की नेपाल के अन्य वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के साथ भी उच्च स्तरीय चर्चा हुई। वार्ता में सैन्य संबंधों को बढ़ाने, संयुक्त अभ्यास, प्रशिक्षण सहयोग तथा क्षमता उन्नयन पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिससे वैश्विक शांति और सुरक्षा की साझा प्रतिबद्धता को बल मिला। दोनों सेनाओं के बीच मैत्री प्रतीक के रूप में भारतीय सेना ने नेपाल की सेना को सुसज्जित अश्व तथा प्रहरी श्वान भेंट किए।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी को नेपाल के राष्ट्रपति पौडेल ने काठमांडू के शीतल निवास में नेपाली सेना के जनरल की मानद उपाधि से विभूषित किया। यह विशिष्ट परंपरा भारतीय और नेपाली सेनाओं के बीच गहरे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को दर्शाती है।

जनरल द्विवेदी ने दोनों देशों और सेनाओं के बीच विशिष्ट सांस्कृतिक और सामाजिक संबंधों को अनुभव किया। परस्पर संबंधों को सुदृढ़ करने के इनके महत्व को देखते हुए दोनों देशों की सेनाओं के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान की भी चर्चा की गई।

शिवपुरी में नेपाल आर्मी कमांड एंड स्टाफ कॉलेज में भावी सैन्य कर्मियों को संबोधित करते हुए जनरल द्विवेदी ने युद्ध के बदलते स्वरूप पर व्याख्यान दिया। उन्होंने दोनों देशों की सेनाओं के सामर्थ्य बढ़ाने और क्षमतावर्धन के लिए आपसी जुड़ाव मजबूत और गहरा करने पर जोर दिया।

जनरल द्विवेदी ने पोखरा के पेंशन भुगतान कार्यालय में पूर्व सैनिकों की एक रैली को संबोधित किया। पूर्व गोरखा सैनिकों और वीर नारियों के साथ संवाद में पूर्व गोरखा सैनिकों और भारतीय सेना के बीच स्पष्ट और समृद्ध बंधन दिखा, जो सुदृढ़ संबंधों को दर्शाता है। सेनाध्यक्ष ने नागरिक समाज में पूर्व सैनिकों की भूमिका की सराहना करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में उनके योगदान की चर्चा की। रैली के दौरान जम्मू-कश्मीर राइफल्स 18वीं बटालियन के सूबेदार मेजर और मानद कैप्टन गोपाल बहादुर थापा (सेवानिवृत्त) के साथ उनकी बातचीत भावपूर्ण रही, जो उनकी अपनी इकाई के सूबेदार मेजर थे। जनरल द्विवेदी ने पूर्व सैनिकों के कल्याण के प्रति भारत सरकार की अटूट प्रतिबद्धता भी दोहरायी जिसमें पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ईसीएचएस) के पैनलबद्ध अस्पतालों की संख्या में बढ़ोतरी के अलावा बुटाला और डुंगधी में एक-एक ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक स्थापित करने की घोषणा शामिल है। ये पहल पूर्व सैनिकों के कल्याण के प्रति भारत सरकार और भारतीय सेना के संकल्प को दर्शाती है।

जनरल द्विवेदी ने नेपाली सेनाध्यक्ष को भारत की यात्रा का औपचारिक निमंत्रण दिया, जिसका उद्देश्य मौजूदा यात्रा के परिणामों को और बढ़ाना है। व्यापक चर्चा और परस्पर सम्मान से पूर्ण इस यात्रा ने भारत और नेपाल की सेनाओं के बीच मजबूत साझेदारी और सुदृढ़ की है। इस यात्रा से दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और क्षेत्रीय सुरक्षा पर अधिक ध्यान केन्द्रित होने के साथ सहयोग का एक नया युग आरंभ होने की संभावना है।

मोदी आज वैश्विक सहकारी सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे

नयी दिल्ली 24 नवम्बर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को यहां भारत मंडपम में वैश्विक सहकारी सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे और संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय सहकारी वर्ष 2025 का शुभारंभ करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने रविवार को यहां बताया कि वैश्विक सहकारी आंदोलन की प्रमुख संस्था, अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन (आईसीए) के 130 वर्ष के लंबे इतिहास में पहली बार भारत में इस सम्मेलन और महासभा का आयोजन किया जा रहा है। आईसीए और भारत सरकार तथा भारतीय सहकारी समितियों अमूल और कृभको के सहयोग से भारतीय किसान उर्वरक सहकारी लिमिटेड (इफको) द्वारा आयोजित वैश्विक सम्मेलन 25 से 30 नवंबर तक आयोजित किया जाएगा।

सम्मेलन का विषय, 'सहकारिता सभी के लिए समृद्धि का निर्माण करती है', भारत सरकार के 'सहकार से समृद्धि' के दृष्टिकोण के अनुरूप है। इसमें संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने में दुनिया भर में सहकारी समितियों के सामने आने वाली चुनौतियों और अवसरों को संबोधित करते हुए चर्चा, पैनल सत्र और कार्यशालाएं आयोजित की जायेंगी जो विशेष रूप से गरीबी उन्मूलन, लैंगिक समानता और सतत आर्थिक विकास जैसे क्षेत्रों पर आधारित होंगी। श्री मोदी संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 का शुभारंभ करेंगे, जो सामाजिक समावेश, आर्थिक सशक्तीकरण और सतत विकास को बढ़ावा देने में सहकारी समितियों की परिवर्तनकारी भूमिका को रेखांकित करते हुए, 'सहकारिता एक बेहतर विश्व का निर्माण करती है' विषय पर केंद्रित है। प्रधानमंत्री एक स्मारक डाक टिकट भी जारी करेंगे, जो सहकारी आंदोलन के प्रति भारत की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। डाक टिकट पर कमल का फूल है जो शांति, शक्ति, लचीलेपन और विकास का प्रतीक है और स्थिरता तथा सामुदायिक विकास के सहकारी मूल्यों को दर्शाता है। कमल की पाँच पंखुड़ियाँ प्रकृति के पाँच तत्वों (पंचतत्व) का प्रतिनिधित्व करती हैं, जो पर्यावरण, सामाजिक और आर्थिक स्थिरता के प्रति सहकारी समितियों की प्रतिबद्धता को उजागर करती हैं।

अवैध कब्जे से मुक्त हुई राम जानकी मंदिर ट्रस्ट की जमीन

ग्वालियर, 24 नवंबर (एजेंसियां)। ग्वालियर के तारागंज कोटा लश्कर स्थित श्री राम जानकी मंदिर ट्रस्ट की करीब 9 बीघा जमीन पर से अतिक्रमण हटाया गया। प्रशासन, पुलिस और नगर निगम की संयुक्त कार्रवाई में 100 करोड़ रुपए मूल्य की इस जमीन पर बनी बाउंड्री वॉल और अन्य अवैध निर्माण बुलडोजर से गिरा दिए गए। जमीन पर कब्जा कर प्लॉटिंग करके बेचने की साजिश रची जा रही थी।

ध्वस्तीकरण की कार्रवाई कलेक्टर रुचिका चौहान के निर्देश पर की गई, जिन्होंने 18 नवंबर को निरीक्षण किया था। मनोहरलाल भल्ला नामक व्यक्ति ने जमीन पर बाउंड्री वॉल बनाई थी और प्लॉट बेचने की तैयारी कर रहा था। एसडीएम नरेंद्र बाबू यादव के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई ने न केवल मंदिर की जमीन को कब्जा मुक्त कराया, बल्कि संभावित जालसाजी में भोले-भाले लोगों को फंसने से भी बचाया।

राजस्व निरीक्षक प्रदीप महाकाली और पटवारी इकबाल खान की रिपोर्ट के आधार पर नायब तहसीलदार डॉ. रमाशंकर सिंह ने मध्य प्रदेश भू-संहिता की धारा-248 के तहत प्रकरण दर्ज किया। कार्रवाई में तहसीलदार शिवदत्त कटारे, नगर निगम के अधिकारी और स्थानीय पुलिस भी शामिल थी।

पहली बार महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष का कोई नेता नहीं होगा

मुंबई, 24 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र का चुनाव ऐतिहासिक इसलिए है कि जनता ने महाविकास आघाड़ी को कुल जितनी सीटें दीं, उसके ढाई गुना से अधिक अकेले भाजपा को मिली हैं। आघाड़ी 50 सीटों पर सिमट गई, जबकि भाजपा को 132 सीटें मिली हैं। यह पहली बार है जब महाराष्ट्र में कोई नेता विपक्ष नहीं होगा।

महाराष्ट्र चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति ने 80 फीसदी सीटें जीतकर इतिहास रच दिया, तो भाजपा ने 132 सीटें जीतकर अब तक का सबसे बेहतर प्रदर्शन किया है। पार्टी अपने दम पर बहुमत से सिर्फ 13 सीटें कम है। सहयोगी शिवसेना की 57, एनसीपी (अजीत) की 41 व तीन छोटे सहयोगियों की चार सीटों के साथ महायुति ने 288 में से 234 सीटों पर बंपर जीत हासिल की है। कांग्रेस के नेतृत्व वाली महाविकास आघाड़ी (एमवीए) को झटका लगा, वह सिर्फ 50 सीटों पर सिमट गया।

शरद पवार, उद्धव ठाकरे जैसे दिग्गजों को पटखनी देकर महायुति ने सात माह पहले आम चुनाव में मिली हार का बदला ले लिया। कांग्रेस के कई बड़े मोहरे धराशाई हो गए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण, बाला साहेब थोराट जैसे कांग्रेस के दिग्गज नेता अपनी सीट तक नहीं बचा पाए। पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत विलासराव देशमुख के दो बेटों में एक धीरज देशमुख को हार का सामना करना पड़ा, जबकि अमित कड़े मुकाबले में जीते। उद्धव के बेटे आदित्य ठाकरे भी कड़े संघर्ष में ही जीत पाए। उद्धव की शिवसेना जिसने पिछली बार 16 सीटें अकेले मुंबई में जीती थीं, वह पूरे प्रदेश में वह 20 पर ही सिमट गई। शरद पवार 2019 की तरह किंगमेकर बनने का ख्वाब देख रहे थे, जो बिखर गया। दिवंगत एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी के पुत्र जीशान सिद्दीकी और राज ठाकरे के पुत्र बेटा अमित ठाकरे भी चुनाव हार गए।

महायुति में भाजपा का सबसे अच्छा स्ट्राइक रेट है। 149 सीटों पर मैदान में उतरी भाजपा ने 132 सीटें जीती हैं। ऐसे में इस बार उसका मुख्यमंत्री बनना तय है। पर पार्टी किसे मुख्यमंत्री बनाएगी यह अभी तय नहीं है। महायुति सिर्फ जीता नहीं, बल्कि अगले-पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। जीत की दर (स्ट्राइक रेट) के मामले में भाजपा सबसे आगे रही। उसने 149 सीटों पर उम्मीदवार उतारे और 132 जीत गए। इस तरह उसका स्ट्राइक रेट 89.26 फीसदी रहा। वहीं, शिवसेना (शिंदे) के 81 में 57 उम्मीदवार जीते और जीत की दर 70.3 फीसदी रही। राकांपा (अजित पवार) ने 59 सीटों पर चुनाव लड़ा और उसके 69.5 फीसदी यानी 41 उम्मीदवार जीते।

जाहिर है, महाराष्ट्र की महाजीत में भाजपा के स्ट्राइक रेट ने सबसे अहम भूमिका निभाई। यदि भाजपा भी अपने सहयोगियों की तरह 69 या 70 फीसदी सीटें जीतती, तो महायुति की करीब 30 सीटें कम हो जाती और पार्टी अपना मुख्यमंत्री बनाने से चूक जाती। शिवसेना को 2019 के चुनाव में 56 सीटें मिली थीं। बंटवारे के बाद पहले चुनाव में एकनाथ शिंदे की शिवसेना ने अपने दम पर 57 सीटें जीत लीं।

असली और नकली शिवसेना की लड़ाई हालांकि सुप्रीम कोर्ट में है, पर महाराष्ट्र की जनता ने अपना फैसला सुना दिया है। उद्धव ठाकरे फिर वहीं खड़े दिख रहे हैं, जहां वह पार्टी के दोफाड़ होने पर पहुंच गए थे। उपमुख्यमंत्री अजित पवार हीरो साबित हुए। उन्होंने न केवल चाचा शरद पवार को सीटों के मामले में बहुत पीछे छोड़ दिया, बल्कि विरासत भी पा ली। लोकसभा चुनाव में 3.60% मत पाकर एक सीट जीतने वाले अजीत गुट ने अब 9% मत हासिल किए। वहीं, शरद पवार की एनसीपी ने 86 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे, जिनमें से सिर्फ 10 विजयी हुए।

84 साल की उम्र में शरद पवार राजनीति की सबसे बड़ी शिकस्त खा गए। हालत इतनी खराब रही कि उनकी पार्टी को मिली सीटें अन्य के खाते में गई सीटों के करीब पहुंच गईं। एनसीपी (शरद पवार) को 10 और अन्य के खाते में 08 सीटें रहीं। वहीं, अजित गुट ने राज्य में सिर्फ 59 सीटों पर प्रत्याशी उतारे और 41 पर जीत हासिल की। एमवीए की हालत इतनी खराब है कि इसके घटक दलों में से कोई भी विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के पद पर दावा नहीं कर सकता। नेता प्रतिपक्ष के पद के लिए विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी के पास कम से कम 29 विधायक होना चाहिए। इस बार विपक्ष में सबसे बड़ी पार्टी शिवसेना (यूबीटी) के पास सिर्फ 20 विधायक हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि महाराष्ट्र विकास, सुशासन और सामाजिक न्याय की जीत हुई है। झूठ और धोखे की करारी हार हुई है। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र के लोगों ने नकारात्मक राजनीति और परिवारवाद को पराजित किया है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में जीत के बाद भाजपा मुख्यालय पहुंचे पीएम मोदी ने कार्यकर्ताओं को कहा, हम एक और ऐतिहासिक महाविजय का उत्सव मनाने के लिए यहां एकत्रित हुए हैं। महाराष्ट्र में झूठ, फरेब और विभाजनकारी ताकतें हारी हैं। नकारात्मक राजनीति की हार हुई है। आज महाराष्ट्र ने विकसित भारत के संकल्प को मजबूत किया है। पीएम ने कहा, हम विकास और विरासत साथ लेकर चलते हैं। मोदी ने कहा, वह महाराष्ट्र के मतदाताओं, युवाओं, माताओं व किसानों को नमन करते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, वह झारखंड की जनता के सामने भी नतमस्तक हैं। भाजपा राज्य के विकास के लिए उत्साह के साथ काम करेगी। चुनाव के दौरान दिए नारे एक हैं तो सेफ हैं का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा, चुनावों का सबसे बड़ा संदेश एकता है। हरियाणा के बाद इस चुनाव का सबसे बड़ा संदेश एकता ही है। एक हैं तो सेफ हैं अब देश का महामंत्र बन गया है।

करारी हार के बाद मायावती का बड़ा ऐलान

अब कोई उपचुनाव नहीं लड़ेगी बसपा

लखनऊ, 24 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी में नौ विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद बसपा सुप्रीमो मायावती ने अब कोई भी उपचुनाव नहीं लड़ने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि जब तक चुनाव आयोग फर्जी मतदान रोकने के लिए कोई सख्त निर्णय नहीं उठाता है तब तक बसपा किसी भी उपचुनाव में भाग नहीं लेगी।

मायावती ने कहा कि पहले बैलेट से फर्जी मतदान होते थे अब यह ईवीएम से भी होने लगा है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया है कि सिर्फ उपचुनाव ही नहीं लड़ेंगे। बाकी चुनाव में भाग लेंगे। वहीं, बसपा सुप्रीमो मायावती के इस बयान पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि अब यूपी में उपचुनाव होने भी नहीं हैं। हालांकि, अयोध्या की मिल्कीपुर सीट पर कोर्ट का फैसला होने के बाद उपचुनाव हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि फर्जी मतदान लोकतंत्र के लिए चिंता का विषय है। पहले लोकसभा, फिर राज्यों के विधानसभा और अब उपचुनाव में भी ये काम खुलकर किया जा रहा है। महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव में भी इसे लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं जो कि देश के लिए खतरे की घंटी है। ऐसी स्थिति में हमारी पार्टी ने निर्णय लिया है कि जब तक इसे रोकने के लिए चुनाव आयोग कोई सख्त निर्णय नहीं लेता है तब तक बसपा किसी उपचुनाव में भाग नहीं लेगी।

झारखंड की सुरक्षित सीटों से भाजपा साफ

महाराष्ट्र की सुरक्षित सीटों से कांग्रेस भी गई

मुंबई/रांची, 24 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव के परिणाम आ चुके हैं। महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति ने बड़े बहुमत के साथ सत्ता में वापसी की है। वहीं झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व वाले महागठबंधन ने भी जबरदस्त वापसी की है। शनिवार को आए चुनाव नतीजों में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित सीटों पर भी लोगों की नजर रही। 2019 के महाराष्ट्र चुनावों में आरक्षित सीटें सबसे ज्यादा भाजपा के खाते में गई थी और इसने अपना प्रदर्शन और बेहतर किया है। झारखंड में अनुसूचित जनजाति की सीटों पर झामुमो नीत गठजोड़ ने लगभग सफाया किया है।

महाराष्ट्र में कुल 54 आरक्षित सीटें हैं। अनुसूचित जाति (एससी) वर्ग के लिए 29 सीटें आरक्षित हैं। अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग के लिए 29 सीटें आरक्षित हैं। 2024 में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में एससी वर्ग की कुल 29 में से 10 सीटें भाजपा के खाते में गई हैं 2019 में ये आंकड़ा 9 था। इसके बाद कांग्रेस ने 4 सीटें जीती हैं जबकि पिछली बार इसने 3 सीटें जीती थीं। अजित पवार वाली एनसीपी ने 05 सीटे जीती हैं जबकि शरद पवार वाली एनसीपी के खाते में 02 सीटें गई हैं। 2019 में शरद पवार वाली एनसीपी ने 6 सीटें जीती थीं।

एकनाथ शिंदे वाली शिवसेना के खाते में 04 सीटें गई हैं जबकि उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना के खाते में 03 सीटें गई हैं। उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना ने 2019 में 5 सीटें जीती थी। वहीं 01 सीट अन्य के खाते में गई है। वहीं एसटी वर्ग के लिए आरक्षित सीटों की बात करें तो 25 में से सबसे ज्यादा 10 सीटें भाजपा के खाते में गई हैं वहीं 2019 में ये सीटें 9 थीं। 02 सीटें कांग्रेस के खाते में गई हैं वहीं पिछली बार ये संख्या 4 थी।

अजित पवार वाली एनसीपी ने 6 सीटें जीती हैं। 2019 एनसीपी ने 6 सीटें जीती थीं। शिवसेना ने 6 सीटें जीती हैं और 2019 में ये संख्या 3 थी। 1 सीट अन्य के खाते में गई हैं। इस तरह से 2024 की कुल 54 आरक्षित सीटों पर सबसे ज्यादा 20 सीटें भाजपा के खाते में गई हैं। उसके बाद एनसीपी को 11 सीटें और तीसरे नंबर पर कांग्रेस को 06, शिवसेना को 10, शिवसेना (यूबीटी) 03, एनसीपी (एसपी) 02, वहीं अन्य के खाते में 02 सीटें गई।

झारखंड में कुल 36 आरक्षित सीटें हैं। अनुसूचित जाति (एससी) वर्ग के लिए 9 सीटें आरक्षित हैं। अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग के लिए 27 सीटें आरक्षित हैं। 2024 में झारखंड विधानसभा चुनाव में एससी वर्ग की 9 आरक्षित सीटों में से भाजपा के खाते में 3 सीटें गई हैं जबकि 2019 में 6 सीटें जीती थीं। वहीं 2 सीटें झामुमो ने जीती और 2019 के आंकड़े को बरकरार रखा। पिछली बार एससी सीट पर कांग्रेस शून्य थी लेकिन इस बार 2 सीटें कांग्रेस ने जीती है। 2 सीट अन्य के खाते में गई है।

वहीं एसटी वर्ग की कुल 28 आरक्षित सीटों में से 1 सीट भाजपा के खाते में गई है जबकि पिछली बार 2 सीटें जीती थी। सबसे ज्यादा 20 सीटें झामुमो के पास गई हैं। 2019 में झामुमो ने 19 सीटें जीती थी। 2019 में कांग्रेस के खाते में 6 सीटें गई थी और इस बार 7 सीटें कांग्रेस ने जीती है। 2024 की कुल 37 आरक्षित सीटों में सबसे ज्यादा 22 सीटें झामुमो के खाते में गई थीं। वहीं, दूसरे नंबर पर भाजपा को 4 सीटें मिली थीं। इसके अलावा 9 सीटें कांग्रेस और 2 सीटें अन्य को मिली थीं।

गाजियाबाद उपचुनाव : दूसरी बार नाकाम रहा अखिलेश का दलित कार्ड

गाजियाबाद, 24 नवंबर (एजेंसियां)। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सिंघराज जाटव को टिकट देकर जो दलित कार्ड चला, वह कारगर साबित नहीं हुआ। सपा की मंशा दलित-मुस्लिम समीकरण बनाने की लग रही थी लेकिन यह सफल नहीं हो सकी। सदर सीट पर दलित और मुस्लिम वोटरों की संख्या मिलाकर एक लाख से ज्यादा है। इनके अलावा यादव भी हैं। सपा का कांग्रेस से गठबंधन भी है। इसके बावजूद सपा को वोट 28 हजार से कम मिले हैं।

यह लगातार दूसरी बार है जब अखिलेश यादव का दलित कार्ड चल नहीं पाया है। इससे पहले उन्होंने 2022 में भी विशाल वर्मा को टिकट दिया था। तब भाजपा के अतुल गर्ग ने विशाल वर्मा को एक लाख से ज्यादा वोटों से हराया था। अतुल गर्ग को 1,50,205 और विशाल वर्मा को 44,668 वोट मिले थे। सिंहराज को विशाल से भी कम वोट मिले हैं। सिंघराज जाटव लाइनपार क्षेत्र के निवासी हैं और लंबे समय बसपा में अहम पदों पर रहे हैं। इसलिए, सपा नेताओं को लग रहा था कि वह लाइनपार में सबसे आगे रहेंगे और दलित वोटों को अपनी ओर कर पाएंगे लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ।

सपा की हार की एक और वजह चुनाव के लिए पहले से तैयारी न करना भी रही। उप चुनाव के लिए सपा-कांग्रेस गठबंधन में ऐन वक्त तक तैयारी कांग्रेस कर रही थी। कांग्रेस से 10 से ज्यादा टिकट दावेदार थे। माना जा रहा था कि सदर सीट से कांग्रेस ही लड़ेगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। नामांकन शुरू होने से ठीक पहले तय हुआ कि सपा लड़ेगी। इसके बाद कांग्रेस और सपा के संगठन में तालमेल नहीं बन पाया। भाजपा के मुकाबले सपा चुनाव प्रचार में पिछड़ गई थी। जहां सीएम योगी भाजपा के लिए वोट मांगने चार बार आए, वहीं सपा से अखिलेश यादव सिर्फ एक बार आए। अखिलेश ने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की, कोई जनसभा नहीं की। कांग्रेस से कोई बड़ा नेता सपा के लिए नहीं आया। लोकसभा चुनाव के दौरान अखिलेश और राहुल गांधी एक साथ गाजियाबाद आए थे लेकिन इस बार यह जोड़ी साथ नजर नहीं आई।

बीस साल पहले इसी सदर सीट पर उपचुनाव हुआ था। उसमें सपा ने जीत हासिल की थी। इस इतिहास को सपा दोहरा नहीं पाई। 2004 के उप चुनाव की एक जीत के अलावा सपा यहां हर चुनाव में हारी है। हार की इस श्रृंखला में एक और कड़ी जुड़ गई है। गाजियाबाद सदर सीट के विधानसभा उपचुनाव में कुल 14 प्रत्याशी मैदान में थे। इनमें से 12 प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई है। आठ प्रत्याशी ऐसे रहे जो नोटा से कम वोट हासिल कर सके। सिर्फ भाजपा और सपा उम्मीदवार की ही जमानत राशि बच सकी।

हमें भारत के भूले हुए गौरव को फिर से पेश करना होगा : मोहन भागवत

हैदराबाद, 24 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि भारत के भूले हुए गौरव को फिर से पेश किया जाना चाहिए।

यहां राष्ट्रवादी विचारकों के एक संगोष्ठी लोकमंथन-2024 में बोलते हुए, भागवत ने देश के दार्शनिक ज्ञान की सहमति वाले विज्ञान के महत्व के बारे में बात करते हुए, वैज्ञानिकों द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग में नैतिकता पर जोर देने का उदाहरण दिया।

उन्होंने कहा कि भारत की मूल्य प्रणाली व्यक्ति की बुद्धि पर जोर देती है। मुद्दों के प्रति भारत के दृष्टिकोण में तर्क, बुद्धि है और देश को समस्याओं के प्रति अन्य दृष्टिकोणों का पालन करने की आवश्यकता नहीं है।

भारत विदेशों से अच्छी चीजें ले सकता है लेकिन इसकी अपनी आत्मा और संरचना होनी चाहिए।

उन्होंने कहा, हमें अपने सनातन धर्म और संस्कृति को समकालीन रूप देने के बारे में सोचना होगा।

भागवत ने कहा, हमें जो करना है, वह यह है कि हमें भारत के भूले हुए गौरव को फिर से पेश करना है।

उन्होंने कहा कि भारत का जन्म इन्हीं बुनियादों पर हुआ है। उन्होंने कहा कि जब से इतिहास की आंखें खुली हैं तब से इस यात्रा को देखा जा सकता है कि तब हमारे पूर्वज कैसे सोचते थे और कैसे जीते थे...भले ही समाज कितना बदल गया हो...लेकिन अंदर से जो माद्दा है, वैसा ही जीवन है। उन्होंने कहा कि ऐसी जीवन पद्धति कहीं और नहीं, केवल भारत में ही मिल सकती है। क्योंकि रुशों को लगा कि इस दर्शन को सभी तक फैलाना उनका कर्तव्य है। यह पता चला कि भारत वह देश था जिसे इसके लिए एक उपकरण माना गया था। इस देश को रूढ़िवादी घोषित कर दिया गया है।

सरसंघचालक ने कहा कि समाज दिन-ब-दिन बिगड़ता जा रहा है और इसके कारण हम रिश्तों को भूलते जा रहे हैं। लेकिन... हमारे पूर्वजों ने हमें एक अद्भुत जीवन दिया है और हमारे पूर्वजों ने हमें आध्यात्मिक जड़ों पर आधारित भौतिक जीवन जीने का तरीका बताया है। लोकमंथन मोहन भागवत ने सुझाव दिया कि छोटे लोकमंथन न केवल दिल्ली और हैदराबाद जैसे बड़े शहरों में बल्कि दूरदराज के गांवों में भी स्थापित किए जाने चाहिए।

केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने ऐतिहासिक चुनौतियों के बीच अपनी एकता को बनाए रखने की भारत की बेजोड़ क्षमता पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि यूरोप, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और मिस्र की मूल जनजातियों को सताया गया है और समानता के लिए संघर्ष करना जारी रखा है। इसके विपरीत, भारत के इतिहास और पुराण वनवासी, ग्रामवासी और नगरवासी की एकता का जश्न मनाते हैं। समावेशिता की इस दृष्टि ने हमारी सभ्यता को अक्षुण्ण रखा है।

उन्होंने अब्राहमिक धर्मों के हमले के खिलाफ भारत के लचीलेपन के बारे में भी बात की, जिसके कारण कई प्राचीन सभ्यताएं विलुप्त हो गईं। उन्होंने कहा, हमारी सभ्यता न केवल जीवित रही है, बल्कि धर्म के सिद्धांतों के कारण संपन्न हुई है, जो हमारा मार्गदर्शन करते हैं।

केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने स्वतंत्रता के बाद भी भारत के इतिहास में विकृतियों पर विचार किया। उन्होंने टिप्पणी की कि हमने स्वतंत्रता के बाद अपनी जड़ों को पुनः प्राप्त करने का अवसर खो दिया, लेकिन अब हम अंततः अपने मूल विचार और जीवन के तरीके को फिर से खोजने के रास्ते पर हैं।

केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए लोकमंथन में प्रदर्शित भागीदारी और सांस्कृतिक समृद्धि की सराहना की। उन्होंने भारत को एकजुट करने और राष्ट्र की प्रगति के लिए प्रेरक कार्रवाई में ऐसे प्लेटफार्मों के महत्व पर जोर दिया।

अपनी विविध चर्चाओं और सांस्कृतिक प्रदर्शनों के साथ, लोकमंथन भाग्यनगर 2024 भारत की सभ्यता जागृति की यात्रा में एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम के रूप में उभरा है। कॉन्क्लेव का समापन प्राचीन ज्ञान को आधुनिक आकांक्षाओं के साथ मिश्रित करने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ, जिससे धर्म और एकता में निहित भविष्य का मार्ग प्रशस्त हुआ।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.